जबलपुर
मंगलवार, 2 अप्रैल 2024
- चैत्र मास कृष्ण पक्ष-8
- वर्ष : 18 अंक : 327
- पृष्ठ : 14, मूल्य : 3.00 रुपये

मौसम
अधि. 37
न्यून. 20

haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

मार्च में दूसरा सबसे बड़ा जीएसटी कलेक्शन

1.78 लाख करोड़ पर पहुंचा

नई दिल्ली। मार्च के महीने में जीएसटी रेवेन्यू कलेक्शन में एक बार फिर जबरदस्त उछाल आया है। मार्च में कलेक्शन साल-दर-साल 11.5% की वृद्धि के साथ 1.78 लाख करोड़ पर पहुंच गया। वित्त मंत्रालय ने बताया कि घरेलू लेनदेन बढ़ने से मार्च में जीएसटी कलेक्शन बढ़ा है। यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा कलेक्शन है।

भाजपा में शामिल हुए छिंदवाड़ा नगर निगम के महापौर विक्रम अहाके से 'हरिभूमि और आईएनएच' न्यूज चैनल के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का 'चुनावी संवाद'

जब देश के मन में मोदी हैं...तो मेरे भी मन में मोदी हैं, इसलिए मैं भाजपा से जुड़ गया

ये भी बोले विक्रम?

पिछले बार छिंदवाड़ा छूट गई थी, वह भी इस बार भाजपा के खाते में जाएगी

नकुलनाथ के 5 साल के कार्यकाल का जवाब इस बार जनता अवश्य देगी

छिंदवाड़ा का विकास भाजपा के विजन से अछूता रहा है। इसलिए, अगर छिंदवाड़ा का सांसद भी भाजपा का बनेगा, तो यहां के विकास को पंख लगेंगे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

छिंदवाड़ा नगर निगम के महापौर विक्रम अहाके ने बड़ा कदम उठाते हुए कमलनाथ, नकुलनाथ और कांग्रेस का हाथ छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है। विक्रम का लंबे समय से कमलनाथ परिवार से पारिवारिक नाता रहा है। यही वजह है कि उनके सानिध्य में वे महापौर की कुर्सी तक पहुंचने में कामयाब रहे। उनका कहना है कि जब देश के मन में मोदी तो मेरे भी मन में मोदी हैं, इसलिए मैं भाजपा से जुड़ गया।

विधानसभा में जिले की सभी सीटें इसलिए कांग्रेस जीती थी कि लोगों के मन में एक मानस था कि कमलनाथ मुख्यमंत्री बनेंगे, पर अब चुनाव देश का है। उन्होंने यह फैसला देश के मानस और छिंदवाड़ा को नई दिशा देने को लेकर लिया है। वे 'हरिभूमि' और 'आईएनएच' न्यूज चैनल के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से 'चुनावी संवाद' कार्यक्रम में अपनी बात रख रहे थे।

सवालः जो शख्स कांग्रेस के बूते महापौर बना, अब वह भाजपा में क्यों चले गए?

जवाबः कमलनाथ हमारे वरिष्ठ नेता रहे हैं और जो कुछ भी हूं मैं उन्हीं की वजह से हूं। मुझे जिन उम्मीदों के साथ जनता ने चुना है, तो मेरा पहला कर्तव्य है कि जनता की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को पूरा करूं, लेकिन मैं उनके कार्य नहीं कर पा रहा हूं। छिंदवाड़ा को विकास की ऊंचाइयों पर ले जाना है, तो इसमें केंद्र और राज्य सरकार का सहयोग जरूरी है। जिस तरीके से केंद्र मे पीएम नरेंद्र मोदी और राज्य में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार चल रही है, उससे मन प्रभावित हुआ और मैंने यह निर्णय लिया। मैं भाजपा में गया, इसके लिए छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी बंटी साहू की भूमिका अहम रही। प्रदेश के अन्य भाजपा नेताओं से भी संपर्क हुआ।

सवालः अब आप भाजपा में चले गए, तो कमलनाथ और नकुलनाथ का सामना कैसे करोगे?

जवाबः कमलनाथ और नकुलनाथ मेरे सम्मानीय हैं और रहेंगे। यह निर्णय लिया वह जनता की भावनाओं को देखकर लिया गया है न कि कमलनाथ और नकुलनाथ की वजह से लिया है। अब भाजपा के लिए काम करेंगे, लेकिन मेरे दिल में जो उनके लिए जगह थी, वह हमेशा रहेगी। इससे ज्यादा मैं कमलनाथ और नकुलनाथ के बारे में कुछ नहीं बोलना चाहता हूं। कमलनाथ ने छिंदवाड़ा के विकास के लिए बहुत काम किया है। इसमें कोई दोमत नहीं है।

सवालः नकुलनाथ 5 साल सांसद रहे, उनका सांसद का कार्यकाल कैसा रहा?

जवाबः नकुलनाथ छिंदवाड़ा के सांसद हैं, उन्होंने क्या काम किए, जनता इसका अभी के चुनाव में जवाब दे देगी। नकुलनाथ की तुलना हमेशा कमलनाथ से की जाती है और उसी उम्मीद के साथ जनता ने उन्हें चुना था। मैं उनके साल के कार्यकाल का जवाब नहीं दे सकता, लेकिन आने वाले समय में जनता उनका हिसाब करेगी। मैं जनता के बीच सरकार की योजनाओं को लेकर जाऊंगा और वोट मांगूंगा। छिंदवाड़ा का विकास भाजपा के विजन से अछूता रहा है। इसलिए अगर छिंदवाड़ा का सांसद भी भाजपा का बनेगा, तो यहां के विकास को पंख लगेंगे। अब डबल इंजन की सरकार के साथ छिंदवाड़ा को जाना चाहिए। इससे यहां के विकास को और रफ्तार मिलेगी।

सवालः जब भाजपा में शामिल होने भोपाल के लिए निकले, तो कमलनाथ या जीतू पटवारी ने रोका नहीं?

जवाबः निश्चित तौर पर जब कोई भी व्यक्ति लंबे समय से जुड़ा हो, तो दुख तो होता है। लेकिन कभी-कभी ऐसे निर्णय लेने पड़ते हैं। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से फोन तो काफी आए, लेकिन जब मन में मोदी हैं, तो क्या किसी से बात करना है। कमलनाथ ने ही मुझे यहां तक पहुंचाया है और जब मैंने भाजपा में जाने का निर्णय लिया तो हो सकता उनका मन दुखी हुआ हो, इसी वजह से उन्होंने मुझे फोन नहीं किया हो। मैं इतना बड़ा नेता नहीं हूं कि कमलनाथ और नकुलनाथ को भाजपा में जाने की बात कहूं। यह उनका अपना विचार है। मुझे तो अब छिंदवाड़ा के विकास के लिए काम करना है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

शेफाली ने संभाला महानिदेशक का पदभार

नई दिल्ली। भारतीय सूचना सेवा की वरिष्ठ अधिकारी शेफाली बी. शरण ने सोमवार को प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) के प्रधान महानिदेशक का पदभार संभाल लिया। शेफाली शरण 1990 बैच की अधिकारी हैं। तीन दशक से अधिक के शानदार करियर के दौरान वित्त, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण जैसे मंत्रालयों के लिए मीडिया प्रचार संभाला है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 32 रुपए सस्ता

नई दिल्ली। एक अप्रैल आम जनता के लिए महंगाई से राहत लेकर आया है। सरकार की ओर से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में कटौती की गई है। कटौती के बाद दिल्ली में 19 किलो के एलपीजी सिलेंडर का रेट 1764.50 रुपए हो गया है। पहले ये 1795 रुपए था। दिल्ली में 30.50 रुपए कम हुए हैं।

उबर ऑटो में सवारी पर 1 करोड़ से अधिक बिल

हैदराबाद। सोशल मीडिया में हैदराबाद के एक ब्लॉगर ने दावा किया कि, उबर ने शहर में 10 मिनट की ऑटो सवारी के लिए उससे 1 करोड़ का बिल दिया। श्रीराज नीलेश ने कहा कि उनकी पत्नी मनसा ने टिन फैक्ट्री, केआर पुरम से कोरमंगला जाने के लिए एग्रीगेटर ऐप का उपयोग कर ऑटो रिक्शा बुक किया था। शुरुआत में 207 रुपए किराया दिखाया था।

15 अप्रैल तक जेल में रहेंगे केजरीवाल, राउज एवेन्यू कोर्ट ने सुनाया फैसला

मुख्यमंत्री केजरीवाल का 'नया' पता...जेल नंबर 2, तिहाड़ जेल

28 मार्च को अदालत ने उनकी हिरासत को 1 अप्रैल तक चार और दिनों के लिए बढ़ा दिया था

पेशी के दौरान सीएम केजरीवाल ने कहा
पीएम जो कर रहे हैं ठीक नहीं कर रहे हैं

जेल जाने के बाद अब बड़ा सवाल है कि केजरीवाल क्या जेल से सरकार चला पाएंगे? या वे इस्तीफा देंगे और उनकी पत्नी सुनीता कुर्सी संभालेंगी या फिर उनकी सरकार चली जाएगी? आने वाले दिनों में यह साफ हो जाएगा।

मनीष सिसोदिया भी जेल नंबर-2 में ही मौजूद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ईडी कस्टडी खत्म होने के बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें 15 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में दिया है। वे अब तिहाड़ जेल की बैरक नंबर 2 में रहेंगे।

उन्हें 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और तब से बतौर मुख्यमंत्री जेल से वह अपनी सरकार चला रहे हैं। पेशी के दौरान सीएम केजरीवाल ने कहा-पीएम जो कर रहे हैं ठीक नहीं कर रहे हैं। ईडी ने सुनवाई की शुरुआत में कोर्ट के सामने कहा कि अरविंद केजरीवाल जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं और घुमा-फिरा कर जवाब दे रहे हैं। ईडी न यह भी कहा कि वह अपना मोबाइल भी उपलब्ध नहीं करा रहे हैं। 28 मार्च को अदालत ने उनकी हिरासत को 1 अप्रैल तक चार और दिनों के लिए बढ़ा दिया था। गौर हो कि इससे पहले मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, सत्येंद्र जैन भी तिहाड़ जेल में हैं।

सत्येंद्र जैन 7 और संजय सिंह 5 नंबर में, के कविता 6 नंबर जेल में मौजूद

तिहाड़ जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे समर्थकों को पुलिस ने हिरासत में लिया।

सुनवाई 3 अप्रैल को फिर शुरू होगी

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का रुख भी किया है। यह तर्क देते हुए कि जांच एजेंसी ने उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया है। कोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी कर 2 अप्रैल तक जवाब मांगा था। सुनवाई 3 अप्रैल को फिर शुरू होगी। आम आदमी पार्टी ने गिरफ्तारी को राजनीतिक साजिश करार दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उनकी गिरफ्तारी ने से विपक्षी खेमा लगातार विरोध जता रहा है। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री की पत्नी सुनीता केजरीवाल लगातार सक्रिय हैं और वह उनके भेजे संदेशों को पढ़ रही हैं।

6.30 बजे चाय, लंच में दाल सब्जी, पांच रोटी या चावल

तिहाड़ में रह रहे कैदियों के दिन की शुरुआत जेल शेड्यूल के मुताबिक सुबह 6:30 बजे होगी। कैदियों को नाश्ते में चाय और ब्रेड दी जाती है। यहां हर कैदी को यह टाइम शेड्यूल फॉलो करना होता है। अरविंद केजरीवाल भी इसे फॉलो करेंगे। दोपहर का खाना सुबह 10:30 से 11 बजे के बीच दिया जाएगा, जिसमें एक दाल, एक सब्जी और पांच रोटी या चावल होगा।

केजरीवाल ने की मांग

गीता, रामायण व धार्मिक लॉकेट पहनने की अनुमति

कोर्ट के फैसले के बाद सीएम के वकीलों ने कोर्ट के सामने कस्टडी के दौरान कुछ किताबें उपलब्ध कराए जाने की मंजूरी मांगी है। इन किताबों में भगवद गीता, रामायण और पत्रकार नीरजा चौधरी की किताब 'हाउ प्राइम मिनिस्टर्स डिसीजन' हैं। केजरीवाल ने आवेदन दायर कर न्यायिक हिरासत में रहने के दौरान स्पेशल डाइट, दवा, किताबें मांगी हैं।

चुनावी बॉन्ड डेटा पर पीएम मोदी बोले

जो लोग इस पर 'नाच' रहे हैं, वे सब पछताएंगे

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार की चुनावी बॉण्ड योजना के कारण ही चंदे के स्रोतों और इसके लाभार्थियों का पता लगाया जा सका। अगर आज जानकारी उपलब्ध हुई है तो उसकी वजह बॉण्ड है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी बॉन्ड के मुद्दे से उनकी सरकार को झटका लगने की बात खारिज कर दी और कहा कि कोई भी प्रणाली पूरी तरह से सही नहीं है और खामियों को दूर किया जा सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि इस विषय पर हंगामा करने वाले लोग पछताएंगे। एक इंटरव्यू के दौरान जब उनसे यह पूछा गया कि क्या चुनावी बॉण्ड डेटा से सत्तारूढ़ भाजपा को झटका लगा है, तो पीएम मोदी कहा कि मुझे बताइए कि हमने ऐसा क्या कर दिया कि मैं इसे एक झटके के तौर पर देखूं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि जो इसे (बॉन्ड के विवरण) को लेकर हंगामा कर रहे हैं और इस पर गर्व कर रहे हैं उन्हें पछतावा होगा।

हर काम में राजनीति नहीं देखनी चाहिए

पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि किसी को उनके हर काम में राजनीति नहीं देखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह देश के लिए काम करते हैं। अगर वोट उनकी मुख्य चिंता होती, तो उन्होंने पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए इतना कुछ नहीं किया होता। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के मंत्रियों ने 150 से अधिक बार क्षेत्र का दौरा किया है और वह स्वयं भी अन्य सभी प्रधानमंत्रियों की तुलना में अधिक बार वहां गए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि मैं एक राजनीतिक नेता हूं इसका मतलब यह नहीं है कि मैं केवल चुनाव जीतने के लिए काम करता हूं।

चुनाव से पहले कांग्रेस को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

3500 करोड़ रु. को लेकर अभी नहीं होगी कोई कार्रवाई

- सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मामले की सुनवाई जून के दूसरे हफ्ते में की जाए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस पर 3500 करोड़ रुपए के आयकर विभाग नोटिस को लेकर फिलहाल लेकर कोई कार्रवाई नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस पार्टी को लोकसभा चुनाव 2024 से पहले बड़ी राहत दी है।

आयकर विभाग ने कांग्रेस को हाल ही में 1700 करोड़ रुपए का नोटिस भेजा है। सुप्रीम कोर्ट में आयकर विभाग से कांग्रेस पार्टी को जारी टैक्स रिकवरी नोटिस के खिलाफ दाखिल कांग्रेस की याचिका पर जस्टिस बीवी नागरत्ना और एजी मसीही की बेंच ने सुनवाई की।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि 3500 रु. की डिमांड

आयकर विभाग की तरफ से सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि 3500 रु. की डिमांड है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मामले की सुनवाई जून महीने में की जाए। तब तक कोई कार्रवाई नहीं होगी। इस पर कोर्ट ने पूछा कि क्या आपने जो डिमांड की है उसे स्थगित कर रहे हैं? एसजी ने आगे कहा कि हम बस ये कह रहे हैं कि चुनाव तक कोई कार्रवाई नहीं करेंगे। मामले की सुनवाई जून के दूसरे हफ्ते में की जाए।

मकान मालिक व बेटे की करतूत

छात्रा को उसके दोस्त के साथ निर्वस्त्र कर जबरदस्ती 'नचाया'

आरोपियों ने दोनों की कुत्ते के पट्टे से पिटाई की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

एक मकान मालिक और उसके बेटे ने शराब के नशे में उनकी किराएदार और नर्सिंग की छात्रा और उसके दोस्त को निर्वस्त्र कर नचाया और बेल्ट से उनकी पिटाई की। मामले को लेकर पीड़िता छात्रा पुलिस के पास पहुंची, जिसके बाद पुलिस ने दोनों बाप-बेटे को नंदा नगर से गिरफ्तार कर लिया।

कंकर मुंजारे की पत्नी अनुभा ने कहा

मैं इस घर में डोली में आई थी... अर्थी में ही 'जाऊंगी'

पति कंकर ने कहा था- दूसरे घर में चली जाएं

अनुभा बालाघाट से ही कांग्रेस की विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बालाघाट से बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के उम्मीदवार कंकर मुंजारे का घर युद्ध का मैदान बन गया है। दरअसल, कंकर मुंजारे की पत्नी अनुभा बालाघाट से ही कांग्रेस की विधायक हैं। पूर्व सांसद कंकर ने अपनी पत्नी अनुभा मुंजारे से कह दिया है कि अगर उनको कांग्रेस पार्टी का चुनाव प्रचार करना है ।

खजुराहो में सपा ने बदला उम्मीदवार

मनोज यादव की जगह अब मीरा दीपक को दिया टिकट

यादव को सपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छतरपुर

इंडिया गठबंधन के तहत मप्र लोकसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी को खजुराहो सीट मिली है, जिस पर पार्टी की ओर से डॉ. मनोज यादव को टिकट दिया गया था। हालांकि, अब सपा ने अपना प्रत्याशी बदल दिया है। मनोज यादव का टिकट काटते हुए अब पूर्व विधायक मीरा दीपक को उम्मीदवार बनाया है।

दिल्ली के एक गांव में तेंदुए से दहशत

घर में घुसकर 5 लोगों पर हमला, कमरे में किया बंद

गांव में तेंदुआ घुसने के बाद अफरा तफरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के वजीराबाद के जगतपुर गांव में सोमवार को एक तेंदुआ घुस आया। गांव में तेंदुए के घुसते ही अफरा-तफरी मच गई। इसी बीच तेंदुए ने गांव के 5 लोगों को पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। गांव वालों ने तेंदुए की सूचना पुलिस प्रशासन और वन विभाग की टीम को दी।

आष्टा में होली उत्सव के दौरान किसी ने गुलाल की जगह फेंका था नारियल

पं. प्रदीप मिश्रा के ब्रेन में लगी चोट मनासा में होने वाली कथा 'निरस्त'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीहोर/नीमच

29 मार्च को आष्टा में आयोजित होली समारोह में प्रख्यात कथा वाचक पंडित मिश्रा को किसी ने गुलाल की जगह नारियल फेंक दिया, जिससे उनके सिर में चोट लग गई। जिससे उनके ब्रेन में सूजन आ गई है। डॉक्टरों ने उनको कथा करने से मना किया है।

पं. मिश्रा सोमवार को नीमच जिले के मनासा में मंच पर आकर रूबरू हुए और श्रद्धालुओं को यह जानकारी दी। यहां शिव महापुराण कथा निरस्त हो गई है। उन्होंने बताया कि मैं अस्पताल से छुट्टी लेकर यहां पहुंचा हूं। स्वास्थ्य सही नहीं होने से कथा नहीं हो सकेगी। अगर स्वास्थ्य में सुधार हुआ तो आगामी कथा होगी। अन्यथा वे भी निरस्त होंगी। जिले के मनासा में एक से सात अप्रैल तक सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन मनासा के राठौर परिवार द्वारा किया जा रहा था।

डॉक्टरों ने उन्हें चोट ठीक होने तक कथा नहीं करने की सलाह दी

कोर्ट ने इस मामले से जुड़े सभी पक्षों को नोटिस भेजा

शीर्ष कोर्ट ने कहा- सर्वेक्षण के नतीजे के आधार पर उसकी अनुमति के बिना कोई कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए

सुप्रीम कोर्ट ने धार की भोजशाला में एएसआई के सर्वे पर रोक लगाने से साफ 'इनकार' किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश की धार भोजशाला और कमल मौला मस्जिद में जारी एएसआई सर्वे पर रोक लगाने की मांग ठुकरा दी है। कोर्ट ने इसके साथ ही सभी पक्षों को इस मामले में जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस भेजा है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने भोजशाला में एएसआई सर्वे करने के इजाजत दी है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने एक अप्रैल को दिए अपने आदेश में यह जरूर कहा है कि सर्वेक्षण के नतीजे के आधार पर उसकी अनुमति के बिना कोई कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। इतना ही नहीं, सर्वोच्च अदालत ने यह भी कहा है कि विवादित स्थल पर कोई भी भौतिक खुदाई नहीं की जानी चाहिए।

सर्वोच्च अदालत ने यह भी कहा है कि विवादित स्थल पर कोई भी भौतिक खुदाई नहीं की जानी चाहिए, जिससे इसका मूल स्वरूप बदले

4 हफ्ते में एएसआई अपनी सर्वे रिपोर्ट दाखिल करेगी

इस मामले में हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला में एएसआई सर्वे रोकने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने हिंदू पक्ष को भी नोटिस दिया है। हम अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करेंगे। इसके साथ ही एएसआई सर्वे को लेकर उन्होंने कहा कि 4 हफ्ते के अंदर ही एएसआई भी सर्वे की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दाखिल करेगी।

22 मार्च को एएसआई का पुरातात्विक सर्वे शुरू हुआ था

गौर हो कि इस स्थल पर पिछले महीने 22 मार्च को एएसआई का पुरातात्विक सर्वे शुरू हुआ था। जैसे वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर में स्पेशल सर्वे किया गया था, ठीक उसी तर्ज पर भोजशाला में सर्वे हो रहा है। मुस्लिम पक्ष ने 22 मार्च को ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट से याचिकाकर्ताओं ने तुरंत इस मामले में सुनवाई करने की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से सीधे तौर पर इनकार कर दिया था।

जहां काम-वहीं वोट के तहत जम्मू-कश्मीर के लिए खास सुविधा

निर्वाचन आयोग ने लिया बड़ा फैसलाः अब मतदाता को वोट डालने के लिए नहीं जाना पड़ेगा अपने गांव या शहर, जहां हैं वहीं कर सकेंगे वोट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में निर्वाचन आयोग ने बहुत बड़ी राहत दी है। इस बार चुनाव में प्रवासी मतदाताओं को मतदान के लिए अपने गृह राज्य, नगर जाने की जरूरत नहीं होगी और वे जहां हैं, वहीं से मतदान कर सकेंगे। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे ने बताया कि सभी प्रवासी मतदाता पोस्टल बैलेट से मतदान कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर के माइग्रेंट वोटर्स भी अपना पोस्टल बैलेट के लिए फॉर्म जमा कर सकते हैं। उसका प्रारूप फार्म 12सी होगा। यदि वे फिजिकली वोट के लिए अनुरोध करते हैं तो उनके लिए फार्म एम होगा। बता दें कि यह जानकारी माइग्रेंट वोटर्स को उनके चुनाव पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के माध्यम से उपलब्ध करा दी गई है। प्रवासी मतदाता को वे अभी जहां निवास कर रहे हैं, वहां पर संबंधित ईआरओ कार्यालय में जाकर तीन डॉक्यूमेंट जमा करने होंगे। पहला डॉक्यूमेंट फार्म एम या फार्म 12सी में से कोई एक। दूसरा जहां पर वर्तमान में निवास कर रहे हैं, वहां का रेजीडेंस प्रूफ और तीसरा रिलीफ कमिश्नर से प्राप्त माइग्रेशन सर्टिफिकेट या अन्य कोई अभिलेख। इन अभिलेखों को जमा करने के उपरांत राज्य के ईआरओ इन आवेदन पत्रों को ऑनलाइन मोड से संबंधित ईआरओ को भेजेंगे, जो जम्मू और कश्मीर राज्य में होंगे। यह सुविधा केवल तीन लोकसभा क्षेत्र श्रीनगर, अनंतनाग और बारामुला के लिए उपलब्ध होगी।

प्रवासी मतदाताओं के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने ऐसी व्यवस्था की है, जिससे उन्हें वोट डालने के लिए अपने राज्य नहीं लौटना होगा। प्रवासी मतदाता जिस शहर या राज्य में काम करते हैं, वहीं से अपने राज्य के चुनाव में वोटिंग कर सकेंगे। इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा बड़े स्तर पर तैयारी की गई है।

चुनाव में सभी प्रवासी मतदाता कर सकेंगे बैलेट से मतदान

उत्तराखंड में प्रवासी मतदाताओं की कुल संख्या 93 हजार 187

जम्मू और कश्मीर के माइग्रेंट वोटर्स भी अपना पोस्टल बैलेट के लिए फॉर्म जमा कर सकते हैं

पौड़ी में सबसे अधिक 34845 प्रवासी मतदाता

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि उत्तराखंड में प्रवासी मतदाताओं की कुल संख्या 93 हजार 187 है। इसमें टिहरी लोकसभा से 12862, पौड़ी गढ़वाल से 34845, अल्मोड़ा से 29105, नैनीताल से 10629 एवं हरिद्वार लोकसभा से 5746 सर्विस वोटर चिह्नित किए गए हैं। इनमें 90554 पुरुष और 2633 महिला प्रवासी मतदाता हैं। गौरतलब है कि रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में रहने वाले घरेलू प्रवासी मतदाताओं को वोट डालने अपने राज्य, शहर, घर लौटना पड़ता है। वोटर नई जगह जाने पर कई वजहों के चलते चुनाव में मतदान करने के लिए अपने घरेलू मतदान केंद्र पर नहीं लौट पाता है।

गजब चुनावी वादे...राशन कार्ड से बंटवाएंगे शराब

लोकसभा चुनाव अब अपने पूरे रंग-ढंग में है और सभी राजनेता और दल जनता को लुभाने के लिए तरह-तरह के वादे और आश्वासन दे रहे हैं। लेकिन इस बीच महाराष्ट्र के चंद्रपुर में एक ऐसी महिला उम्मीदवार मिली जिसके चुनावी वादे सुनकर हर कोई अचरज में पड़ा जाए। चंद्रपुर लोकसभा सीट से एक महिला कैंडिडेट का कहना है कि अगर वह सांसद बनी तो राशन कार्ड पर विदेशी शराब दिलाएगी और बेरोजगार युवाओं को शराब के ठेके भी आवंटित करेगी। इतना ही नहीं महिला प्रत्याशी का वादा है कि वह चुनाव जीतने के बाद प्रत्येक गांव में शराब के ठेके भी खुलवाएगी। इस महिला उम्मीदवार द्वारा किये चुनावी वादे चर्चा का विषय बने हुए हैं।दरअसल, चंद्रपुर लोकसभा क्षेत्र से उतरी महिला उम्मीदवार वनिता राऊत इन दिनों काफी चर्चा में हैं। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार दौरान जिस तरह के वादे किए हैं, वह हैरान करने वाले हैं और शायद ही इसके पहले किसी उम्मीदवार ने ऐसा प्रचार किया हो। चुनाव प्रचार के दौरान शराब बांटना आम बात सी हो गई हैं, लेकिन चंद्रपुर लोकसभा क्षेत्र की महिला उम्मीदवार वनिता राऊत ने प्रत्येक गांव में बियर बार खुलवाने का वादा कर दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि अगर वह जीतीं तो उन्हें मिलने वाली सांसद निधि से गरीबों को मुफ्त में दारू की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सीएम केजरीवाल को जेल में क्यों डाला? जनता देगी जवाबः सुनीता

दिल्ली शराब घोटाला मामले में राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल को 15 अप्रैल तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले उनकी ईडी की कस्टडी की अवधि आज समाप्त हो गई थी। इस दौरान सीएम केजरीवाल की पत्नी भी कोर्ट में मौजूद थीं। कोर्ट द्वारा फैसला सुनाने के बाद अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल अपनी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा- मामले में पूछताछ पूरी हो गई है। अदालत ने उन्हें दोषी नहीं ठहराया है। ऐसे में उन्हें जेल में क्यों डाला गया? इनलोगों का एक ही मकसद है कि चुनाव के दौरान उन्हें जेल में डालना है। देश की जनता इस तानाशाही का जवाब देगी। वहीं सीएम अरविंद केजरीवाल ने कोर्ट में पेश होने के दौरान अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, जो मोदीजी कर रहे हैं वो देश के लिए ठीक नहीं है।

सुनीता केजरीवाल तो राबड़ी देवी बनतीं जा रहीं हैंः हरदीप सिंह

भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सुनीता केजरीवाल की तुलना लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी से कर दी और कहा कि वे तो अब राबड़ी देवी बन रही हैं। बता दें कि राबड़ी देवी, जो तब बिहार की मुख्यमंत्री बनीं, जब उनके पति लालू यादव भ्रष्टाचार के मामले में जेल गए थे। हरदीप पुरी ने तंज कसते हुए कहा कि सुनीता तो राबड़ी देवी बन रही हैं। मैं पिछले 10 दिनों में 3-4 बार कह चुका हूं कि 'अब ये राबड़ी देवी' आगे आएंगी। मेरे कहने का मतलब यह है कि अब सुनीता केजरीवाल आगे आएंगी। इसके बाद हरदीप सिंह पुरी ने अरविंद केजरीवाल पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि वह अब कैबिनेट बैठकें कर सकते हैं क्योंकि आप के दो नेता - मनीष सिसौदिया और संजय सिंह - जेल में हैं। उन्होंने कहा कि क्या कोई सरकार सलाखों के पीछे से चल सकती है?यहां एक ऐसी सरकार है जिसके तीन मंत्री पहले से ही सलाखों के पीछे हैं। उनके पास कोरम है, वे सलाखों के पीछे कैबिनेट वहीं दूसरी तरफ भाजपा नेता बांसुरी स्वराज ने कहा कि अदालत का मानना है कि केजरीवाल को सलाखों के पीछे रहना चाहिए। हम सभी ने दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की रैली के दौरान भ्रष्टाचार का फ्लॉप शो देखा। उन्होंने कल जो किया वह 'रैली' की परिभाषा में फिट नहीं बैठता। रैली का मतलब होता है एक विशाल जनसभा, हालांकि वीडियो में आपको खाली कुर्सियां दिखेंगी।

आचार संहिता के दौरान महिलाओं पर की थी टिप्पणी

चुनाव आयोग ने सुप्रिया श्रीनेत और दिलीप घोष को दी चेतावनी

दिल्ली चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और भाजपा सांसद दिलीप घोष को चेतावनी दी है। दरअसल आयोग ने महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के मामले में दोनों नेताओं को चेतावनी दी है। आयोग ने इस बाबत कहा कि दोनो नेताओं के बयान पर अब नजर रखी जाएगी। आयोग ने इस बाबत आश्वस्त किया कि दोनों नेताओं ने लोगों पर व्यक्तिगत और निजी हमला करते हुए देशभर में लागू आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है। चुनाव आयोग ने सुप्रिया श्रीनेत और भाजपा सासंद दिलीप घोष को आचार संहिता के दौरान सार्वजनिक बयानों में सावधानी बरतने को लेकर चेतावनी दी है। आयोग ने इस दौरान नैतिक आचार संहिता के उल्लंघनों पर उन्हें जारी किए गए नोटिस का जवाब मिलने के बाद अपने आदेश में कहा कि वे आश्वस्त हैं कि उन्होंने व्यक्तिगत हमला किया है। इस तरह से उन्होंने आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। उन्हें आदर्श आचार संहिता के दौरान सार्वजनिक बयानों में सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई है। चुनाव आयोग ने कहा कि अगली बार से उनकी चुनाव संबंधी भाषणों पर आयोग द्वारा निगरानी रखी जाएगी। बता दें कि आयोग ने चेतावनी नोटिस की एक कॉपी पार्टी अध्यक्षों को भी भेजी है।

फेसबुक अकाउंट पर शेयर किया था विवादित पोस्ट

बता दें कि बीते दिनों सुप्रिया श्रीनेत के फेसबुक अकाउंट से कंगना रनौत को लेकर एक विवादित पोस्ट शेयर किया गया था। अपने पोस्ट में सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना रनौत की तस्वीर लगाई और आपत्तिजनक बयान दिया था। इसके बाद जब विवाद बढ़ने लगा तो मामला महिला आयोग तक पहुंचा। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने उनका टिकट काट दिया। बता दें कि कंगना रनौत को भाजपा ने मंडी से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। इसके बाद सुप्रिया श्रीनेत ने सफाई देते हुए कहा था कि उनकी टीम के किसी सदस्य से ऐसी गलती हुई हैं। वो किसी महिला के खिलाफ इस तरह का बयान नहीं दे सकती हैं।

खबर संक्षेप

एलओसी पर घुसपैठ कर रहे ड्रोन को गोली मारी

जम्मू। राजोरी के सुंदरबनी सेक्टर में सोमवार को नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तानी ड्रोन ने घुसपैठ की कोशिश की। सतर्क भारतीय सेना के जवानों ने जब ड्रोन को अपनी सीमा में प्रवेश करते देखा तो गोलीबारी की। अधिकारियों ने बताया का एलओसी के पास दो अलग-अलग स्थानों पर एक ड्रोन और संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही देखने के बाद सेना के जवानों ने गोलीबारी की। अग्रिम इलाके में ड्रोन की गतिविधि देखी गई।

घर में विस्फोट, मलबे से दो मासूमों को निकाला

बदायूं। कस्बा इस्लामनगर निवासी आतिशबाज अख्तर के मकान में दोपहर तीन बजे करीब अचानक विस्फोट हुआ। तेज धमाके के साथ उसका दो मंजिला मकान धराशायी हो गया। आसपास के लोगों ने मलबा हटाकर दो मासूम बच्चियों को बाहर निकाल लिया। जबकि तीन लोगों के दबे होने की आशंका है। हादसे के समय अख्तर किसी काम से घर से बाहर था। लेकिन उसकी पत्नी शमा, बेटा तैमूर और दो बेटियां घर के अंदर थी।

मौलाना तौकीर रजा को किया फरार घोषित

बरेली। आईएमसी (इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के मामले में सोमवार को बरेली के जिला जज कोर्ट की अदालत में सुनवाई हुई। तौकीर रजा के पेश न होने पर कोर्ट ने नाराजगी जताकर उन्हें फरार घोषित कर दिया। साथ ही पुलिस को आगे की कार्रवाई का निर्देश दिया। अगली तारीख आठ अप्रैल तय की गई है।वर्ष 2010 दंगों के मामले में कोर्ट से मौलाना तौकीर रजा के खिलाफ दो बार गैर जमानती वारंट जारी हो चुके हैं।

आरबीआई के 90 साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने शीर्ष बैंक के मजबूत सिस्टम को सराहा

एक समय था जब देश का बैंकिंग सिस्टम 'डूबने' की कगार पर था, आज वह बड़ा प्रॉफिट दे रहा है

एजेंसी ▶▶ मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 90वां स्थापना दिवस के मौके पर मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि आरबीआई एक संस्थान के रूप में आजादी से पहले और आजादी के बाद के कालखंड का गवाह बना है। आज रिजर्व बैंक की साख पूरी दुनिया में बढ़ी है। पीएम ने आरबीआई से जुड़े लोगों से कहा कि आप जो आज नीतियां बनाएंगे वह आने वाले दशकों के लिए अहम होगा। पीएम ने कहा कि जब मैं आरबीआई की 80वें स्थापना दिवस पर आया था तब बैंकिंग सेक्टर की हालत काफी खराब थी। एनपीए की स्थिति काफी खराब थी। हमने वहां से शुरुआत की। आज आरबीआई को दुनिया में एक मजबूत सिस्टम माना जा रहा है। पीएम ने कहा कि जो बैंकिंग सिस्टम डूबने की कगार पर था, आज वह बड़ा प्रॉफिट दे रहा है। यह बदलाव इसलिए आया क्योंकि हमारी नीतियों में स्पष्टता थी। जब नीति सही होती है को निर्णय सही होते हैं।

पीएम मोदी ने कहा

आरबीआई आजादी से पहले और बाद का गवाह है। अब डिजिटल ट्रांजैक्शन को भी बढ़ावा देना होगा

भारतीय रिजर्व बैंक की 90वां स्थापना दिवस के मौके पर पीएम ने कहा कि जब मैं आरबीआई की 80वें स्थापना दिवस पर आया था तब बैंकिंग सेक्टर की हालत काफी खराब थी। एनपीए की स्थिति भी ठीक नहीं थी। हमने वहां से शुरुआत की। आज आरबीआई को दुनिया में एक मजबूत सिस्टम माना जा रहा है।

बैंकों का ग्रॉस एनपीए 2018 में 11.25 प्रतिशत था, सितंबर 2020 आते-आते 3 प्रतिशत से भी कम हो गया

1 अप्रैल 2024 को आरबीआई के 90 साल पूरे होने के मौके पर मुंबई में डाक टिकट जारी करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

आरबीआई को मॉनिटरिंग टूल पर सोचना चाहिए

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया के बड़े देश कोविड की मार से उबरने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था नई ऊंचाई को छू रहा है। उन्होंने कहा कि आरबीआई को मॉनिटरिंग टूल पर सोचना चाहिए। वह ग्लोबल लीडर की भूमिका निभा सकता है। अगले 10 साल के टारगेट तय करते हुए हमें भारत के युवाओं की इच्छाओं को ध्यान रखने की जरूरत है। आरबीआई की इसमें बड़ी भूमिका हो सकती है। पीएम ने कहा कि हम आज इकोनॉमी के कई क्षेत्रों में हमने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। रिजर्व बैंक को आगे आउट ऑफ द बॉक्स सोचना होगा। उन्होंने गवर्नर शक्तिकांत दास की तारीफ की। पीएम ने कहा कि 21 वीं सदी में इनोवेशन का बड़ा महत्व रहने वाला है। सरकार इस पर काफी खर्च कर रही है।

एक दशक में जो हुआ वह तो महज एक ट्रेलर है

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में जो हुआ वह तो महज एक ट्रेलर है, अभी देश को बहुत आगे लेकर जाना है। हमें अगले 10 साल में देश में डिजिटल ट्रांजैक्शन को बढ़ावा देना होगा। हमें फाइनेंशियल इन्क्लूजन को मजबूत करना होगा।

प्रबंधन ने बाहरी अनिश्चितताओं से निपटने में मदद कीः वित्त मंत्री

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि आरबीआई के पेशेवर प्रबंधन ने बाहरी असंतुलन और अनिश्चितताओं से निपटने की भारत की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार किया है। आरबीआई के 90वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने बैंकों की बैलेंस शीट की समस्याओं को सुधारने में केंद्रीय बैंक की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले भारत में "बैलेंस शीट की समस्या" थी, जबकि आज सरकार और आरबीआई के सहयोगात्मक प्रयास से इसमें सुधार है।

आज 52 करोड़ जनधन खाते हैं

पीएम ने कहा कि आरबीआई के लिए आप जो काम करते हैं वह सामान्य लोगों के जीवन को प्रभावित करता है। पीएम ने कहा कि देश में आज 52 करोड़ जनधन खाते हैं। इनमें भी आधे से ज्यादा खाते महिलाओं के नाम हैं। आज 7 करोड़ से ज्यादा पशुपालक मछली पालक के पास किसान क्रेडिट कार्ड है। यूपीआई आज दुनिया भर में अपनी पहचान बना चुका है। एक दशक के भीतर हम एक नई बैंकिंग व्यवस्था, नई करेंसी व्यवस्था में प्रवेश कर गए हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने रखा बरकरार

मुस्लिम पक्ष को लगा झटका- व्यास तहखाने में जारी रहेगी पूजा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट से मुस्लिम पक्ष को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसमें उसने वाराणसी जिला कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। वाराणसी कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद के अंदर मौजूद व्यास तहखाने में पूजा की अनुमति दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 17 जनवरी और 31 जनवरी (तहखाना के अंदर पूजा की अनुमति) के आदेशों के बाद मुस्लिम समुदाय द्वारा ज्ञानवापी मस्जिद में बिना किसी बाधा के 'नमाज' पढ़ी जाती है और हिंदू पुजारी द्वारा 'पूजा' की जाती है। 'तहखाना' क्षेत्र में यथास्थिति बनाए रखना उचित है ताकि दोनों समुदाय उपरोक्त शर्तों के अनुसार पूजा करने में सक्षम हो सकें। उइस मामले में फरवरी में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सुनवाई करते हुए मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी थी।

ज्ञानवापी मामले में फरवरी में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सुनवाई करते हुए मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी थी। इसमें हिंदू पक्ष को पूजा करने के अधिकार देने वाले जिला कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस फैसले से मुस्लिम पक्ष को झटका लगा था और उसके बाद उसने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

वाराणसी कोर्ट ने ज्ञानवापी के अंदर पूजा की अनुमति दी थी

साफ कहा तहखाने में पूजा का अधिकार कोर्ट से मिला

1993 से बंद था व्यास तहखाना

हिंदू पक्ष का दावा है कि उससे पहले तहखाने में श्रृंगार गौरी की पूजा होती थी, मगर 1991 में जब पूजास्थल अधिनियम बना, तो राज्य सरकार ने उसे बंद करा दिया। दरअसल हिंदू पक्ष ने दावा किया था कि ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण मंदिर तोड़ कर हुआ है, इसलिए उस पर उसे स्वामित्व दिलाया जाए। यह मामला लंबा खिंचता गया। व्यास तहखाना भगवान नंदी के ठीक सामने स्थित है। यह व्यास परिवार का तहखाना है। मस्जिद के ग्राउंड फ्लोर में साल 1993 तक यहां पूजा होती थी लेकिन नवंबर 1993 में सरकार द्वारा यहां पूजा बंद करा दी गई और पुजारियों को हटा दिया गया। 18 अगस्त 2021 को पांच महिलाओं ने सिविल जज (सीनियर डिविजन) के सामने एक वाद दायर किया था। महिलाओं ने ज्ञानवापी मस्जिद के बगल में बने श्रृंगार गौरी मंदिर में रोजाना पूजन-दर्शन की मांग की थी। महिलाओं की मांग पर जज रवि कुमार दिवाकर ने मस्जिद परिसर का एएसआई सर्वे कराने का आदेश दिया था।

मौसम विभाग का पहला अनुमान जारी

अलर्टः अप्रैल से जून तक देश में रहेगी भीषण गर्मी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अप्रैल का महीना शुरु होते ही भीषण गर्मी की आहट ने अहसास करा दिया है कि इस बार देश में भीषण गर्मी पड़ने वाली है। इस आशय को लेकर भारतीय मौसम विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है।

आईएमडी के महानिदेशक डॉ मृत्युंजय महापात्रा ने हॉट वेदर सीजन (अप्रैल से जून) 2024 के लिए अपडेटेड सीजनल आउटलुक, बारिश और तापमान के लिए अप्रैल 2024 के मासिक आउटलुक को लेकर पत्रकारों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस साल अप्रैल से जून तक भयंकर गर्मी पड़ने का अनुमान है।

मप्र के कुछ इलाकों के लिए चेतावनी नहीं

मौसम विज्ञान महानिदेशक महापात्रा ने कहा कि मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों को छोड़कर गेहूं उत्पादन वाले क्षेत्रों के लिए अगले 7 दिनों तक लू की कोई चेतावनी नहीं है। यूपी और पंजाब, जो गेहूं उत्पादक राज्य हैं, में लू चलने की उम्मीद नहीं है।

तीनों सेनाओं को मिलेगा फायदा

मुंबई में बनने जा रहा देश का पहला ट्राई-सर्विस कॉमन डिफेंस स्टेशन, देश का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा होगा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई को देश का सबसे ताकतवर सैन्य अड्डा बनाने की प्लानिंग हो रही है। पहली बार देश की आर्थिक राजधानी में ट्राई-सर्विस कॉमन डिफेंस स्टेशन बनाने की योजना बन रही है। यहां पर तीनों सेनाओं का संयुक्त स्टेशन होगा।

यहीं से तीनों सेनाएं आपस में और ज्यादा बेहतर सामंजस्य से काम कर पाएंगी। साथ ही देश की पश्चिमी सीमा अधिक सुरक्षित हो जाएगी। संभावना है कि यह स्टेशन इंटीग्रेटेड थियेटर कमांड से पहले बनकर तैयार हो जाए। अधिकारियों के मुताबिक इस योजना को जल्द ही अमल में लाया जाएगा।

1 तीनों सेनाएं ज्यादा बेहतर सामंजस्य से काम कर सकेंगी

2 स्कूल, अस्पताल, खेल कॉम्प्लेक्स, ट्रेनिंग फैसिलिटी

3 कोयम्बटूर के पास सुलूर और गुवाहाटी में भी बनेंगे स्टेशन

तीनों सेनाओं से जुड़ी हर सुविधा मौजूद होगी

दो और कॉमन डिफेंस स्टेशन बनाए जाएंगे

ट्राई-सर्विस कॉमन डिफेंस स्टेशन से फायदा ये होगा कि देश के पश्चिमी तट और इलाके में तीनों सेनाएं एकसाथ किसी भी तरह के ऑपरेशन को मिल कर अंजाम दे पाएंगी। साथ ही सैनिकों और उनके परिजनों के लिए यहां पर स्कूल, अस्पताल, खेल कॉम्प्लेक्स, ट्रेनिंग फैसिलिटी होगी। तीनों सेनाओं के लिए जारी होने वाला फंड एक ही चैनल से आएगा। इतना ही नहीं मुंबई के बाद कोयम्बटूर के पास सुलूर और गुवाहाटी में दूसरा और तीसरा कॉमन डिफेंस स्टेशन आएगा। सुलूर में स्टेशन का कमान वायुसेना संभालेगी। गुवाहाटी में थल सेना यह काम करेगी।

हर प्रकार की सुविधा

एक ट्राई-सर्विस कॉमन डिफेंस स्टेशन में तीनों सेनाओं से जुड़ी हर सुविधा मौजूद होती है। मुंबई में बनने वाला ट्राई-सर्विस डिफेंस स्टेशन तीनों सेनाओं के बीच और बेहतर सामंजस्य स्थापित करने के लिए बनाया जा रहा है। यहां पर तीनों सेनाओं के लिए लॉजिस्टिक सपोर्ट होगा। इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा। रिपेयरिंग की सुविधाएं होंगे। मेंटेनेंस की व्यवस्था की जाएगी। व्यक्तिगत सेवाओं को एक जगह किया जाएगा।

अभी नहीं है कॉमन स्टेशन

फिलहाल देश में एक भी कॉमन डिफेंस स्टेशन नहीं है। जहां से तीनों सेनाएं एक साथ ऑपरेट करती हों। इससे पहले 2001 में अंडमान और निकोबार कमांड को ट्राई-सर्विस कॉमन डिफेंस के तौर पर तैयार किया गया था। अभी तीनों सेना अलग-अलग जगह से ऑपरेट करती हैं। मुंबई में तीनों सेनाओं के डिफेंस स्टेशन का नेतृत्व नौसेना करेगी, क्योंकि उसकी मौजूदगी वहां पर सबसे ज्यादा है।

अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा

नया आदेश भारतीयों को राहत देने वाला

भारत में वीजा प्रतीक्षा समय को कम करेंगे, बाइडेन ने दिया आदेश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका द्वारा भारत में वीजा प्रतीक्षा समय को कम किया जाएगा। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने यह बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अक्सर देखा गया है कि भारतीयों को अमेरिका के वीजा के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। इस मामले में अमेरिका के राष्ट्रपति का नया आदेश राहत देने वाला है।

बाइडेन ने आदेश दिया है कि अमेरिका भारत में वीजा प्रतीक्षा समय को कम करेगा। गार्सेटी ने वीजा नियुक्तियों और प्रतीक्षा समय पर जोर डालते हुए कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने उन्हें भारत में वीजा के लिए प्रतीक्षा समय को कम करने का आदेश दिया है।

अमेरिका की कुछ विधायी सीमाएं

अमेरिका के राजदूत ने कहा कि बात चाहे अप्रवासियों की हो, ग्रीन कार्ड की हो या स्थाई नागरिकता लेने वाले लोगों की हो, अमेरिका में भी सभी देशों की तरह किसी भी काम के लिए कुछ विधायी सीमाएं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ये मानक भारतीयों के लिए निराशाजनक हैं क्योंकि बहुत सारे भारतीय हैं जो अमेरिका जाना चाहते हैं। गार्सेटी ने बताया कि अमेरिका का वीजा लेने वाले छात्रों की संख्या के मामले में भारत मैक्सिको के बाद दूसरे स्थान पर है। साल 2023 में 245,000 से अधिक भारतीय छात्र वीजा लेकर अमेरिका आए थे।

प्रतीक्षा समय 75 प्रतिशत तक कम किया

गार्सेटी ने कहा कि अमेरिका ने पूरे भारत में वीजा देने को मामले में 60 प्रतिशत की वृद्धि की और प्रतीक्षा समय को 75 प्रतिशत तक कम कर दिया है। उनसे पूछा गया कि वीजा की समय सीमा में 75 प्रतिशत की कमी के बावजूद 250 दिनों की प्रतीक्षा अवधि क्यों है? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि इस मामले में राष्ट्रपति बाइडन भारत में वीजा प्रतीक्षा समय को कम करने का आदेश दिया है। यह शायद पहली बार है, जब किसी राष्ट्रपति ने किसी देश के राजदूत से ऐसा कहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रपति बाइडन के लिए यह बड़ी प्राथमिकता है और इसके लिए डेमोक्रेट, रिपब्लिकन और निर्दलीयों को एक साथ आने की आवश्यकता होगी।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने निलंबित की सजा

पूर्व पीएम इमरान खान और बुशरा बीबी को तोशाखाना मामले में राहत

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को तोशाखाना मामले में बड़ी राहत मिली है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने सोमवार को मामले में इमरान और बुशरा की 14 साल की जेल की सजा को निलंबित कर दिया है।

दो सदस्यीय पीठ ने की सुनवाई

मामले में मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक के नेतृत्व वाली दो सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की। सुनवाई के बाद सोमवार को कोर्ट ने मामले में दंपती की सजा को निलंबित कर दिया। कोर्ट ने उन्हें जमानत देकर अस्थाई राहत भी दी।

पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में अमेरिकी राजदूत के बयान पर जयशंकर का पलटवार

कुछ होगा तो हम भी बताकर खुश होंगे, इससे देश सुरक्षा के हित जुड़े

खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि मामले की जांच चल रही है। अभी इस संबंध में और कुछ कहने के लिए कुछ भी नहीं है।

1 भारत अमेरिका मिलकर कर रहे जांच

2 भारत ने अमेरिका को दिया सहयोग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सोमवार को कहा कि खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में किसी सरकारी अधिकारी की संलिप्तता होने की जांच चल रही है क्योंकि इससे देश की सुरक्षा के हित भी जुड़े हैं। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी के एक बयान के बारे में पूछे गए सवाल पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने यह बयान दिया। एरिक गार्सेटी ने कहा था कि किसी दूसरे देश के नागरिक की हत्या के प्रयास में एक सरकारी अधिकारी की संलिप्तता अस्वीकार्य है। जयशंकर ने कहा कि अमेरिकी राजदूत अपनी सरकार की सोच या स्थिति के अनुसार जो सही होगा, वही कहेंगे। विदेश मंत्री ने कहा कि मेरी सरकार की स्थिति यह है कि खासतौर से इस मामले में हमें कुछ सूचना मुहैया कराई गई है जिसकी हम जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें भारत के खुद के सुरक्षा हित भी जुड़े हुए हैं।

दोनों देश एक दूसरे को कर रहे सहयोग

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को कथित तौर पर मारे जाने की साजिश के मामले की जांच भारत और अमेरिका मिलकर कर रहे हैं। यह बात भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कही। गार्सेटी ने कहा- मैं बहुत खुश हूं कि भारत हमारे साथ इस मामले की जांच कर रहा है। अब तक हमने भारत से जो भी सहयोग मांगा, वो हमें मिला है। और यही हमने भी किया है। दोनों देश एक दूसरे को सहयोग दे रहे हैं।

यूएई में भारत के प्रति धारणा बदल गई

जयशंकर ने कहा मैं विदेश में सबका साथ सबका विकास की बात करता हूं। आज दुनिया की सोच भारत के लिए बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में यूएई में भारत के बारे में धारणा बदल गई है। उन्होंने हमारे साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए और आज यूएई के साथ व्यापार लगभग 80 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है और हमारे भारत के लोग जो वहां बसे हैं, वहां रोजगार कर रहे हैं।

रूस में फंसे भारतीयों को सुरक्षित वापस लाएंगे

भारतीयों को नौकरी दिलाने का वादा कर रूस ले जाने के बाद उनके यूक्रेन संघर्ष में फंसने के बारे में पूछे गए एक सवाल पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत ने रूस सरकार के समक्ष बहुत मजबूती से इस मामले को उठाया है। उन्होंने कहा कि 'हम इन सभी लोगों को सुरक्षित भारत वापस लाने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले महीने, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि रूसी सेना के साथ काम करने के लिए कई भारतीय नागरिकों के साथ धोखाधड़ी किए जाने के मामले को भारत ने रूस के समक्ष मजबूती से उठाया है ताकि उन लोगों की शीघ्र रिहाई हो सके। उन्होंने भारतीय नागरिकों से अपील की थी कि वे रूसी सेना में सहायक नौकरियों के लिए एजेंट की ओर से दिए गए प्रस्तावों के बहकावे में न आएं।

भारत दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने साउथ गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के कार्यक्रम में कहा कि आज भारत दुनिया के शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से विकास कर रही है इससे साफतौर पर लगता है कि बहुत जल्द हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। उन्होंने कहा कि यह होना पीएम नरेंद्र मोदी की गारंटी है। हमें पूरा विश्वास है कि अगले 25 वर्षों में हम भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बना देंगे।

पन्नू के बारे में जांच चल रही

पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में विदेश मंत्री ने कहा कि जब भी हमें जांच के बारे में कुछ कहना होगा तो हमें इसके बारे में बात करके काफी खुशी होगी। अभी यह कहने के अलावा कुछ भी नहीं है कि इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि इसमें भारत के खुद के सुरक्षा हित भी जुड़े हुए हैं।

प्रयास से सोच बदलती है

जयशंकर ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी 2016 में यूएई गए थे। इससे पहले पीएम इंदिरा गांधी थीं जो यूएई गई थीं और उनके बाद 2016 तक कोई पीएम वहां नहीं गया। विदेश मंत्री ने कहा कि अगर हमारी तरफ से प्रयास हुआ है तो उनकी सोच हमारे बारे में बदल जाती है।

खबर संक्षेप

इजराइल को देगा अमेरिका और लड़ाकू विमान व बम

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने इजराइल को अरबों डॉलर के बम व लड़ाकू विमानों के निर्यात की मंजूरी दे दी है। मंजूरी में जिन हथियारों को शामिल किया गया है, उनमें 1,800 एमके-84 (2,000 पाउंड) बम व 500 एमके-82 (500 पाउंड) बम शामिल हैं। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन व विदेश विभाग के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है।

मेडागास्कर द्वीप पर साइक्लोन से 18 की मौत

मेडागास्कर। ईस्ट अफ्रीका के मेडागास्कर द्वीप पर साइक्लोन गैमेन ने तबाही मचाई। साइक्लोन के कारण अब तक 18 लोगों की मौत हुई तो वहीं 3 लोग घायल और 4 लापता है। स्थिति को देखते हुए 20 हजार से ज्यादा लोगों को विस्थापित किया गया। 210 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से भारी बारिश हुई कई सड़कें और पुल ढह गए हैं। साइक्लोन से 9,024 घरों सहित कुल 36,307 लोग प्रभावित हुए हैं।

---

20 शहरों से 300 लोगों ने लिया हिस्सा

अमेरिका में भाजपा समर्थकों ने निकाली कार रैली, गुरुद्वारे से अभियान का किया आगाज

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी (ओएफबीजेपी-यूएसए) ने पीएम नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के समर्थन में 20 अलग-अलग शहरों में कार रैलियां निकाली। उन्होंने भारत के लोगों से आगामी चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए को 400 से अधिक सीट दिलाकर भारी बहुमत से विजयी बनाने का आग्रह किया। ओएफबीजेपी-यूएसए के अध्यक्ष अदापा प्रसाद ने कहा कि अमेरिका में भारतीय समुदाय नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा और एनडीए को 400 से अधिक सीट पर जीतता देखने के लिए बहुत उत्साहित है। ऐसा उत्साह इससे पहले कभी नहीं देखा।

लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया

ओएफबीजेपी-यूएसए के राष्ट्रीय महासचिव वासुदेव पटेल ने कहा कि ओएफबीजेपी द्वारा पूर्वी तट से पश्चिमी तट और उत्तर से दक्षिण तक लगभग 20 शहरों में आयोजित कार रैलियों में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। अमेरिका की राजधानी और उसके आसपास के इलाकों में सिख समुदाय के लोगों ने भी पीएम मोदी के समर्थन में कार रैली निकाली। उन्होंने बताया कि भाजपा की जीत न केवल भारत के लिए बल्कि दुनिया में भी शांति और स्थिरता लाने के लिए महत्वपूर्ण होगी।

बैनर और पोस्टर लेकर पहुंचे लोग

रैली में करीबन 200 कारों को शामिल किया गया था। इसमें भाग लेने के लिए विभिन्न शहरों से करीबन 300 लोग पहुंचे। अटलांटा, जॉर्जिया में 150 कारों ने इस रैली में हिस्सा लिया। इस रैली में लोग बैनर और पोस्टर लेकर पहुंचे, जिसमें लिखा था, अबकी बार 400 पार, मोदी 3.0 के लिए सिख अमेरिकी, मोदी गारंटी। लोगों ने 2024 लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते हुए देखने की इच्छा जताई। कार रैली वॉशिंगटन डीसी के मैरीलैंड में आयोजित की गई। इस रैली में शामिल होने वाले लोग पहले गुरुद्वारे गए।

पड़ोसी देश ने बाकायदा चौथी सूची जारी की

हरकत से बाज नहीं आ रहा चीन

अरुणाचल प्रदेश को लेकर की शर्मनाक हरकत, 30 शहरों को अपना नाम दिया

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

भारत पर चीन लगातार अपनी नापाक नजर डाल रहा है। एक बार फिर से चीन ने अरुणाचल प्रदेश पर अपनी निगाहें डाली हैं। दरअसल चीन ने अरुणाचल प्रदेश के 30 शहरों के नाम बदले हैं। इसके लिए पड़ोसी देश द्वारा बकायदा चौथी सूची जारी की गई है। इस सूची में अरुणाचल प्रदेश के 30 शहरों के नाम बदले हैं।

वेबसाइट में बताया

चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने यह फैसला लिया है। मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट में बताया गया है कि अरुणाचल प्रदेश की 30 जगहों के नाम बदले गए हैं। चीन द्वारा एक रिपोर्ट जारी की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1 मई से यह आदेश लागू करने के लिए अनुच्छेद 13 में प्रावधान किया गया है। आगे बताया गया है कि चीन के क्षेत्रीय दावों के अधिकारों को नुकसान पहुंचाने वाली विदेशी भाषाओं में नामों को बिना प्राधिकरण सीधे अनुवाद नहीं किया जाएगा।

2017 में छह जगहों के नाम बदले थे

अरुणाचल प्रदेश पर चीन लगातार अपना दावा ठोकता रहा है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश को जांगनान नाम दिया है। भारत के इस राज्य को पड़ोसी देश तिब्बत का क्षेत्र बताता है। इससे पहले चीनी नागरिक मामलों के मंत्रालय ने 2017 में अरुणाचल प्रदेश में छह जगहों के नामों की बदलने की पहली लिस्ट जारी की थी।

कच्चाथीवू द्वीप पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की दो टूक

नेहरू के लिए नहीं थी अहमियत, इंदिरा का भी यही नजरिया था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कच्चाथीवू मसले पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ये ऐसा मुद्दा नहीं है, जो आज अचानक उठा है। ये मसला संसद और तमिलनाडु में लगातार उठता रहा है, इस पर बहस हुई है। इस मसले पर मैंने मौजूदा मुख्यमंत्री को 21 बार जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि मई 1961 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने लिखा था कि मैं इस छोटे से द्वीप को बिल्कुल भी महत्व नहीं देता और मुझे इस पर अपना दावा छोड़ने में कोई हिचकिचाहट नहीं होगी। उनका रवैया ऐसा था कि जितना जल्दी कच्चाथीवू को श्रीलंका को दे दिया जाए, उतना बेहतर होगा। यही नजरिया इंदिरा गांधी का भी था। एस जयशंकर ने कहा कि चेन्नई में बैठकर बयान देना आसान है, लेकिन कच्चाथीवू में पकड़े जाने वाले भारतीय मछुआरों को कैसे छुड़ाया जाता है, ये हम जानते हैं।

कच्चाथीवू का काला किस्सा

1974 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश का एक टुकड़ा काटकर दोस्ती के नाम पर श्रीलंका की तत्कालीन प्रधानमंत्री सिरीमावो भंडारनाइके को सौंप दिया था और इसका नाम था 'कच्चाथीवू द्वीप'। साल 1974 में जून-अगस्त के बीच दो बैठकें हुई पहली दिल्ली में और दूसरी कोलंबो में। कच्चाथीवू के लिए न कोई जनमत संग्रह हुआ था न संसद में प्रस्ताव बस एक तानाशाही फैसला दो हस्ताक्षर।

पीएम मोदी ने मुद्दा उठाया था

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 मार्च को एक आरटीआई रिपोर्ट का हवाला देकर कहा था कि कांग्रेस ने भारत के रामेश्वरम के पास मौजूद कच्चाथीवू द्वीप श्रीलंका को सौंप दिया था। हर भारतीय इससे नाराज है और यह तय हो गया है कि कांग्रेस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। इस आरटीआई रिपोर्ट में बताया गया है कि 1974 में इंदिरा गांधी की सरकार ने इस द्वीप को श्रीलंका को गिफ्ट कर दिया था।

डीएमके को पूरी जानकारी

जयशंकर ने कहा कि कांग्रेस और डीएमके डीएमके ऐसा दिखा रही हैं कि उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है और यह अभी-अभी का मसला है। जबकि, उन्होंने ही इसे अंजाम दिया था। जनता को ये जानने का अधिकार है कि 1974 में कच्चाथीवू को कैसे दे दिया गया। डीएमके लीडर और तब के सीएम एम. करुणानिधि को भी इस समझौते की पूरी जानकारी थी।

लोकसभा क्षेत्र
देवास
1 भाजपा प्रत्याशी
महेंद्र सिंह सोलंकी
2 कांग्रेस प्रत्याशी
राजेंद्र मालवीय

पिछली बार कौन जीता
महेंद्र सिंह सोलंकी
जीत का अंतर
3 लाख 72 हजार 249

क्या रहेंगे मुद्दे?

देवास लोकसभा सीट पर मतदाता की समस्याएं कई हैं, लेकिन उसमें से नौकरी के लिए नजदीकी शहर इंदौर की डिपेंडेंसी सबसे ज्यादा है। इसके अलावा शिक्षा स्वास्थ्य के लिए भी इंदौर पर निर्भर रहना पड़ता है। वहीं बड़ी ट्रेन के प्लेटफार्म देवास में नहीं है। अयोध्या जाने वाली ट्रेन भी देवास से होकर नहीं जाती है। मेट्रो इंदौर से लेकर मऊ तक है, लेकिन देवास को छोड़ दिया गया है।

जातीय समीकरण वाली सीट पर इस बार कांग्रेस और भाजपा ने बलाई समाज से उतारे अपने प्रत्याशी

देवास सीट पर एक ही जाति के उम्मीदवार आमने-सामने

देवास लोकसभा क्षेत्र की जनता किसी एक दल की होकर नहीं रही। वर्ष 2008 के परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई इस सीट के पहले सांसद कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा रहे। इसके बाद भाजपा के दो सांसदों ने इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। देवास लोकसभा सीट से बाहर से आए नेताओं को भी यहां की जनता ने जिताया है।

ग्राउंड रिपोर्ट

आनंद सक्सेना ▶▶ भोपाल

देवास शाजापुर लोकसभा सीट जातीय समीकरण को लेकर काफी महत्वपूर्ण मानी जाती रही है। यही कारण है इस बार दोनों प्रमुख दल भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने बलाई समाज के उम्मीदवार उतारे हैं।

इस सीट पर बलाई व खटीक समाज का वोट बैंक निर्णायक माना जाता है। जो दल जातियों को साधकर चुनाव लड़ता है, उसकी चुनावी राह ज्यादा आसान मानी जाती है। इस बार भी भाजपा और कांग्रेस ने बलाई समाज के खाते में टिकट बांटे हैं। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राधा किशन मालवीय के बेटे राजेंद्र मालवीय को इस बार कांग्रेस ने यहां से टिकट दिया है। वे बलाई समाज से आते हैं, जबकि भाजपा ने दोबारा महेंद्र सिंह सोलंकी को टिकट दिया है। सोलंकी भी बलाई समाज से हैं। वैसे देवास लोकसभा की संसदीय सीट पर दूसरे शहर में रहने वाले नेताओं को भी यहां की जनता ने संसद तक भेजा है।

महेंद्र सिंह सोलंकी

राजेंद्र मालवीय

यहां से वर्ष 2009 में सज्जन सिंह वर्मा सांसद बने, जो इंदौर के निवासी हैं। इसके अलावा मनोहर ऊंटवाल भी यहां से सांसद चुने गए थे। वे भी लोकसभा क्षेत्र के निवासी नहीं थे। परिसीमन से पहले फूलचंद वर्मा और थावरचंद्र गहलोत भी यहां से सांसद रहे। वर्मा भी इंदौर के निवासी रहे हैं और गेहलोत उज्जैन जिले के नागदा क्षेत्र में रहते हैं।

मौजूदा सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी देवास संसदीय क्षेत्र के ही निवासी हैं। 1984 में चुनाव जीते बापूलाल मालवीय भी शाजापुर संसदीय क्षेत्र के निवासी रहे हैं।

कोई दल इस सीट पर भारी नहीं

परिसीमन के पहले यह शाजापुर संसदीय क्षेत्र कहलाता था। तब भी यहां से जनसंघ, जनता पार्टी और कांग्रेस के उम्मीदवार जीते। इस बार भी भाजपा उम्मीदवार को परंपरागत वोट और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नेटवर्क का फायदा मिलेगा। जबकि कांग्रेस उम्मीदवार के पिता राधाकिशन मालवीय का क्षेत्र में अच्छा नेटवर्क रहा है। ये भी बलाई समाज से आते हैं। राजेंद्र कांग्रेस का नया चेहरा है। जीतू पटवारी के कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बनने से खाती समाज भी मदद कर सकता है।

आठ विधानसभा क्षेत्र से बनी है देवास लोस सीट

देवास संसदीय क्षेत्र में आठ विधानसभा आती हैं। देवास जिले की 3 देवास, हाटपिपल्या, सोनकच्छ आती हैं, जबकि सीहोर विधानसभा क्षेत्र की एक आष्टा और शाजापुर की 3 शाजापुर, शुजालपुर, कालापीपल और एक आगर-मालवा विधानसभा सीट आती हैं। बता दें कि यहां से उत्तर भारत जाने के लिए ट्रेनों की संख्या कम है और रिजर्वेशन में लंबी कतार रहती है। शहर के उज्जैन रोड पर नागुखेड़ी तक डबलिंग रोड़ के साथ आरओबी का भी काम लम्बे समय से अटका है। कारखाने का पानी शिप्रा में मिल रहा है।

बलाई व खटीक समाज का वोट बैंक निर्णायक

देवास सीट पर बलाई, खटीक समाज का वोट बैंक निर्णायक माना जाता है। जो दल जातियों को साधकर चुनाव लड़ता है, उसकी चुनावी राह ज्यादा आसान मानी जाती है। वैसे देवास सीट पर मुख्य जातियां अपना योगदान देती हैं, जिन्हें उम्मीदवार महत्व देते हैं। इसमें बलाई, ठाकुर, रविदास, ब्राह्मण, सेंधव, पाटीदार, खाती, गुर्जर, जैन, मेवाड़ा, परमार, बैरवा, वाल्मीकि, सोंधिया, मुस्लिम, कायस्थ, भावसार शामिल हैं।

जैसा मैंने देखा

चुनाव...

पहले मुद्दों पर होते थे चुनाव, 15 से 20 दिनों तक गांवों में घूमते थे पत्रकार, बसों से भेजते थे खबरें

दिनेश गुप्ता
वरिष्ठ पत्रकार

पहले के चुनाव और आज के चुनाव में जमीन-आसमान का अंतर आ गया है। पहले चुनाव मुद्दों पर आधारित होते थे। अब धर्म-जाति के आधार पर होने लगे हैं। तो वहीं पहले चुनावी रिपोर्टिंग चुनौतियों से भरी होती थी, अब बहुत आसान हो गई। प्रत्याशी वोटरों से आत्मीयता का रिश्ता बनाते थे। यह कहना है कि वरिष्ठ पत्रकार दिनेश गुप्ता का। उन्होंने बताया कि अब ऐसी बात नहीं है, पहले वोटर को विश्वास में लिया जाता था, उनकी समस्या सुनी जाती थी। अब इसमें काफी बदलाव आ गया है। वरिष्ठ पत्रकार गुप्ता ने बताया कि पहले के समय चुनावी रिपोर्टिंग के लिए पत्रकार गांवों में जाते थे और 15 से 20 दिन तक धूम-धूमकर कवरेज करते थे। उस समय ट्रांसपोर्ट और कम्युनिकेशन के साधन नहीं होते थे। हम लोग अपनी खबरों को फैक्स करते थे। कई बार एसटीडी (फोन) लगाकर नोट कराते थे, तो कई बार डाक में रखकर बसों से कवरेज को भेजते थे। पहले कंटेंट अधिक होते थे। एक-एक पेज की खबर छपा करती थी, अब ऐसा नहीं है। पहले के समय में चुनाव परिणाम आने में एक से दो दिन लगते थे, तो वहीं पहले प्रतिद्वंदी प्रत्याशियों के साथ भी कटुता की भावना नहीं होती थी। एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप नहीं लगाए जाते थे। प्रचार-प्रसार के लिए अटलबिहारी वाजपेयी जैसे बड़े नेता भी दो दिन तक रुकते थे। जनता के बीच जाते थे। उनकी समस्याओं को सुनते थे। रात के 12 बजे तक सभा चलती थी। एक अच्छा माहौल हुआ करता था। पहले लोग भी खुलकर बातचीत करते थे। अपनी समस्या बताते थे।

जो हो न सका...

इंजीनियरिंग कलस्टर की राशि मंजूर होने के बाद भी भारी उद्योग मंत्रालय में अटकी फाइल

प्रदेश का पहला इंजीनियरिंग कलस्टर बनाने के लिए भोपाल में प्रदेश सरकार ने भूमि आवंटित की और केंद्र सरकार ने राशि का आवंटन कर दिया, लेकिन 15 साल बाद भी भवन नहीं बन पाया और भारी उद्योग मंत्रालय ने वो फाइल भी नहीं लौटाई, जिसमें पूरी प्लानिंग तैयार की गई थी। इसके बनने से स्किल श्रमिक उद्योगों को मिलते और हर साल 10 हजार लोगों को रोजगार भी मिलता। इंजीनियरिंग कलस्टर 1200 तरह की जानकारी उपलब्ध कराता और उनकी जरूरतें भी पूरी करता।

लोकसभा चुनाव के दौरान हर बार उम्मीदवार यह आश्वासन देते हैं कि इंजीनियरिंग कलस्टर की फाइल भोपाल आएगी और आगे के काम भी करवाए जाएंगे। इसके बाद भी कोई सांसद मात्र 10 प्रतिशत बचे काम को भी पूरा नहीं करवा पा रहा है। इंजीनियरिंग कलस्टर की खास बात यह है कि इसके बनने से औद्योगिक विकास का लाभ पूरे प्रदेश को मिलता और उसी रफ्तार से रोजगार बढ़ते।

जिला प्रशासन से भूमि आवंटित हो गई थी

इंजीनियरिंग कलस्टर बनाने के लिए उद्योगपतियों की एक कमेटी भी बना दी गई थी और इस कमेटी द्वारा लगातार सांसदों से चर्चा की जाती रही। साथ ही लोकसभा चुनाव के दौरान उम्मीदवारों से वादा भी करवाया गया कि इस बार हर हाल में इंजीनियरिंग कलस्टर बनेगा, लेकिन हर बार की तरह वही मुद्दा रहा, जो पूरा न हो सका।

जानिए, आदर्श आचार संहिता ...

भारत जैसे मजबूत लोकतंत्र वाले देश में समय-समय पर आम निर्वाचन अथवा उप निर्वाचन होते आए हैं। चुनाव मैदान में प्रत्येक राजनीतिक दल चाहे वो सत्ताधारी दल हो या विपक्षी दल, मतदाताओं के मत प्राप्त करने के लिए ढेर सारे वायदे करता है। इन वायदों को एकरूपता देते हुए वादों का संग्रह यानि घोषणा-पत्र या वचन पत्र के रूप में जनमानस के सामने प्रस्तुत किया जाता है। इन घोषणा-पत्र की कितनी अहमियत जनहित में होती है, इसका भी ध्यान रखा जाता है। वैसे चुनाव के काफी पहले से ही राजनीतिक दल अपने-अपने घोषणा-पत्र तैयार करते हैं। इसके लिए उनकी समितियां बनती हैं। पुराने घोषणा-पत्र खंगाले जाते है। उसमें से कुछ महत्वपूर्ण बिंदु निकाले जाते हैं, जो पूरे नहीं हुए उन्हें भी लिया जाता है। ऐसे विषय भी लिए जाते हैं, जो जन अपेक्षाओं पर खरा उतर सकते हैं। उन बिंदुओं को भी शामिल किया जाता है। यूं तो घोषणा-पत्र रंग-बिरंगे, आकर्षक होते हैं फिर उन्हें समारोह पूर्वक जारी किया जाता है, लेकिन उसमें किए गए वादे आगे चलकर कितने जन हितैषी साबित होते हैं, यह समय पर निर्भर करता है। दूसरी ओर चुनाव आयोग भी घोषणा-पत्र के संबंध में समय-समय पर निर्देश जारी करता आया है। चुनाव आयोग का मत रहा है कि घोषणा पत्र में ऐसी कोई बात नहीं होना चाहिए, जो संविधान में दिए गए सिद्धांत और आदर्शों के प्रतिकूल हो। राजनीतिक दलों को ऐसे वादे करने से बचना चाहिए, जो निर्वाचन प्रक्रिया की शुचिता को दूषित करें या वोटर के मताधिकार में कोई अनुचित प्रभाव डालें। वित्तीय अपेक्षाओं को पूरा करने के साधनों का व्यापक रूप से घोषणा-पत्र में उल्लेख होना चाहिए। वादे ऐसे हो, जिन्हें पूरा करना संभव हो सके।

उमरिया, डिंडोरी, मंडला, सिवनी पहुंचे सीएम

कांग्रेस की हालत खराब, उसका पूरा जहाज डूब रहाः डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को उमरिया, डिंडोरी, मंडला एवं सिवनी दौरे पर थे। उन्होंने इस दौरान जगह जगह आमसभा व रोड-शो किया। उन्होंने डिंडोरी विधानसभा के गाड़ासरई में कहा कि मैं डिंडोरी की जनता को प्रणाम करता हूं। डिंडोरी के लोग पारस पत्थर हैं, जिन्होंने छुआ तो शिक्षा मंत्री को मुख्यमंत्री बना दिया। सबका आशीर्वाद और मेहरबानी है। दुनिया में डिंडोरी एकमात्र ऐसा जिला है, यहां के लोग अपने जीवन में मस्ती के लिए जाने जाते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यहां के लोगों को भगवान का आशीर्वाद है। जब यहां आया था, तब 2 कॉलेज थे। अब विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा मिले, भविष्य की पीढ़ी आगे बढ़े, इसके लिए 11 कॉलेज खोले गए। यहां के बच्चों को दूर न जाना पड़े, इसके लिए यहां लॉ कॉलेज खोला गया। 2 एक्सीलेंस कॉलेज खोले गए।

हजारों लोग कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में आ रहे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस की हालत खराब है। कमलनाथ के नेतृत्व में पूरा जहाज डूब रहा है। 30 हजार से ज्यादा लोग कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में आ रहे हैं। सुरेश पचौरी दो- दो बार मंत्री रहे, लेकिन उन्होंने कहा कि अब वो कांग्रेस नहीं बची, अब ये कांग्रेस ऐसी जहाज में बैठी है, जिसमें छेद ही छेद है। जब डूबेगी, खुद भी मरेंगे और बाकी को भी मारेंगे।

जन मन योजना से सबको 1500 मिलेंगे

प्रधानमंत्री जन मन योजना से सबको 1500 रुपए मिलेंगे। हर महीने लाड़ली बहनों को 1250 मिल रहे हैं। यहां 5 तारीख को लाड़ली बहनों को पैसा मिलेगा। डिंडोरी में रानी दुर्गावती के नाम पर भविष्य में एग्रीकल्चर और हॉर्टिकल्चर के पढ़ाई के लिए कॉलेज खोला जाएगा, जहां सभी प्रकार की पढ़ाई होगी। जिससे युवाओं का भविष्य उज्जवल होगा।

चाय पे चर्चा

▶▶ गांधीनगर क्षेत्र में चाय की दुकान पर मतदाताओं की भूमिका पर हुई चर्चा

लोगों के बीच उम्मीदवारों की चर्चा मतदाता तय करेगा हार और जीत

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर शहर के हर कोने में चुनाव को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म होने लगा है। हर गली, मोहल्ले, नुक्कड़ या चाय की दुकान ऐसी चर्चाओं के लिए काफी मुफीद स्थान साबित हो रही हैं। यहां लोग चाय की प्याली के साथ चुनाव का पिटारा खोल रहे हैं। कोई किसी राजनैतिक पार्टी को जिता रहा है तो कोई दूसरी पार्टी के उम्मीदवार को। ऐसे में हर किसी का अपना मत है, लेकिन ओवरऑल मतदाता ही प्रत्याशी को जिताएगा। इस मामले में शहर के अलग अलग हिस्सों में लोगों के बीच चर्चाओं की अलग अलग मुद्दे देखे जा रहे हैं।

गांधीनगर क्षेत्र में एक चाय की दुकान पर चर्चाओं का दौर सुनने को मिला। इस इलाके के निवासी पंकज साहू, महावीर सिंह गुनी, केटी कन्नन, एनएस बसंत, अजय नायर, सर्वेश तोमर, आशीष राजपूत आदि का मानना है कि लोकसभा चुनाव में मतदाता, जिसे चुनेगा, वही जीतेगा, पिछले चुनाव में भी चर्चाएं बहुत सी रही थीं, लेकिन परिणाम सभी के सामने है। इस बार भी अभी हर दिन चर्चाएं चल रही हैं, कोई भी किसी की जीत-हार का दावा कर सकता है। ऐसे में प्रमुख राजनैतिक पार्टियों में शामिल भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के प्रत्याशियों के बीच होने वाली हार-जीत की बात आम लोगों के बीच सबसे ज्यादा सुनी जा रही है।

विदिशा संसदीय क्षेत्र को आदर्श लोकसभा बनाना हैः शिवराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को विदिशा में बाढ़ वाले गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश व प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की और विदिशा भ्रमण कर होली मिलन समारोह में शिरकत की। चौहान ने सभी को रंगों के पर्व होली, रंगपंचमी की बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने जमीन पर बैठकर मंजीरा बजाया, ढोल की थाप पर डांस किया और होली के गीत भी गुनगुनाए।

चौहान ने कहा कि विदिशा-रायसेन संसदीय क्षेत्र को आदर्श लोकसभा क्षेत्र बनाना है। यहां के हर शहर, हर ग्राम को आदर्श बनाना है। उन्होंने कहा कि, किसान, महिला, युवा और गरीब के कल्याण और विकास ही हमारा लक्ष्य है।

बलौदाबाजार में देह व्यापार का भंडाफोड़

देह व्यापार के नाम पर पत्रकार, नेता और पुलिस ने लोगों से लाखों वसूले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बलौदाबाजार

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में देह व्यापार का भंडाफोड़ हो गया है। देह व्यापार के नाम पर पत्रकार, नेता और पुलिस ने मिलकर लोगों से लाखों रुपए वसूले हैं। शहर के ही दों पीड़ितों से 25 लाख रुपए की वसूली किए जाने का मामला आया सामने आया, जिसके बाद इस रैकेट का खुलासा हुआ।

पुलिस ने इस घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। महिलाओं को पीड़ितों के घर में भेजा जाता था और उससे देह व्यापार के झूठे केस में फंसाने की धमकी दी जाती थी। आरोपियों द्वारा दबावपूर्वक, अपराधिक षड्यंत्र करते हुए मोटी रकम उगाही की जाती थी। मुख्य सरगना मोंटी उर्फ प्रत्यूष मरैया, दुर्गा टंडन, शिरीष पांडे, महान मिश्रा और अन्य आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस की जांच शुरू होते ही आरोपी फरार हो गए। फिलहाल, सिटी कोतवाली पुलिश जांच में जुटी हुई है।

मौके से हथियार बरामद, तलाशी अभयान जारी

सुकमा में मुठभेड़, सुरक्षा बलों ने एक नक्सली को मार गिराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है। सुरक्षाबलों ने मौके से हथियार बरामद किए हैं। इलाके में तलाशी अभियान जारी है। एसपी सुकमा किरण चव्हाण ने बताया कि सुकमा में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया गया है। नक्सली का शव और हथियार बरामद कर लिया गया है। तलाशी अभियान जारी है।

सुकमा और बीजापुर जिले के टेटमड़गु इलाके में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। तलाशी अभियान पर निकले डीआरजी और कोबरा 208 एवं 204 बटालियन के जवानों के साथ मुठभेड़ हुई है। सभी जवानों ने मोर्चा संभालकर नक्सलियों पर जवाबी फायरिंग की। मुठभेड़ में एक माओवादियों के मारे जाने की खबर है। घटना स्थल से हथियार और भारी मात्रा में नक्सल सामग्री बरामद हुई है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने मुठभेड़ की पुष्टि की है।

रिवाल्वर दिखाकर की लूटपाट, लोगों ने दबोचा; तीनों आरोपी पहुंचे जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बलरामपुर

रामनुजगंज चांदो थाना अंतर्गत ग्राम जरहाखाड पहाड़ी कोरबा से 800 रुपये नगद एवं मोबाइल लूटने वाले तीन युवकों को पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से धर दबोचा। जिनके खिलाफ मामला पंजीबद्ध किया गया और इसके बाद तीनों को न्यायालय पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

ग्राम मगजी के रहने वाले पहाड़ी कोरबा प्रभु बेसरा बसकेपी में बाजार कर 30 मार्च के देर शाम 6:30 बजे करीब अपने गांव मगाजी स्कूटी से जा रहा था। इसी दौरान विवेकानंद चौबे पिता अनिल चौबे उम्र 24 वर्ष निवासी गोदरमान, समीर कुशवाहा पिता रामचंद्र कुशवाहा उम्र 18 वर्ष वार्ड क्रमांक 14 रामानुजगंज निवासी एवं राकेश यादव रामानुजगंज निवासी तीनों युवक के द्वारा जो पल्सर बाइक पर थे। तीनों ने प्रभु बेसरा को रोका और रिवाल्वर दिखाकर 800 रुपये, एंड्राइड सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन लूट लिया।

जगदलपुर से हैदराबाद के लिए नियमित फ्लाइट सेवा शुरू

मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट पर वाटर कैनन से किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

बस्तर संभाग के मुख्य जिला बस्तर ने फिर एक बड़ी छलांग लगाई है। बस्तर की बहुप्रतीक्षित मांग आखिरकार रविवार को पूरी हो गई। अब जगदलपुर से हैदराबाद के लिए नियमित फ्लाइट सेवा शुरू हो गई है। पहले दिन विमान के आगमन पर मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट पर उसका वाटर कैनन से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय नेता, विमानन मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। रायपुर-जगदलपुर-हैदराबाद के लिए इंडिगो की फ्लाइट रविवार को 57 यात्रियों को लेकर हैदराबाद से जगदलपुर पहुंची। इसके बाद यहां से 32 यात्रियों को लेकर फ्लाइट रायपुर के लिए उड़ान भरी।

रायपुर से जगदलपुर के बीच 2299 रुपए तय किया गया किराया

यह रहेगा शेड्यूल

फ्लाइट का शुरुआती किराया रायपुर-जगदलपुर के बीच 2299 रुपए तय किया गया है। हालांकि बाद में इसे सीटों के हिसाब से बढ़ाया जा सकता है। यह फ्लाइट प्रतिदिन हैदराबाद से सुबह 10.50 पर उड़ान भरेगी और साढ़े बारह बजे जगदलपुर पहुंचेगी। फिर जगदलपुर से दोपहर 12.50 पर उड़ान भरकर दोपहर 1.50 पर रायपुर पहुंचेगी।

बिना स्लॉट बुक कराए नहीं होगी गेहूँ की खरीदी

एफएक्यू गुणवत्ता वाला गेहूँ ही केंद्र में लाने की किसानों को सलाह

जबलपुर।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ के उपार्जन कार्य में किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने कलेक्टर दीपक सक्सेना ने जहाँ किसानों को स्लॉट बुक करने के बाद एफएक्यू गुणवत्ता की उपज खरीदी केन्द्रों पर लाने की सलाह दी है, वहीं उपार्जन व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों को भी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर बिना स्लॉट बुकिंग के उपार्जन केंद्रों पर आये गेहूँ की खरीदी नहीं करने की हिदायत दी है।

कलेक्टर श्री सक्सेना द्वारा उपार्जन व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों को दिशा-निर्देश धान उपार्जन के दौरान किसानों को हुई परेशानियों को देखते हुये जारी किये गये हैं। उन्होंने रबी उपार्जन में बिना स्लॉट बुकिंग के गेहूँ की खरीदी पर रोक लगाई दी है। साथ ही उपार्जन व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों को हिदायत दी है कि बिना स्लॉट बुक किये उपार्जन केंद्रों पर गेहूँ लेकर आये किसानों से खरीदी न की जाये तथा ऐसे किसानों की जानकारी संकलित कर उनका पंजीयन निरस्त करने जिला आपूर्ति अधिकारी को प्रस्ताव प्रस्ताव प्रेषित किया जाये। श्री सक्सेना द्वारा जारी

निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि स्लॉट बुक करने के बाद भी यदि किसान नान-एफएक्यू गेहूँ लेकर आते हैं तो उन्हें अपने खर्चे पर उसे अपग्रेड कराना होगा। इसके लिये प्रत्येक उपार्जन केंद्र पर छन्ना, पंखा, ग्रेडिंग मशीन और मॉइश्चर मीटर की व्यवस्था की गई है। किसान समिति को निर्धारित शुल्क का भुगतान कर अपनी उपज को अपग्रेड करा सकेंगे। समिति द्वारा इस शुल्क को नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किया जायेगा। निर्देशों में अधिकारियों को एफएक्यू गेहूँ की जाँच का किसानवार रिकार्ड रखने कहा गया है। कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि उपज अपग्रेड कराने पर जो भी शुल्क लिया जाये उसकी रसीद किसानों को दी जाये। यदि रसीद नहीं दी जाती है तो इसे अवैध वसूली माना जायेगा और इसके लिये विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। श्री सक्सेना ने उपार्जन केंद्रों पर तुलाई के बाद गेहूँ को तुरंत बोरी में भरने और उस पर किसान टैग लगाये जाने के निर्देश भी दिये हैं। उन्होंने साफ किया कि बिना किसान टैग लगी गेहूँ से भरी बोरियां उपार्जन केंद्र पर पाये जाने को गम्भीर अनियमितता माना जायेगा।

एक अप्रैल तक मिली 1473 शिकायतें

सी-विजिल एप में शिकायतों का हो रहा त्वरित निराकरण

जबलपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि 16 मार्च से आदर्श चुनाव आचरण संहिता लागू होते ही सी-विजिल एप पर शिकायतें प्राप्त होने लगी हैं। एक अप्रैल तक प्रदेश के सभी जिलों से इस एप के माध्यम से कुल 1473 शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं। इन सभी शिकायतों का त्वरित निराकरण कर दिया गया है। श्री राजन ने बताया कि मुख्य रूप से सागर जिले में 165, ग्वालियर में 128, उज्जैन में 111, खरगोन में 70, शहडोल में 69, सीहोर में 60, रीवा में 59, धार में 57, भोपाल में 53, निवाड़ी में 51, रायसेन में 44 और राजगढ़ में 41 शिकायतों के साथ अन्य जिलों में भी शिकायतें प्राप्त हुई हैं। श्री राजन ने प्रदेश के नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि वे निर्वाचन में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी प्रकार की सीधी शिकायत करना चाहते हैं, तो वे सी-विजिल एप के माध्यम से कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित नागरिक को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर सी-विजिल एप डाउनलोड करना होगा।

केन्द्रीय विद्यालय शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए समय-सारणी जारी

जबलपुर। केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा नये शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए समय-सारणी जारी कि गई है। जारी समय-सारणी के अनुसार कक्षा-1 के लिए पंजीकरण-ऑनलाइन के माध्यम से 01 अप्रैल से 15 अप्रैल 2024 की शाम 5 बजे तक सभी पंजीकृत विद्यार्थियों की चयनित एवं प्रतीक्षित अनंतिम सूची का प्रदर्शन 19 अप्रैल तक जारी सूची के अनुसार चयनित विद्यार्थियों के प्रवेश का आरंभ शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत चयनित, सेवा श्रेणी वरीयता क्रम श्रेणी, उपरोक्त में शामिल आरक्षित कोटे में भरी सींटों के बाद रिक्त सीट पर प्रवेश 8 मई 2024 तक शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत एवं अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (NCL) प्रवेश के लिए दूसरी अधिसूचना (कक्षा-I) यदि पर्याप्त आवेदन पत्र प्राप्त ना हुए हों तो 8 मई से 15 मई तक तथा सूची का प्रदर्शन 22 मई से 27 मई के मध्य किया जायेगा।केन्द्रीय विद्यालय द्वारा जारी समय-सारणी के अनुसार कक्षा-II तथा अन्य कक्षाओं का पंजीकरण (in offline mode) (कक्षा-XI को छोडकर), कक्षा- विशेष में रिक्तियाँ होने की स्थिति में 01 अप्रैल से 10 अप्रैल तक कक्षा द्वितीय तथा आगे की कक्षाओं के लिए सूची जारी करना 15 अप्रैल 2024 तक कक्षा द्वितीय तथा आगे की कक्षाओं के लिए प्रवेश 16 अप्रैल से 29 अप्रैल के मध्य कक्षा -XI को छोड़कर अन्य सभी कक्षाओं के प्रवेश की अंतिम तिथि 29 जून,2024 तक केवि के छात्र, छात्रा कक्षा-XI में प्रवेश के लिए पंजीकरण दशवी के परीक्षा परिणाम जारी होने के .10 दिनों के अंदर, केवि के छात्र-छात्रा कक्षा XI की प्रवेश सूची जारी करना एवं प्रवेश दशवी के परीक्षा परिणाम जारी होने के 20 दिनों के अंदर , गैर केवि के छात्र, छात्रा कक्षा-XI में प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रवेश सूची जारी करना एवं प्रवेश रिक्तियाँ होने की स्थिति में कक्षा -XI के प्रवेश की अंतिम तिथि सीबीएससी द्वारा दसवी के परीक्षा परिणाम जारी करने के 18 दिनों के अंदर निर्धारित। समस्त पंजीकृत बच्चों की सूची, प्रवेश- योग्य बच्चों की सूची, प्रवेश के लिए अंतिम चयनित बच्चों की श्रेणी- वार सूची, प्रतीक्षा-सूची व उत्तरवर्ती सूचियों को संबन्धित केन्द्रीय विद्यालय के सूचनापट्ट पर प्रदर्शित करने के साथ- साथ विद्यालय की वेबसाइट पर देना अनिवार्य है। यदि पंजीकरण के लिए निर्धारित प्रारम्भिक, अंतिम तिथि को कोई सार्वजनिक अवकाश का दिन है, तो अगला कार्य दिवस स्वीकार्य होगा।

आज से शुरु होगा स्टॉर प्रचारकों का सिलसिला

राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा आज आएंगे

जबलपुर। लोकसभा चुनाव जोर पकड़ रहा है। जबलपुर में व्हीव्हीआईपी मूवमेंट शुरु हो चुकी है। आज भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जबलपुर दौरे पर हैं। वे यहां शहीद स्मारक में शाम 4.30 बजे भाजपा के त्रिदेव और पंच परमेश्वर सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके बाद शाम 6 बजे मानस भवन में प्रबुद्ध जन सम्मेलन को संबोधित करेंगे। रात्रि विश्राम होटल नर्मदा जक्शन के बाद सुबह यहां से दिल्ली रवाना होंगे। इसके पूर्व मंगलवार की सुबह विशेष विमान से श्री नड्डा डुमना एयरपोर्ट आयेंगे और यहां से हैलीकॉप्टर द्वारा शहडोल रवाना होंगे, जहां चुनावी आम सभा को संबोधित करेंगे। वहां से वापस डुमना आयेंगे और स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम की तैयारियों में भाजपा का अर्श से फर्श तक अमला जुटा हुआ है। जानकारी के मुताबिक इसी हफ्ते केन्द्राrय गृह मंत्री अमित शाह

आएंगे। वहीं केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, स्मृति इरानी सहित कई मंत्रियों के आने की संभावना है। यूपी सीएम योगी आदित्य नाथ के रांझी में सभा करने की आने की भी खबर है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस खेमे से राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी सिहोरा में और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदिवासी अंचल बरगी में रैली को संबोधित करने आ सकते हैं। इनके अलावा पश्चिम केन्ट विधानसभा में इंडिया गठबंधन के हिस्सा आप नेता और पंजाब सीएम भगवंत मान के आने की संभावना है। इनके अलावा रणदीप सुरजेवाला, इमरान प्रतापगढ़ी, अरुण यादव का आना भी तय है।

माल लदान से जबलपुर रेल मंडल ने कमाए 37 सौ करोड़

जबलपुर।

जबलपुर रेल मंडल ने पश्चिम मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में मालगाड़ियो द्वारा माल ढुलाई करके वाणिज्यिक आय अर्जित करके मंडल में प्रथम स्थान अर्जित किया है. प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ओम प्रकाश के मार्गदर्शन में तथा वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक विश्व रंजन के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा आपसी समन्वय से कार्य करते हुए रेल राजस्व बढ़ाने के लिए लगातार किये जा रहे. इन प्रयासों के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष के

2023-24 के (माह अप्रैल 2023 से मार्च 2024) में कुल 39.55 मिलियन टन माल लदान से मंडल को राशी 3754 करोड़ रूपये की आय अर्जित हुई है। जो पिछले वित्तीय वर्ष की राशी 3325.69 करोड़ रुपये की तुलना में 12. 88 प्रतिशत अधिक है। जिसमें केवल मार्च माह में 63976 बेगनों की लोडिंग करते हुए 4.18 मिलियन टन माल लदान से मंडल को कुल रुपए 383.3 करोड़ का रिकार्ड राजस्व प्राप्त हुआ। मंडल के सभी स्टेशनों पर यात्री सुविधायो में वृद्धि के साथ ही जबलपुर रेल मंडल विभिन्न प्रकार की माल ढुलाई हेतु व्यापारियों एवं विभिन्न कंपनियों को शिकायत रहित सेवा प्रदान करने के प्रति कृत संकल्प है, साथ ही रेल राजस्व बढ़ाने के लिए सतत प्रयत्नशील है। जिससे कि मंडल द्वारा माल ढुलाई से उक्त बड़ी राशी प्राप्त की जा रही है।

मासूम बच्ची के कातिलों का नहीं मिला सुराग

पनागर में पुलिस का डेरा, संदिग्धों से पूछताछ

जबलपुर।

पनागर में बीते दिनों पास के मंदिर में प्रसाद लेने निकली 8 साल की मासूम बच्ची की हत्या का मामला आज भी पूरी पनागर में गर्म है। लोग आज भी इस खौफनाक मामले की चर्चा कर रहे हैं। चर्चा और संदेह यह भी है कि मंदिर से मासूम का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की गई। पुलिस आरोपी तक पहुंचने के लिये जुटी हुई है। पुलिस की तीन टीमें बनाई गई हैं। एक टीम परिजनों और रिश्तों से पूछताछ कर रही है, दूसरी मोहल्ला पड़ोस और उसके मार्ग के हर दुकानदार से पूछताछ में जुट हुई है। तीसरी टीत नशेड़ी गैंग और आसामाजिक तत्वों की पुंडली खंगाल रही है। एएसपी सोनाली दुबे ने बीते कई दिनों से पनागर में ही डेरा डाल लिया है। एसपी आदित्य प्रताप सिंह जांच टीम से सुबह-शाम फीडबैक ले रहे हैं।

चेहरे पर नाखून सिर पर घाव के निशान

पीएम रिपोर्ट के हवाले से कहा जा रहा है कि मासूम को गला दबाकर मारा गया है। बच्ची के पिता ने पुलिस को बताया था कि जिस समय बच्ची का शव तालाब में मिला था, तब उसके चेहरे में नाखून के निशान थे, बच्ची का सिर एक तरफ से काला पड़ चुका था, संभवतः बच्ची के सिर को जमीन मे पटका गया है। बच्ची की मां ने पुलिस को बताया कि 26 मार्च की शाम 6:30 बजे थे, रोज की तरह घर के आंगन में दीपक जलाकर पूजा कर रही थी। घर से 100 मीटर दूर साईं मंदिर में रोज की तरह पूजा हो रही है, बेटी ने कहा प्रसाद लेकर आती हूं। अकेले जाने को मना किया तो बच्ची जिद करने लगी। मैं वहीं पर खड़े होकर बेटी को मंदिर जाते हुए देखने लगी, इसी बीच मैं 2 मिनिट के लिए घर के अंदर गई और जब बाहर आई तो बेटी मंदिर में नहीं दिखी।

छतरपुर की शराब दुकान पनागर में

निपानिया सरपंच दिनेश कुशवाहा का कहना है कि 2 साल पहले जब गांव के चौराहे में शराब दुकान स्थापित की जा रही थी, तब बहुत विरोध हुआ था, जिस चौराहे में शराब दुकान है, वह चार गांव को जोड़ता है। गांव में रहने वाली महिलाएं-बच्चियां इसी चौराहे से होकर गुजरती हैं। सुबह से ही यहां दारूखोरों की जमात बैठी रहती है। गांव में जो शराब दुकान खुली है उसका लाइसेंस 10 किलोमीटर दूर छत्तरपुर का है।

लोकसभा चुनाव : सर्विस वोटर्स को डाक मतपत्र जारी

जबलपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा चुनाव में सर्विस वोटर्स को अपने मताधिकार के इस्तेमाल करने की सुविधा देने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा जिले के 1 हजार 834 सर्विस वोटर्स को इलेक्ट्रॉनिकली ट्रॉसमिटेड पोस्टल बैलेट सिस्टम (ईटीपीबीएस) के माध्यम से डाक मतपत्र जारी किये गये हैं। इनमें बरगी विधानसभा क्षेत्र के 92, पाटन के 193, जबलपुर पूर्व के 213, जबलपुर उत्तर के 92, जबलपुर कैंट के 586, जबलपुर पश्चिम के 227, पनागर के 213 एवं सिहोरा विधानसभा क्षेत्र के 210 सर्विस वोटर हैं। सर्विस वोटर्स की श्रेणी में सेना, सीमा सुरक्षा बल अथवा सीमा पर तैनात अर्धसैनिक बलों के जवान शामिल हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार सर्विस वोटर्स को इलेक्ट्रॉनिकली ट्रॉसमिटेड पोस्टल बैलेट उनके यूनिट ऑफिस, रिकार्ड ऑफिस अथवा कमांडेंट के माध्यम से उपलब्ध होंगे । यूनिट अथवा कमाण्ड ऑफिस से ई-बैलेट पेपर गोपनीय पिन नम्बर और पासबर्ड से डाउनलोड किये जा सकेंगे। सर्विस वोटर्स इन मतपत्रों पर अपना मत अंकित कर स्पीड पोस्ट से संबंधित रिटर्निंग अधिकारी को भेज सकेंगे।

स्कूल खुले, बच्चों से कराई जाएंगी विभिन्न गतिविधियां

जबलपुर। सरकारी स्कूलों का शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से शुरू हो गया है। एक माह तक पहली से आठवीं कक्षा के बच्चों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाई कराई जाएंगी। जिसमें मिट्टी के खिलौने तैयार करना, खेल गीत और स्थानीय खेलों के माध्यम से पढ़ाई कराई जाएगी। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र सत्र 2024-25 के लिए अप्रैल माह का अकादमिक कैलेंडर जारी कर चुका है। इसमें 15 अप्रैल तक दूसरी, तीसरी, चौथी व पांचवीं कक्षा के बच्चों को अभ्यास पुस्तिका का वितरण किया जाएगा, ताकि ग्रीष्मावकाश में इस पुस्तिका पर कार्य कर सकें।

अप्रैल के पहले 20 दिन लर्न ऑफ फन के तहत विद्यार्थियों को बुनियादी शिक्षा दी जाएगी। इसके बाद 20 जून के बाद से नई कक्षा की पढ़ाई शुरू होगी। प्रदेश के सभी स्कूलों का सत्र सोमवार से शुरु होने जा रहा है।सभी स्कूलों में प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। सभी सरकारी स्कूल सुबह 10.30 बजे से संचालित होंगे। विद्यार्थियों का स्वागत तिलक लगाकर किया जाएगा।

पेंशनर्स का भौतिक सत्यापन शुरू

जबलपुर। नगर निगम के समस्त पेंशनर और पारिवारिक पेंशन का लाभ लेने वाले पेंशनरों को माह अप्रैल 2024 में भौतिक सत्यापन कराना अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में निगमायुक्त मती प्रीति यादव के निर्देशानुसार अपर आयुक्त द्वारा आदेश जारी कर अधिकारियों कर्मचारियों जिनमें कार्यालय अधीक्षक दिलीप दुबे कमरा नं. 26, स्थापना वरिष्ठ लिपिक मती हर्षबाला जमनोतिया कमरा नं. 40, एवं स्थापना सहायक ग्रेड-2 कैलाश बारी कमरा नं. 40 को सामान्य स्थापना के पेंशनर्स का भौतिक सत्यापन प्रमाणित करने तथा स्वास्थ्य निरीक्षक अर्जुन यादव, मती तृप्ति चौधरी एवं राजस्व निरीक्षक अमित दुबे कमरा नं. 20 सफाई संरक्षक पेंशनर्स का भौतिक सत्यापन प्रमाणित करेगें। अपर आयुक्त आर.पी. मिश्रा ने बताया कि समस्त सेवानिवृत पेंशनरों का दिनांक 1 अप्रैल 2024 से भौतिक सत्यापन किया जा रहा है, समस्त निगम से सेवानिवृत्त हुए पेंशनर नगर निगम मुख्यालय में उपस्थित होकर अपना भौतिक सत्यापन करा सकते हैं, जिससे मासिक पेंशन सुचारू रूप से जारी रहे। निगमायुक्त मती प्रीति यादव ने समस्त पेंशनर से निर्धारित समय सीमा में भौतिक सत्यापन कराकर पारिवारिक पेंशन का लाभ पूर्व की भांति लेने का आग्रह किया है।

एलएनसीटी महाविद्यालय में कार्यक्रम

मतदान के लिये जागरुक करने कार्यक्रम जारी

जबलपुर।

एलएनसीटी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने भेड़ाघाट में तीन दिवसीय मतदाता जागरूकता एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक से तीन अप्रैल तक चलने वाले इस कार्यक्रम का संभागीय नोडल जबलपुर स्वीप डॉ सुलेखा मिश्रा, जिला स्वीप समन्वयक डॉ प्रमोद वास्तव, डॉ एम के रिछारिया एवं एलएनसीटी महाविद्यालय के संचालक सिद्धार्थ राय, प्राचार्य डॉक्टर साधना वास्तव तथा स्वच्छता की ब्रांड एंबेसडर सु श्रेया खंडेलवाल की उपस्थिति में शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का संचालन रासेयो कार्यक्रम अधिकारी अजय नारायण पटेल ने व आभार प्रदर्शन सहायक प्राध्यापक कुमारी गीता जाटव द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक प्राध्यापक शशांक सिंह बिजौरी, कल्याणी बैरागी, प्रमोद बोकाडे, सत्येंद्र राजपूत, डॉक्टर रीता वास्तव, डॉक्टर शालिनी दुबे तथा स्वयंसेवकों में सूर्यांश सिंह, रोहित रॉय, प्रकाश सेन, शिवम गुप्ता, प्रांशु सिंह, अनामिका चढ़ार, मौसमी लोधी, अनुराग सिंह, पुष्पराज सिंह, आयुष मिश्रा, माधवी लोधी,

आरती लोधी, मोनू कुशवाहा, शबनम बानो, यश पांडे का विशेष योगदान रहा।

इस अवसर पर बताया गया कि आगामी दिवसों में मतदान एवं स्वच्छता हेतु जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक एवं मतदान हेतु प्रेरित करने का कार्य स्वयंसेवक करेंगे। साथ ही मतदान के विषय पर वाद-विवाद एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का औपचारिक समापन तीन अप्रैल को जिला स्वीप शाखा के अधिकारियों एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों की उपस्थिति में होगा।

कर्मचारियों को दिलाई मतदान करने की शपथ

लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान करने रेल्वे कोचिंग डिपो पश्चिम मध्य रेल्वे में कार्यरत कर्मचारियों को जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने शपथ दिलाई। इस अवसर पर सोनी ने 19 अप्रैल को लोकसभा के चुनाव के लिये होने वाले मतदान में अनिवार्य रूप से वोट डालने का आग्रह उपस्थित कर्मचारियों से किया। इस दौरान महिला एवं पुरुष कर्मचारियों ने मतदान दिवस के लिए सेल्फी ली। सभी ने शपथ के दौरान एक स्वर में मतदान करने का संकल्प लिया। रेल्वे से स्वप्निल, जिला निर्वाचन कार्यालय के स्वीप सेल से योगेश शर्मा, डॉ प्रमोद वास्तव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

तर्पण करने से प्रसन्न होते हैं पूर्वज

सोमवती अमावस्या 8 को

हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि इस तिथि पर यदि विधि-विधान से पूजा करने पर जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र माह की अमावस्या तिथि 8 अप्रैल को है और इसे सोमवती अमावस्या के नाम जाना जाता है।

जबलपुर। धार्मिक मान्यता के अनुसार, सोमवती अमावस्या तिथि पर तर्पण करने से पितृ प्रसन्न होते हैं। सोमवती अमावस्या के दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करना शुभ होता है। पौराणिक मान्यता है कि सोमवती अमावस्या पर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से काल, कष्ट, दुख, संकट से छुटकारा मिलता है।

सोमवती अमावस्या पर पूजा का मुहूर्त

चैत्र माह कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि की शुरुआत 08 अप्रैल को सुबह 03.21 बजे होगी और इस तिथि का समापन रात 11.50 बजे पर होगा। इस तिथि को स्नान और दान करना शुभ माना जाता है। स्नान और दान के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 04.32 बजे से लेकर सुबह 05.18 बजे का समय उचित है। सोमवती अमावस्या के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठें और दिन की शुरुआत देवी-देवता के ध्यान से करें। इसके बाद पवित्र नदी या फिर घर में पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। अब भगवान सूर्य देव को जल अर्पित करें। इसके पश्चात भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करें। भोलेनाथ को फल, फूल, भांग, धतूरा, बेलपत्र अर्पित करें। अब दीपक जलाकर आरती करें और शिव स्त्रोत और शिव चालीसा का सच्चे मन से पाठ करें। इसके पश्चात सुख, समृद्धि और शांति की कामना करें। अब भोग लगाकर लोगों में प्रसाद का वितरण करें।

श्री शिव समाधारण महायज्ञ की बैठक आयोजित

पाटन। पवई धाम अमरपुर में श्री शिव महायज्ञ की बैठक हुई संपन्न कथा 17 मई 2024 से 23 मई 2024 निश्चित हुई है जिसमें मुख्य रूप से श्री द्वारका पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य श्री स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज एवं ज्योतिष पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य श्री अविमुक्तेश्वर नंदसरस्वतीजी महाराज का आगमन होगा यह सुनिश्चित हुआ। जिसमें मुख्य रूप से श्रीमद् भागवत का वचन करने आ रहे पंडित देवकी नंदन ठाकुर जी वृंदावन वाले के श्री मुख से साप्ताहिक श्रीमद् भागवत कथा का निश्चित हुआ। भारी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति होने की संभावना होने के कारण विशाल पंडाल के निर्माण की व्यवस्था पार्किंग व्यवस्था भोजन शाला एवं यज्ञशाला स्थान का निरीक्षण किया गया। पवई धाम पाटन क्षेत्र की दृष्टि से एक धार्मिक क्षेत्र है एवं यह धार्मिक आयोजन होते रहते हैं। मुख्य रूप से आयोजक स्वामी महेंद्रानंद जी महाराज, मुख्य यजमान शिवम तिवारी, पवई धाम क्षेत्र के व्यवस्थापक एवं संचालक सर्वेश पटेल, आयोजक अध्यक्ष हरि कृष्णा पचोरी, डॉ राजेश पचौरी सुरेश पचौरी, आनंद मोहन पल्हा , मुकेश ठाकुर, देवेंद्र ठाकुर मनोज पटेल, ओम नारायण तिवारी, प्रवीण भुरक , हेमराज दीक्षित, गुड्डा साहू, विजय दुबे वरुण पचोरी, राकेश विश्वकर्मा जगदीश परिहार, मनोज पटेल आदि उपस्थित रहे।

सफाई व्यवस्था सुधारने अधिकारी मैदान में

जबलपुर। नगर निगम उपायुक्त संभव अयाची ने बड़े नाला, नालियों एवं कजरवेंसियों के सफाई कार्य का निरीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि वर्षा पूर्व शहर के समस्त संभागों में स्थित बड़े नाला, नालियों एवं कंजरवेंसियों की सफाई कार्य लगातार किया जा रहा है, इसके लिए मानव संशाधनों के साथ-साथ मशीनरी संशाधनों को भी लगाया गया है। उन्होंने बताया कि 296 आउटसोर्स कर्मचारियों को लगाया गया है इसके साथ-साथ बड़े नालों की सफाई कार्य के लिए 200 मशीन 2 नग, 110 मशीन 4 नग, 70 मशीन 1 नग, डम्फर 8 नग, एवं ट्रेक्टर ट्रॉली 4 नग किराये से लगाये गए है, जिसके माध्यम से सफाई का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लगातार संभागवार जलप्लावन वाले क्षेत्रों का निरीक्षण कर उसका त्वरित समाधान भी किया जा रहा है, जिससे कि आने वाले वर्षाऋ्तु के समय जलप्लावन की समस्या न हो सके।

लॉ स्टूडेंट ने ज्ञापन सौंपकर जताई नाराजगी

महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति अटकी

जबलपुर। महाकौशल लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन ने कॉलेज के छात्रों को छात्रवृत्ति देने में किए जा रहे विलंब पर नाराजगी जताते हुए अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र अतिशीघ्र छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि महाविद्यालयों में अध्ययनरत एससी, एसटी, ओबीसी व अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र-छात्राओं को दो तीन सालों से छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है जबकि कॉलेज फीस जमा करने के लिए दबाव डाल रहे है। एसोसिएशन के संस्थापक सदस्य छात्र नेता रोहित कुरील ने बताया कि महाविद्यालयो द्वारा छात्रो के सत्यापन की प्रक्रिया में विलम्ब किए जाने और शासन के पास छात्रवृत्ति के लिए फण्ड का अभाव होने के कारण यह स्थिति बन रही हैं। इस ओर शासन को ध्यान देना होगा। ज्ञापन में मांग की गई है कि जल्दी से जल्दी इस समस्या का समाधान कर सभी छात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की जाए जिससे उनके अध्ययन, अध्यापन में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। समस्या का कोई समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है। इस अवसर पर एड. अंकुश चौधरी, एड. मोहित प्यासी, अभिरूप चंसोरिया, मोहित प्यासी, रोहित नामदेव, रॉबिन जैन, कुनाल सेन, प्रतीक कोरी, ग्रीस मराठा, महेश परस्ते, आदि उपस्थित थे।

नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर किया स्वागत

सिहोरा। सीएम राइज शासकीय पं.विष्णुदत्त हायर सेकेण्डरी विद्यालय सिहोरा में सत्र 2024-25 का प्रवेशोत्सव संचालक अरविंद धुर्वे ,संस्था प्रमुख अशोक कुमार उपाध्याय तथा उप प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार मिश्रा तथा समस्त विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाओं की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। प्रथम दिन समस्त नव प्रवेशी प्रवेशित बच्चों को तिलक रोली लगाकर एवं फूल माला से स्वागत किया गया। एंव कक्षा 9 वीं 11वीं का परीक्षा परिणाम जारी किया गया। कक्षा 9 वीं सेक्शन ए बी सी एवं डी में प्रथम स्थान प्राप्त एंव कक्षा 11वीं संकाय वार परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनें वाल एक छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विषयवार परीणाम का प्राचार्य एवं उपप्राचार्य तथा विषय शिक्षक सहित विश्लेषण किया गया। नवीन सत्र 2024-25 में अकादमिक कार्ययोजना तथा रणनीति बनाई गई।

शहरवासियों को स्वच्छता का संदेश

जबलपुर। भंवरताल गार्डन में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। जिसमें स्वच्छता रैली एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गार्डन परिसर में उपस्थित डेली वाकर्स, पर्यटकों, आम नागरिको, आस-पास के दुकानदारों, एवं आस-पास के सभी आम रहवासी जनता को स्वच्छता के बारे में जागरूक कर उन्हें स्वच्छता की शपथ दिलवाई गई। भॅंवरताल गार्डन समिति के अध्यक्ष सोनकर, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल बारी, अर्जुन यादव, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक वैभव तिवारी, अगस्ते वर्मा, उप स्वच्छता पर्यवेक्षक तरुण जैन, स्वास्थ्य निरीक्षक अभिषेक बिस्वारी, वार्ड सुपरवाइजर, नगर निगम स्वच्छता टीम एवं संभाग के सभी कर्मचारी उपस्थिति रहे।

डीआईजी आफिस में पदस्थ आरक्षक ने फांसी लगाई

जबलपुर। छटवीं बटालियन के डीआईजी आफिस में तैनात आरक्षक ने अपने घर में बीती रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आरक्षक का नाम सचिन कनौजिया है जो कुछ साल पहले ही पिता की मौत के बाद अनुकंपा नियुक्ति से पुलिस में भर्ती हुआ था। वह घर में सबसे बड़ा था। उसके पीछे मां और छोटा भाई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची रांझी थाना पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रहीं है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सचिन को शराब पीने की लत थी। जानकारी के मुताबिक रांझी थाना अंतर्गत निवासी आरक्षक सचिन कनौजिया डीआईजी ऑफिस में आरक्षक के पद पर पदस्थ था। रविवार शाम वह अपने घर से कहीं घूमने के लिए निकला हुआ था। देर रात में वह घर लौटा और कमरा बंद कर अंदर सोने चला गया। सुबह जब देर तक वह नहीं उठा तो परिजनों द्वारा दरवाजा खटखटाया गया। जवाब न मिलने पर अंदर जाकर देखा तो सचिन फांसी के फंदे पर झूलता हुआ मिला। मौके पर पहुंची रांझी पुलिस ने बताया कि मृतक के साथ उसकी मां एवं भाई रहा करते थे। लगभग 1 साल पहले की सचिन कनौजिया को पिता की मृत्यु होने पर पुलिस विभाग में अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। पुलिस के मुताबिक आरक्षक सचिन कनौजिया ने डॉग की चेन से लटक कर आत्महत्या की है। बहरहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

घाट सिमरिया की घटना

आग में 2 एकड़ की फसल जलकर

सिहोरा। भगवान सूर्य के तेवर तीखे होने के साथ ही क्षेत्र में अग्नि दुर्घटना भी प्रारंभ हो गई। सोमवार को सिहोरा के समीपस्थ ग्राम घाट सिमरिया के खेत में कटने के लिए खडी गेंहू की फसल को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। देखते-देखते आग ने करीब 2 एकड में लगी गेंहू की खडी फसल को राख में बदल दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घाट सिमरिया हार में कृषक मनीष चौबे एवं हेमंत पोहरकर का खेत है कृषक मनीष चौबे जब दोपहर के समय कृषि कार्य कर रहे थे उसी समय अचानक उनके खेत से आग की लपटे उठने लगी दमकल को सूचना देने के साथ ही खेत में कार्य कर रहे किसान मजदूर एवं हार्वेस्टर चला रहे लोगों की तत्परता से निजी वोर से पानी चलाकर तुरंत आग पर काबू पा लिया गया। लेकिन तब तक चंद मिनट में ही लगभग तो एकड़ की खड़ी फसल जलकर खाक हो गई। बताया जाता है कि खेत के ऊपर से 11 के वी की लाइन गुजरी है संभवत लाइन की स्पार्किंग होने के कारण खेत में खडी फसल अग्नि दुर्घटना की भेंट चढ़ गई।

असामाजिक तत्वों के विरूद्ध कार्रवाई

जबलपुर। शहर पुलिस ने जुआ, सट्टा खिलाने वालों एवं अवैध मादक पदार्थ, अवैध हथियार, के कारोबार में लिप्त आरोपियों के साथ-साथ चोरी, नकबजनी एवं मारपीट के आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 115 पाव देशी, अंग्रेजी एवं 32 लीटर कच्ची शराब, 2 चाकू और जुआड़ियों, सटोरियों से नगदी 2 हजार 530 रुपए जब्त किए है। कंट्रोल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में आदतन अपराध करने वाले 54 आरोपियों के विरूद्ध धारा 110 जा.फौ. के तहत, तथा वाद विवाद करने वाले 286 व्यक्तियों के विरूद्ध 107/116 जा.फौ. के तहत, एवं 8 व्यक्तियों के विरूद्ध धारा 151 जा.फौ. के तहत की गयी है, इसी प्रकार पिछले कई वर्षे से फरार 4 गैरम्यादी, 4 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है तथा 23 व्यक्तियों के विरूद्ध 34 आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुये 115 पाव देशी, अंग्रेजी एवं 32 लीटर कच्ची शराब, जप्त की गयी तथा 2 व्यक्तियों के विरूद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुये 2 चाकू जब्त किये गये एवं 7 जुआड़ियों को जुआ खेलते हुये एवं इ3 सटोरियों को सट्टा लिखते हुये रंगे हाथों पकड़ा गया जुआडियो एवं सटोरियो के कब्जे से 2 हजार 530 रूपये जब्त किये गये।

मजदूरी के पैसे मांगने पर किसान के साथ मारपीट

जबलपुर। पनागर थाना अतंर्गत सिंगलदीप में पुरानी मजदूरी के पैसे मांगने की बात पर चार बदमाशों ने एक किसान के साथ गालीगलौज व मारपीट कर हथौड़ी व लाठी से हमला कर घायल कर दिया और रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी दी। घायल किसान को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंगलदीप निवासी मिलन कोल को मोबाइल में राजेश उर्फ मनोज पटेल ने गत दिवस फोन लगाकर आनंद शाह के खेत में काम करने को बुलाया, तो मिलन कोल अपने बेटे जितेन्द्र कोल के साथ आनंद शाह के खेत में लगभग 5.30 बजे गया, जहां राजेश उर्फ मनोज पटेल, राजकुमार पटेल, रामकृष्ण पटेल और मनीष पटेल से मिलन कोल ने अपने पुरानी मजदूरी के पैसे मांगे, इसी बात पर से नाराज होकर राजेश उर्फ मनोज पटेल मिलन कोल के साथ गालीगलौज करने लगे, गालियां देने से मना करने पर राजेश उर्फ मनोज पटैल, राजकुमार पटैल, रामकृष्ण पटैल और मनीष पटैल उसके पापा से झूमा झपटी करने लगे, उसी दौरान राजेश उर्फ मनोज पटैल ने हथौड़ी से मिलन कोल के सिर पर, रामकृष्ण पटैल ने लाठी से पैर पर हमला कर दिया और मनीष पटेल ने मारपीट कर हाथ, पैर व सिर में चोटें पहुंचा दी और रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 294, 323, 324, 506, 34 तथा 3(1)द, 3(2)व्हीए एससी एसटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया।

150 ग्राम गांजा जब्त

जबलपुर। पनागर पुलिस ने गत रात गुरुनानक वार्ड पनागर में अपने घर के सामने गांजा बेचने के लिए बैठे एक वृद्ध आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 150 ग्राम गांजा जब्त कर लिया है। पनागर थाना प्रभारी अजय बहादुर सिंह ने बताया कि गुरुनानक वार्ड पनागर निवासी 65 वर्षीय नरेश उर्फ नरेश चंद जैन गत रात अपने घर के सामने गांजा बेचने के लिए बैठा हुआ था। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी नरेश उर्फ नरेश चंद जैन को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 150 ग्राम गांजा जब्त कर लिया है जिसकी कीमत लगभग 1 हजार 500 रुपए बताई गई है।

घरेलू गैस सिलेण्डर आटो में रिफलिंग करने वाला पकड़ाया

जबलपुर। मदनमहल पुलिस ने गत रात लिंक रोड शराब दुकान के पास घरेलू गैस सिलेण्डर से आटो में गैस रिफलिंग कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 घरेलू गैस सिलेण्डर, 1 कप्रेशर मशीन, एक इलेक्ट्रानिक तौल कांटा जब्त किया है। मदनमहल थाना प्रभारी प्रवीण धुर्वे ने बताया कि रायल अस्पताल के पीछे मदनमहल निवासी 30 वर्षीय चिरंजीत माईती गत रात लिंक रोड शराब दुकान के पास घरेलू गैस सिलेण्डर से आटो में गैस रिफलिंग कर रहा था। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी चिरंजीत माईती को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 गैस सिलेण्डर, 1 कप्रेशर मशीन, एक इलेक्ट्रानिक तौल कांटा जब्त कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 285 तथा 3, 7 ईसी एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

गौर नदी के पुल से युवक ने लगाई छलांग

जबलपुर। बरेला थाना की गौर चौक के अंतर्गत गौर नदी पर बने पुल से नदी में छलांग लगाकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। मामले की जानकारी लगते ही मौके पर पुलिस पहुंची, शव को निकालकर पंचनामा कर पीएम के लिये भेजा गया। मामले की जांच जारी है। बरेला पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार 1 अप्रैल को दोपहर लगभग 12 बजे एक युवक द्वारा पुल से गौर नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या करने की सूचना मिली। मामले की जानकारी लगते ही मौके पर पुलिस पहुंची। पूछताछ करने पर मृतक की युवक की पहचान 30 वर्षीय सूरज चौधरी पिता हेमराज चौधरी निवासी ग्राम खम्हरिया थाना बरेला के रूप में हुई। पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्रवाई कर युवक का शव पीएम के लिए भिजवाते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

श्री जगन्नाथ शरण- गोसलपुर निवासी श्री जगन्नाथ शरण (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बजारी लाल बरकड़े- सेठी नगर पानी की टंकी के पास निवासी श्री बजारी लाल बरकड़े (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती विमला प्रजापति- पटेल मोहल्ला रामपुर निवासी श्री राजेंद्र प्रजापति की धर्मपत्नी श्रीमती विमला प्रजापति (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हीरा लाल खटीक- भानतलैया बकरा मार्केट के पसा निवासी श्री हीरा लाल खटीक (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रमेश सिंह- छुई मोहल्ला बेलबाग निवासी श्री रमेश सिंह (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शांता ठाकुर- कांचघर नई बस्ती निवासी श्री तेज सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती शांता ठाकुर (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री बिरजू रैकवार- आनंद नगर अधारताल निवासी श्री बिरजू रैकवार (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रहलाद कुमार सतनामी- कांचघर नई बस्ती निवासी श्री प्रहलाद कुमार सतनामी (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री महेंद्र प्रसाद दुबे- धनी

कुटिया अधारताल बड़े साईं मंदिर के पास निवासी श्री महेंद्र प्रसाद दुबे (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गणेश प्रसाद केवट- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री गणेश प्रसाद केवट (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री श्याम लाल पासी- गोरखपुर छोटी लाइन फाटक के पास निवासी श्री श्याम लाल पासी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुशीला देवी- रामनगर व्हीकल रोड रांझी निवासी श्री राम दुलारे की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री मनीष तिवारी- संत जलाराम बापू नगर तिलहरी निवासी श्री मनीष तिवारी (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सचिन कनौजिया- एसएएफ रांझी डबल स्टोरी क्वाटर्स निवासी श्री विनोद कनौजिया के पुत्र श्री सचिन कनौजिया (25) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री रूप नारायण सोनी- रीवा कॉलोनी छापर रामपुर निवासी श्री रूप नारायण सोनी (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

खबर संक्षेप

महिंद्रा की बिक्री मार्च में चार प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। घरेलू वाहन विनिर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा की मार्च में कुल बिक्री चार प्रतिशत बढ़कर 68,413 इकाई हो गई। कंपनी ने सोमवार को फरवरी के बिक्री आंकड़े जारी करते हुए कहा कि एक साल पहले की समान अवधि में उसने 66,041 इकाइयों की बिक्री की थी।

हुंडई की बिक्री बढ़कर 7,77,876 इकाई रही

नई दिल्ली। देश की दूसरी बड़ी वाहन विनिर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया की कुल बिक्री मार्च में सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 65,601 इकाई रही। कंपनी ने मार्च 2023 में 61,500 वाहन बेचे थे। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को बिक्री आंकड़े जारी किए। वाहनों की घरेलू थोक बिक्री पिछले महीने पांच प्रतिशत बढ़कर 53,001 इकाई रही।

मारुति की कुल बिक्री में 10 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की कुल बिक्री इस साल मार्च में 10 प्रतिशत बढ़कर 1,87,196 इकाई हो गयी। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 1,70,071 वाहन बेचे थे। मारुति सुजुकी इंडिया ने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी ने 17,93,644 इकाइयों की उच्चतम वार्षिक घरेलू बिक्री दर्ज की।

टाटा मोटर्स की घरेलू बिक्री दो फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स की मार्च में कुल घरेलू थोक बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 90,822 इकाई रही। एक साल पहले समान महीने में कंपनी ने घरेलू बाजार में 89,351 बेचे थे। घरेलू बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों सहित यात्री वाहनों की बिक्री मार्च में 50,297 इकाई रही। यह पिछले साल की समान अवधि की 44,225 इकाई से यह 14 प्रतिशत अधिक है।

एमजी मोटर इंडिया की बिक्री 23 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली। एमजी मोटर इंडिया की मार्च में खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 23 प्रतिशत घटकर 4,648 इकाई रह गई। मोटर वाहन विनिर्माता ने मार्च 2023 में 6,051 इकाइयों की बिक्री की थी। बयान के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की बिक्री सालाना आधार पर करीब 14 प्रतिशत बढ़ी।

टोयोटा ने मार्च में अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने मार्च में 27,180 इकाइयों की बिक्री के साथ अब तक की सर्वाधिक मासिक थोक बिक्री दर्ज की है। आपूर्ति पिछले महीने 25 प्रतिशत बढ़कर 22,910 इकाई हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में उसने 21,783 वाहनों की बिक्री की थी। 2023-24 के लिए कंपनी ने 2,63,512 इकाइयों की अब तक की सर्वाधिक थोक बिक्री दर्ज की, जो 2022-23 में 1,77,683 इकाइयों की तुलना में 48 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

गडकरी की प्रतिज्ञा, रोड से हटा देंगे 36 करोड़ पेट्रोल-डीजल वाहन

एजेंसी ⏭ नागपुर

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत को हरित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए देश में हाइब्रिड वाहनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) कम करने की वकालत की है। इसके साथ ही उन्होंने देश को 36 करोड़ से अधिक पेट्रोल और डीजल वाहनों से पूरी तरह मुक्त बनाने का संकल्प किया है।

- भारत ईंधन आयात पर 16 लाख करोड़ रुपए खर्च करता है

यह पूछे जाने पर कि क्या भारत को पेट्रोल और डीजल वाहनों से पूरी तरह मुक्त कराना संभव है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा, '100 प्रतिशत।' गडकरी ने कहा, 'यह मुश्किल है, नामुमकिन नहीं। यह मेरा विचार है। उन्होंने कहा कि भारत ईंधन आयात पर 16 लाख करोड़ रुपए खर्च करता है।

केंद्रीय मंत्री हाइब्रिड कारों पर जीएसटी में कमी चाहते हैं

हाइब्रिड पर पांच व फ्लेक्स पर 12 फीसदी हो जीएसटी

मंत्री ने कहा कि हाइब्रिड वाहनों पर जीएसटी घटाकर पांच प्रतिशत और फ्लेक्स इंजन पर 12 प्रतिशत करने का प्रस्ताव वित्त मंत्रालय को भेजा गया है, जो इसपर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि उनका दृढ़ विश्वास है कि देश जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देकर ईंधन आयात को समाप्त कर सकता है।

हम जीवाश्म ईंधन ऊर्जा प्रणाली पर अधिक निर्भर : ग्रीनपीस इंडिया के प्रचारक अविनाश चंचल ने कहा, 'भारत में हम अब भी इलेक्ट्रिक वाहनों को चलाने के लिए जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा प्रणाली पर बहुत अधिक निर्भर हैं। इसे बदलने की जरूरत है। जलवायु संकट से निपटने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ-साथ 100 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा सुनिश्चित करने की तत्काल जरूरत है।'

लक्ष्य को पूरा करने कोई समयसीमा तय नहीं

मंत्री ने कहा कि इस पैसे का इस्तेमाल किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा, गांव समृद्ध होंगे और युवाओं को रोजगार मिलेगा। गडकरी ने इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए कोई समयसीमा नहीं दी, जिसे हरित ऊर्जा के समर्थक भी बेहद कठिन मानते हैं।

पांच से सात साल में चीजें बदल जाएगी

गडकरी ने कहा कि वह 2004 से वैकल्पिक ईंधन की वकालत कर रहे हैं और उन्हें भरोसा है कि आने वाले पांच से सात साल में चीजें बदल जाएंगी। मंत्री ने कहा, 'मैं आपको इस बदलाव के लिए कोई तारीख और साल नहीं बता सकता क्योंकि यह बहुत कठिन है। यह मुश्किल है, नामुमकिन नहीं।'

आने वाला युग वैकल्पिक ईंधन का होगा

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनका दृढ़ विश्वास है कि जिस गति से इलेक्ट्रिक वाहन पेश किए जा रहे हैं, आने वाला युग वैकल्पिक तथा जैव ईंधन का होगा और यह सपना सच होगा। गडकरी ने कहा कि बजाज, टीवीएस और हीरो जैसी मोटर वाहन कंपनियां भी फ्लेक्स इंजन का इस्तेमाल करके मोटरसाइकिल बनाने की योजना बना रही हैं।

रिजर्व बैंक के 90 साल पूर्ण होने पर बोले मोदी

भारत को अगले 10 साल में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की जरूरत: प्रधानमंत्री

एजेंसी ⏭ मुंबई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत को अगले 10 वर्षों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है, ताकि राष्ट्र वैश्विक कारकों से ज्यादा प्रभावित न हो। रिजर्व बैंक के 90 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि जून में तीसरी बार राजग के सत्ता में आने पर हर किसी के लिए ढेर सारे काम सृजित होंगे।

मोदी ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र फायदे में आ गया है और पिछले दशक में उनकी सरकार और आरबीआई द्वारा किए गए प्रयासों के कारण ऋण वृद्धि बढ़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए), जो 2018 में लगभग 11.25 प्रतिशत थीं, सितंबर, 2023 तक घटकर तीन प्रतिशत से कम पर आ गईं।

ट्विन बैलेंस शीट की समस्य खत्म

मोदी ने कहा कि 'ट्विन बैलेंस शीट' (बैंकों और कंपनियों के बही-खाते के स्तर पर समस्या) की समस्या अब अतीत की बात हो गई है और बैंक अब ऋण में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आरबीआई ने इन सभी उपलब्धियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आरबीआई के उपलब्धियों की सराहना

पीएम ने बैंकिंग क्षेत्र में नियम-आधारित अनुशासन और राजकोषीय रूप से विवेकपूर्ण नीतियों को लागू करने में आरबीआई की उपलब्धि की सराहना की और बैंकों को सरकार के समर्थन का आश्वासन दिया। मोदी ने मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के कदम उठाने के लिए आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सराहना भी की।

- राष्ट्र वैश्विक कारकों से ज्यादा प्रभावित न हो
- अब देश का बैंकिंग क्षेत्र फायदे में आ गया
- पीएसयू बैंकों का एनपीए घटकर तीन फीसदी पर आया

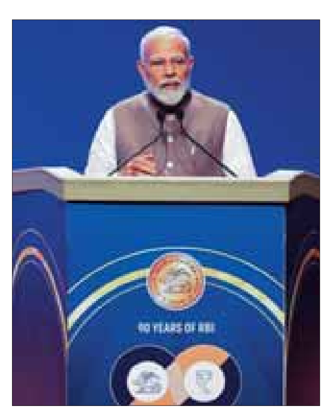

स्मारक सिक्का जारी

मोदी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ऐसे समय में नए रिकॉर्ड बना रही है, जब दुनिया के कई देश अब भी महामारी के आर्थिक झटके से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दुनियाभर में रुपये को अधिक सुलभ और स्वीकार्य बनाने के प्रयासों पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने आरबीआई के 90 साल पूरे होने पर एक स्मारक सिक्का भी जारी किया।

आरबीआई को सर्वोच्च प्राथमिकता देना होगा

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की वृद्धि को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी और साथ ही भरोसे और स्थिरता पर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि अगला दशक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना यह आरबीआई के लिए है, जो 2035 में अपने 100 साल पूरे करेगा।

आरबीआई की प्राथमिकता मुद्रास्फीति को काबू में रखना

मोदी ने कहा कि आरबीआई को विश्वास और स्थिरता पर ध्यान देने के साथ ही तेज वृद्धि को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। आरबीआई का प्राथमिक लक्ष्य 2016 से मुद्रास्फीति को काबू में रखना बन गया है। अक्सर ब्याज दर में कटौती जैसे उपायों के जरिये वृद्धि पर अतिरिक्त ध्यान देने की वकालत की जाती है।

एमपीसी ने बहुत अच्छा काम किया

प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी नये वित्त वर्ष की पहली मौद्रिक नीति समीक्षा से कुछ दिन पहले आई हैं। उन्होंने कहा कि छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने पिछले कुछ वर्षों में बहुत अच्छा काम किया है। राजकोषीय सुदृढ़ीकरण और सक्रिय मूल्य निगरानी सहित सरकार के प्रयासों से भी मुद्रास्फीति को कम करने में मदद मिली।

सोना 68,420 रुपए के नए रिकॉर्ड स्तर पर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमतों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 1,070 रुपये के उछाल के साथ 68,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 67,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,120 रुपये की तेजी के साथ 78,570 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। इससे पिछले कारोबारी सत्र में यह 77,450 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

- सोने में 1070 रुपए का उछाल
- चांदी में भी 1120 रुपए की तेजी

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, 'सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती के करीब पहुंच रहा है जिससे सराफा कीमतों में बढ़ोतरी को रफ्तार मिल रही है।' 'इसके अतिरिक्त चीन की मजबूत मांग भी सोने की कीमतों में वृद्धि का कारण बन रही है।

पीएमआई और अमेरिकी आंकड़े होंगे जारी

बीएनपी पारिबा बाय शेयरखान में एसोसिएट उपाध्यक्ष बुनियादी मुद्रा एवं जिंस प्रवीण सिंह ने कहा, 'इसके अलावा, सोमवार को मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स (पीएमआई) सहित प्रमुख अमेरिकी आंकड़े जारी किए जाएंगे, जो फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति के दृष्टिकोण को आगे की दिशा प्रदान करेंगे।'

जीएसटी संग्रह मार्च में 1.78 लाख करोड़ रुपए

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बीते वित्त वर्ष 2023-24 के मार्च महीने में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सालाना आधार पर 11.5 प्रतिशत बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये हो गया। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि घरेलू लेनदेन बढ़ने से मार्च में जीएसटी संग्रह बढ़ा है।

यह अबतक का दूसरा उच्चतम मासिक जीएसटी संग्रह है। अबतक का सर्वाधिक जीएसटी संग्रह अप्रैल, 2023 में 1.87 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया था। मार्च में संग्रह बढ़ने के साथ समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में कुल जीएसटी संग्रह 20.14 लाख करोड़ रुपये हो गया जो वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 11.7 प्रतिशत अधिक है। इस वित्त वर्ष में औसत मासिक जीएसटी संग्रह 1.68 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक था। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा, ''मार्च, 2024 के लिए सकल जीएसटी राजस्व में सालाना आधार पर 11.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.78 लाख करोड़ रुपये का दूसरा सबसे बड़ा संग्रह देखा गया।

- अब तक का दूसरा सबसे ऊंचा आंकड़ा
- संग्रह सालाना आधार पर 11.5 फीसदी बढ़ा

घरेलू लेनदेन में हुई बढ़ोतरी

घरेलू लेनदेन में 17.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने से कर संग्रह में यह उछाल दर्ज किया गया। मार्च महीने में रिफंड के बाद शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.65 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 18.4 प्रतिशत अधिक है।

एक अप्रैल से आयकर व्यवस्था में कोई नया बदलाव नहीं

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में लोगों के लिए नई आयकर व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं है। व्यक्तिगत करदाता अपना आईटीआर दाखिल करते समय इस व्यवस्था से बाहर निकलने का विकल्प चुन सकते हैं। मंत्रालय ने यह स्पष्टीकरण सोशल मीडिया पर जारी उन सूचनाओं के बाद दिया जिसमें एक अप्रैल से प्रभावी नई कर व्यवस्था में कुछ बदलावों का दावा किया गया है। मंत्रालय ने कहा, 'एक अप्रैल 2024 से कोई नया बदलाव नहीं किया गया है।' एक अप्रैल 2023 से शुरू हुए वित्त वर्ष में लोगों के लिए एक संशोधित नई आयकर व्यवस्था लागू की गई थी, जिसके तहत कर दरें ''काफी कम'' हैं। उसमें पुरानी व्यवस्था की तरह विभिन्न छूट तथा कटौती (वेतन से 50,000 रुपये और पारिवारिक पेंशन से 15,000 रुपये की मानक कटौती के अलावा) का लाभ मौजूद नहीं है।

एनटीपीसी ने 3,924 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता जोड़ी

- कंपनी की कुल स्थापित क्षमता लगभग 76,000 मेगावाट हो गयी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने 2023-24 में 3,924 मेगावाट उत्पादन क्षमता जोड़ी। इसके साथ कंपनी की कुल स्थापित क्षमता लगभग 76,000 मेगावाट हो गयी है।

कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि 3,924 मेगावाट क्षमता में बांग्लादेश में चालू दूसरी इकाई तथा अनुषंगी इकाइयों...एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लि. (एनजीईएल) और एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लि. (एनआरईएल)...की पहली बार जोड़ी गयी क्षमताएं शामिल हैं। वित्त वर्ष में 3,924 मेगावाट की नई क्षमता के साथ देश की सबसे बड़ी बिजली कंपनी की संचयी रूप से स्थापित क्षमता लगभग 76,000 मेगावाट पर पहुंच गयी है। देश की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनी एनटीपीसी देश में बिजली की कुल जरूरत का एक चौथाई हिस्सा पूरा करती है। इससे पहले, एनटीपीसी ने रविवार को कहा कि उसने वित्त वर्ष 2023-24 में 422 अरब यूनिट बिजली का उत्पादन किया।

कच्चे इस्पात का उत्पादन बढ़कर 1.92 करोड़ टन पर...

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी सेल का वित्त वर्ष 2023-24 में कच्चे इस्पात का उत्पादन पांच प्रतिशत बढ़कर 1.92 करोड़ टन रहा। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की ओर से जारी बयान के अनुसार, 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में इसका 'हॉट मेटल' का उत्पादन छह प्रतिशत बढ़कर 2.05 करोड़ टन रहा। वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में बिक्री योग्य इस्पात उत्पादन सात प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.84 करोड़ टन रहा। कंपनी ने इस वर्ष सालाना आधार पर पांच प्रतिशत अधिक 1.71 करोड़ टन की बिक्री दर्ज की। यह इसकी अबतक की सर्वाधिक बिक्री है। बयान के अनुसार, 'सेल के चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश ने उत्कृष्ट प्रदर्शन का श्रेय इस्पात बाजार में बढ़ती मांग के साथ कंपनी के रणनीतिक तालमेल को दिया है। उन्होंने बदलती बाजार आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी रहते हुए कंपनी की उत्पादन क्षमताओं को और बढ़ाने की सेल की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।'

नये वित्त वर्ष के पहले दिन शेयर बाजार की मजबूत शुरूआत

एजेंसी ⏭ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को नये वित्त वर्ष के पहले दिन की शुरुआत मजबूत रही और बीएसई सेंसेक्स 363 अंक के लाभ में रहा। कारोबार के दौरान एक समय दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गये थे।

एशिया के अन्य बाजारों में मजबूत रुख तथा विदेशी पूंजी प्रवाह के साथ घरेलू बाजार में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 363.20 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74,014.55 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 135.10 अंक की बढ़त के साथ 22,462 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'नये वित्त वर्ष के पहले दिन घरेलू बाजार की शुरुआत अच्छी रही। इस बात के संकेत हैं कि निकट भविष्य में गति अनुकूल बनी रहेगी। इस भरोसे को वैश्विक बाजारों में तेजी से समर्थन मिला। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के जून में नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद से वैश्विक बाजारों में तेजी रही।

- सेंसेक्स 363 अंक चढ़ा, निफ्टी में रही 135 अंक की तेजी
- एशिया के अन्य बाजारों में मजबूत रुख रहा

इन शेयरों में रही घट-बढ़ : रियल्टी और धातु शेयरों का प्रदर्शन बेहतर रहा जबकि दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) तथा वाहन शेयरों का कारोबार हल्का रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, लार्सन एंड टुब्रो और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में टाइटन, नेस्ले, भारती एयरटेल और इंडसइंड बैंक शामिल हैं।

अदाणी समूह के सभी शेयरों में रही तेजी

अडाणी समूह की सभी सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में सोमवार को तेजी आई। अडाणी एनर्जी का शेयर आठ प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। बीएसई पर सूचीबद्ध अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 8.40 प्रतिशत, एनडीटीवी 6.16 प्रतिशत, अडाणी विल्मर 5.92 प्रतिशत, अडाणी पावर 4.99 प्रतिशत, अडाणी टोटल गैस 4.81 प्रतिशत, अडाणी ग्रीन एनर्जी 2.93 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 2.56 प्रतिशत और एसीसी का शेयर 2.38 प्रतिशत चढ़ा। अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर में 1.80 प्रतिशत और अंबुजा सीमेंट्स के शेयर में 1.49 प्रतिशत की तेजी आई। समूह की सभी कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्यांकन 16,30,648.23 करोड़ रुपये रहा।

केवाईसी की डेडलाइन 31 मार्च को खत्म हो गई

डेडलाइन खत्म पर इन खातों में दोबारा केवाईसी की जरूरत नहीं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

म्यूचुअल फंड केवाईसी (केवाईसी) की डेडलाइन 31 मार्च को खत्म हो गई है, लेकिन इसके मौजूदा निवेशकों को थोड़ी राहत दी गई है। इसके तहत निवेशकों को अब अपने मौजूदा म्यूचुअल फंड खाते के लिए दोबारा केवाईसी दोबारा कराने की जरूरत नहीं है। ऐसे निवेश एसआईपी (एसआईपी) और अन्य योजनाओं में निवेश जारी रख सकते हैं।

- एसआईपी और अन्य योजनाओं में निवेश जारी रख सकते हैं

इससे पहले कहा गया था कि सभी म्यूचुअल फंड के निवेशकों के लिए 31 मार्च से पहले नई केवाईसी अनिवार्य थी। ऐसा न करने पर खाते निष्क्रिय हो जाएगा। इसके बाद हाल ही में केवाईसी रजिस्ट्रेशन एजेंसी सीडीएसएल ने नई सूचना जारी की, जिसमें कहा गया है कि सभी निवेशकों को अपने केवाईसी रिकॉर्ड को अपडेट करने की आवश्यकता नहीं है। यह केवल उन्हीं पर लागू होगा, जिनके नए म्यूचुअल फंड खुले हैं।

इनके लिए जरूरी नहीं

सीडीएसएल ने कहा है कि अगर आपका केवाईसी रिकॉर्ड निर्धारित आधिकारिक वैध दस्तावेजों का उपयोग करके सत्यापित हैं और आपका मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी भी सत्यापित है, तो इस प्रक्रिया से गुजरने की कोई जरूरत नहीं है। यानी किसी निवेशक ने अपना मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी सत्यापित कर लिया है और उनके द्वारा दिया गया पता प्रमाण दस्तावेज आज की तारीख में आधिकारिक तौर पर वैध दस्तावेजों की सूची में है, तो उन्हें फिर से केवाईसी कराने की जरूरत नहीं है।

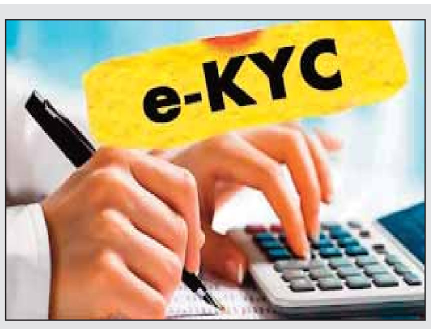

ये दस्तावेज होंगे मान्य

आधिकारिक तौर पर वैध दस्तावेजों में आधार कार्ड, पासपोर्ट और मतदाता पहचान पत्र सहित अन्य शामिल हैं। बैंक स्टेटमेंट और बिजली-पानी जैसे यूटिलिटी बिल अब केवाईसी के लिए वैध नहीं माने जाएंगे। पहले इन बिलों को वैध मान लिया जाता था।

बंद नहीं होल्ड पर होगा खाता

इसके अलावा, सीडीएसएल ने कहा है कि म्यूचुअल फंड योजना में लेनदेन करते रहने के लिए निवेशकों के साथ 31 मार्च तक नई केवाईसी कराने की बाध्यता नहीं है। अगर कोई निवेशक नई केवाईसी नहीं करा पाता है, तब भी वह अपने म्यूचुअल फंड खाते में लेनदेन कर पाएगा। उसका खाता बंद (ब्लॉक) नहीं होगा बल्कि कुछ समय के लिए रोक (होल्ड) दिया जाएगा। जैसे ही निवेशक दोबारा केवाईसी कराएंगे, उनका म्यूचुअल फंड खाता शुरू कर दिया जाएगा।

चिंतन

बैंकिंग सेक्टर में पांचवीं पीढ़ी के सुधार की जरूरत

भारत की विकास यात्रा अनवरत जारी रहे, इसके लिए सरकार की प्रगतिशील व नवाचारी आर्थिक नीतियों के साथ मजबूत बैंकिंग व्यवस्था भी जरूरी है। भारतीय रिजर्व बैंक का बैंकिंग नियमन और भारतीय बैंकिंग सिस्टम यूं तो विश्व की बेहतर बैंकिंग व्यवस्थाओं में से एक है, इसके बावजूद इसमें उत्तरोत्तर सुधार की जरूरत बनी रहती है। रिजर्व बैंक के 90 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत को अगले 10 वर्षों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है। इसमें पीएसयू बैंकों की भूमिका अहम होगी। जहां वित्तीय क्षेत्र में उभरते बदलावों के साथ नये बैंक ढांचे की जरूरत है, वहीं मौजूदा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण की भी। बदलते परिदृश्य में 'वित्तपोषण, परिचालन और कारोबारी मॉडल' के नए तरीकों की आवश्यकता होगी। उद्योग के सामने कृत्रिम मेधा (एआई) और ब्लॉकचेन की चुनौतियां भी हैं। ये डिजिटल बैंकिंग और फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी) जैसे नवोन्मेष पर बढ़ती निर्भरता के बीच बैंक, साइबर सुरक्षा की तस्वीर बदल रही हैं। ऐसी स्थिति में, हमें बैंकिंग की संरचना में आवश्यक बदलाव के बारे में सोचने की जरूरत है। आरबीआई का प्राथमिक लक्ष्य 2016 से मुद्रास्फीति को काबू में रखना बन गया है। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी नए वित्त वर्ष की पहली मौद्रिक नीति समीक्षा से कुछ दिन पहले आई हैं। रिजर्व बैंक को मौद्रिक उपायों के लिए नीतिगत ब्याज दरों के फार्मूले से बाहर भी देखना होगा। भारतीय बैंकिंग सिस्टम पहली पीढ़ी की बैंकिंग से चौथी पीढ़ी की बैंकिंग व्यवस्था की यात्रा कर चुकी है। स्वतंत्रता-पूर्व अवधि (1947 तक) पहली पीढ़ी की बैंकिंग के दौरान छोटे और स्थानीय बैंकों ने जन्म लिया। 1947-1967 तक दूसरी पीढ़ी की बैंकिंग का दौर चला। 1967-1991 तक तीसरी पीढ़ी की बैंकिंग निजी बैंकों के राष्ट्रीयकरण का काल था। भारत ने क्लास बैंकिंग से मास बैंकिंग की तरफ कदम बढ़ाया। 1991-2014 तक चौथी पीढ़ी की बैंकिंग के दौरान अनेक ऐतिहासिक सुधार हुए। निजी एवं विदेशी बैंकों को नए लाइसेंस जारी किए गए। वर्तमान में वर्ष 2014 के बाद से, बैंकिंग क्षेत्र ने जेएएम (जन-धन, आधार और मोबाइल) को अपनाने और भुगतान बैंकों तथा लघु वित्त बैंकों (एसएफबी) को लाइसेंस जारी करने जैसे कार्यों के माध्यम से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया है। अब पांचवीं पीढ़ी की बैंकिंग की जरूरत है। 1991 में आई नरसिम्हम समिति की रिपोर्ट में घरेलू व निजी बैंक के साथ तीन से चार बिग वाणिज्यिक बैंक की सिफारिश की गई थी। सरकार ने कुछ बैंकों का विलय कर दिया है। डीएफआई व बैड बैंक की स्थापना की दिशा में कदम उठाए हैं। अब विशिष्ट बैंकिंग की दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है। ये विशेष बैंक, आरएएम (रिटेल, एग्रीकल्चर, एमएसएमईज) जैसे क्षेत्रों में अनिवार्य वित्त की पहुंच को आसान बनाएंगे। डिजिटल बैंकिंग के अगले चरण ब्लॉकचेन बैंकिंग अपनाने की जरूरत है। इसके लिए ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी को लागू करना पड़ेगा। बैंकिंग में एनपीए पर नियंत्रण के साथ कर्ज जोखिम को कम करना होगा। भारतीय बैंकिंग को ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक ज़िम्मेदारी और गवर्नेंस) फ्रेमवर्क का भी पालन करना चाहिए। एक गतिशील अर्थव्यवस्था में जिम्मेदार बैंकिंग प्रणाली स्थापित करना आवश्यक है। रिजर्व बैंक को इन चीजों पर ध्यान देना चाहिए।

पाकिस्तान
प्रभात कुमार रॉय

चीनियों के खिलाफ बलोचों का विद्रोह

वैश्विक राजनीति के विशेषज्ञों के मुताबिक बलूचिस्तान में जंग-ए-आजादी की अग्नि इस कदर प्रज्वलित हो चुकी है कि बारूद के ढेर पर बैठे हुए पाकिस्तान का यह विद्रोही प्रांत कभी भी जबरदस्त विस्फोट कर सकता है। बलोच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान के आधिपत्य से बलूचिस्तान आजाद कराने का लौह संकल्प लिया है। इसी प्रबल संकल्प के तहत बलोच लिबरेशन आर्मी पाकिस्तानी सेना के विरुद्ध गोरिल्ला युद्ध विगत 15 वर्ष से निरंतर लड़ रही है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी का आत्मघाती दस्ता मजीद ब्रिगेड सुर्खियों में है। क्योंकि उसने ग्वादर पोर्ट के पास एक बार फिर से चीनी इंजीनियरों के कॉनवाय पर आत्मघाती आक्रमण किया।

विश्व पटल पर एक बार फिर से बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी का आत्मघाती दस्ता मजीद ब्रिगेड सुर्खियों में है। क्योंकि हाल में उसने पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट के पास कोल्वा कस्बे में घात लगाकर एक बार फिर से चीनी इंजीनियरों के कॉनवाय पर आत्मघाती आक्रमण अंजाम दिया। इस आत्मघाती हमले में पांच चीनी इंजीनियरों को हलाक कर दिया गया। इस हमले की जिम्मेदारी बलोच लिबरेशन आर्मी के आत्मघाती दस्ते मजीद ब्रिगेड ने ली। इस हमले को आतंकवादी आक्रमण का करार देकर खारिज नहीं किया जा सकता। इस बलोच हमले ने पाकिस्तान के स्वयं के और अपने मुल्क में चीन के नागरिकों की सुरक्षा पर प्रबल सवालिया निशान लगा दिया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 से ग्वादर पोर्ट पर पाकिस्तान और चीन की इकोनामिक कॉरिडोर परियोजना के तहत चीन की हुकूमत तकरीबन 62 मिलियन डालर की विशाल धनराशि का निवेश कर रही है। चीन की हुकूमत ने अपने नागरिकों की और अपने आर्थिक निवेश की हिफाजत पर निरंतर जोर दिया है। आर्थिक तौर पर एकदम कंगाल हो चुके पाकिस्तान को इस चीन के आर्थिक निवेश की जबरदस्त दरकार है। चीन के इंजीनियरों के ऊपर अंजाम दिया गया यह आत्मघाती आक्रमण शाहबाज शरीफ के प्रधानमंत्री पद संभाल लेने के चंद हफ्तों के भीतर हुआ है। पाकिस्तान में उग्रवाद के विशेषज्ञ और स्वतंत्र विश्लेषक फाखर काकाखेल के मुताबिक प्रतीकात्मक रूप से हमला अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके अनुसार इस हमले से बलोच लिबरेशन आर्मी विश्वव्यापी तौर पर सुर्खियों में आ गई है और बलोच विद्रोही वस्तुतः यही चाहते थे। बलोच विद्रोही सारी दुनिया को यह पैगाम देना चाहते थे कि कड़े सुरक्षा इंतजामों के बावजूद वह अपनी आक्रामक रणनीति में कामयाब रहे। यह हमला ग्वादर इलाके के हाई सिक्युरिटी जोन में अंजाम दिया गया।

वैश्विक राजनीति के विशेषज्ञों के मुताबिक बलूचिस्तान में जंग-ए-आजादी की अग्नि इस कदर प्रज्वलित हो चुकी है कि बारूद के ढेर पर बैठे हुए पाकिस्तान का यह विद्रोही प्रांत कभी भी जबरदस्त विद्रोही विस्फोट कर सकता है। बलोच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान के आधिपत्य से बलूचिस्तान आजाद कराने का लौह संकल्प लिया है। इसी प्रबल संकल्प के तहत बलोच लिबरेशन आर्मी पाकिस्तानी सेना के विरुद्ध गोरिल्ला युद्ध विगत 15 वर्ष से निरंतर लड़ रही है। बलोच लिबरेशन आर्मी का सशस्त्र संघर्ष अधिकतर पहाड़ी इलाकों में रहा है, जबकि उसका आत्मघाती दस्ता मजीद ब्रिगेड शहरी इलाकों में भी हमले कर चीनी इंजीनियरों और पाकिस्तानी फौज को अपना निशाना बनाता रहा है। इसमें कराची और ग्वादर में अंजाम दिए गए आत्मघाती हमले भी शामिल हैं। बलूचिस्तान पाक का प्रांत है।

वर्ष 1973 में बलोच लिबरेशन फ्रंट की बुनियाद ईरान में रखी गई थी। बलोच कबीला पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान के इलाकों में सदियों से निवास करता है। बलूचिस्तान क्षेत्रफल की दृष्टि से पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है जो कि पाकिस्तान के संपूर्ण क्षेत्रफल का तकरीबन 40 फ़ीसदी हिस्सा है।

बलूचिस्तान एक करोड़ आबादी वाला प्रांत है। पाक के बलूचिस्तान प्रांत की सरहद अफगानिस्तान और ईरान से मिलती है। बलूचिस्तान प्रांत तेल, कोयला, सोना, तांबा और गैस के भंडारों के साथ प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है। लेकिन दुर्भाग्य से यह पाकिस्तान का सबसे गरीब व सबसे पिछड़ा हुआ प्रांत है।

बलोच लिबरेशन फ्रंट एक स्वाधीन बलूचिस्तान के निर्माण के लिए विगत 50 वर्षों से संघर्षरत है। ब्रिटिश शासन के साम्राज्यवादी दौर से ही नेपाल और भूटान की तरह से बलूचिस्तान स्वायत्तशासी और स्वाधीन इलाका था। जिसका शासक नवाब मीर खान था, जिसे कलात सरदार भी कहा जाता था। भारत के दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन के तत्पश्चात निर्मित किए गए पाकिस्तान के प्रथम राष्ट्रपति मोहम्मद अली जिन्ना ने भी प्रारम्भ में बलूचिस्तान को एक स्वायत्तशासी और स्वाधीन इलाके के तौर पर स्वीकार किया था, किंतु बाद में वर्ष 1948 में मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा पाक फौज भेज कर नवाब मीर खान को अगवा करा लिया गया और कराची में फौजी बंदूक के साए में मीर खान से जबरन बलूचिस्तान का पाक में विलय करने के दस्तावेज पर दस्तखत करा लिए गए।

वस्तुतः बलूचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह की शुरुआत 1948 से ही नवाब नौरोज खान के नेतृत्व में हो गई थी। यह बलोच बगावत तकरीबन एक दशक तक जारी रही और अंततः जनरल अयूब खान की फौज द्वारा इसे कुचल दिया गया। 1971 में बांग्लादेश की आजादी से प्रेरित होकर बलोच बागियों ने फिर से सरदार अकबर खान बुगती की कयादत में सशस्त्र संघर्ष शुरू किया। वर्ष 2006 में पाक फौज द्वारा सर्वोच्च बलोच लीडर अकबर खान बुगती की हत्या की गई थी। उसके पश्चात बलोच बगावत और अधिक तेज हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बलोच के संघर्ष को लाल किला के प्राचीर से भारत का नैतिक समर्थन प्रदान किया गया।

चीन द्वारा पाक और चीन कॉरिडोर को लेकर 2018 में ग्वादर में निर्माण कार्य शुरू किया गया था। नवंबर 2018 में बलोच लिब्रेशन आर्मी ने कराची में चीनी दूतावास पर आक्रमण किया। 2019 में इस तंजीम ने ग्वादर के पीसी होटल पर आत्मघाती हमला किया था, जिसमें कि पांच चीनी इंजीनियर मारे गए थे। 13 अगस्त 2023 को अंजाम दिए गए हमले की जिम्मेदारी बलोच लिब्रेशन आर्मी ने ली थी। 2011 में बलोच लिबरेशन आर्मी के आत्मघाती दस्ते मजीद ब्रिगेड का गठन किया गया था। यह दस्ता बलोच यौद्धा मजीद लांग के नाम पर गठित किया गया था। मजीद लांग की मौत के बाद उसके छोटे भाई का जन्म हुआ, जिसका नाम भी मजीद रखा गया था। वह भी प्रतिबंधित बलोच लिबरेशन आर्मी में शामिल हो गया। 2011 में क्वेटा के पास मजीद एक खूनी मुठभेड़ में मारा गया। उसकी मौत के दिन इस तंजीम के गठन का ऐलान किया गया। बलोच लिबरेशन आर्मी के कमांडर उस्ताद असलम ने दोनों भाइयों की बहादुरी को देखते हुए, इस आत्मघाती तंजीम का नाम मजीद ब्रिगेड रख दिया।

आजकल बलोच विद्रोही व पाक तहरीक-ए-तालिबान के पश्तून बागी उस संपूर्ण इलाके को अपना निशाना बना रहे हैं, जहां से होकर पाक-चीन आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। इस कॉरिडोर की हिफाजत के लिए चीन ने अपने सैनिक भेजने की पेशकश की, जिसको पाक ने ठुकरा दिया है, क्योंकि वह अमेरिका की नजर में चीन का सैन्य साझीदार देश नहीं बनना चाहता। अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत स्थापित हो जाने के बाद बलोच और पश्तून बागियों के संघर्ष में एक नई जान आ गई है। वे अफगानिस्तान में अपने गोरिल्ला कैंप बना लिए हैं। इन विद्रोहियों की भरपूर इमदाद अफगान तालिबान कर रहे हैं। विधि की विडंबना देखिए जिन अफगान तालिबान को पाकिस्तानी फौज ने पाला पोसा और परवान चढ़ाया था और फिर अफगानिस्तान में सत्तानशीन कराया था, वही आज पाकिस्तान के दुश्मन बनकर उभरे हैं।

(लेखक विदेश मामलों के जानकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

मुद्दा

सुरेश हिंदुस्तानी

अंसारी की मौत पर राजनीति क्यों

भारत के कुख्यात अपराधी मुख़्तार अंसारी की मौत के मामले को राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकार मौत के बहाने एक बार फिर से तुष्टिकरण की राजनीति की जा रही है। आतंकियों और अपराधियों को संप्रदाय से अलग देखने की क़वायद करने वाले कुछ राजनीतिक दल इस मौत को भी सांप्रदायिक चश्मे से देख रहे हैं। जबकि यह सत्य है कि किसी भी अपराधी को सजा उसके स्वयं के कर्म ही देते हैं। लेकिन राजनीतिक दलों को इसमें भी वोट की राजनीति करने का बहाना मिल जाता है। आज उत्तरप्रदेश अपराध मुक्त राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहा है, जिसके कारण अपराध करने वाला अपने कर्म को करने से पहले उसकी होने वाली परिणति को भांप लेता है और संभल जाता है, लेकिन उत्तरप्रदेश के विपक्षी दलों की दिशाहीन राजनीति फिर से उसी मार्ग पर जाने का रास्ता बनाने वाली दिख रही है, जिस मार्ग पर चलकर उत्तर प्रदेश बहुत पीछे हो गया था। आज राजनीति को अपराध से मुक्त करने की आवश्यकता है। ऐसी ही नीति बनाकर राजनीतिक दलों को अपने कदम बढ़ाने चाहिए। लेकिन हम यह भी भलीभांति जानते हैं कि इस प्रकार की राजनीति के माध्यम से देश में जिस प्रकार का खेल खेला गया, उससे न तो देश का भला हुआ और न ही उस समाज का ही भला हुआ। आज इस बात से कोई भी व्यक्ति इंकार नहीं कर सकता कि बाहुबल का पर्याय बन चुकी उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब पहले जैसी धमक नहीं है। सरकारों को अपने संकेतों पर चलाने वाले उत्तर प्रदेश में माफिया राज का अंत हो चुका है। उल्लेखनीय है कि लम्बे समय से उत्तरप्रदेश में माफिया राज हावी था, यह माफिया हो चाहता था, राजनीतिक संरक्षण में उसको अंजाम भी देता रहा है। जिसके कारण तमाम अपराधी रंगदारी, हत्या, हत्या के प्रयास और ज़मीन पर कब्ज़ा करने के लिए अपनी दबंगई दिखाते थे, अब वैसी दबंगई नहीं दिखती तो इसके पीछे शासन और प्रशासन की सकारात्मक सक्रियता ही है।

उत्तरप्रदेश में बाहुबली नेता के तौर पर स्थापित होकर राजनीति करने वाले मुख़्तार अंसारी की मौत पर जमकर राजनीतिक बयानबाजी की जा रही है, कोई मुख़्तार की मौत को हत्या बताने की राजनीति की जा रही है तो कोई इसे वोट कबाड़ने की सीढ़ी बनाने का प्रयास कर रहा है। ये सभी जानते हैं कि मुख़्तार अंसारी कोई सामान्य अपराधी नहीं था, उस पर 65 मामले दर्ज थे, जिनमें उसको आठ में सजा भी मिल चुकी थी, लेकिन इसके बाद भी इस कुख्यात अपराधी के साथ राजनीतिक दलों का खड़े होना कई प्रकार के प्रश्न पैदा कर रहा है। विपक्षी दल जो आरोप लगा रहे हैं, वे एक अपराधी को समर्थन देने जैसा हैं। इससे यह भी अर्थ निकाला जा सकता हैं कि विपक्ष की राजनीति का आधार भी माफिया ही हैं क्या?

आज ज़ब विपक्षी राजनीतिक दलों की ओर से मुख़्तार अंसारी की मौत के कारणों की जांच की मांग की जा रही है, तब इसे इसलिए न्यायसंगत कहा जा सकता है कि जांच की मांग करना पूरी तरह से न्यायोचित है, लोकतांत्रिक देश में यह अधिकार सभी को है, लेकिन किसी घटना के बारे में निर्णय कर देने की राजनीतिक परंपरा जनता को भ्रमित करने जैसी ही मानी जाएगी। ऐसे में यही कहा जा सकता है कि एक अपराधी को महिमामंडित करके उसके क्रियाकलापों का समर्थन करना राजनीति को अपराध से युक्त करना एक राजनीतिक प्रयास ही माना जाएगा। यहां एक सवाल यह भी उपस्थित हो रहा है कि मुख़्तार अंसारी के परिजनों ने यह स्पष्ट तौर पर कहा था कि उनकी तबियत बहुत ही खराब है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट में साफ हो गया है कि , मुख़्तार की मौत हार्ट अटैक से हुई। ऐसे में मौत के कारणों को लेकर सवाल उठाना राजनीति के अलावा कुछ नहीं। एक समय अपराध की दुनिया के शातिर रह चुके मुख़्तार अंसारी की वह ज़मीन पूरी तरह से खिसक चुकी थी, जिसके सहारे लोगों में डर का माहौल बनता था।

उत्तरप्रदेश लम्बे समय तक अपराध युक्त राजनीति का केंद्र रहा है। तमाम अपराधी भी इसके सहारे राजनीतिक संरक्षण प्राप्त करते रहे हैं। इस संरक्षण के माध्यम से बाहुबली राजनीति के पर्याय बने नेताओं ने जहां एक ओर ज़मीनों पर अवैध कब्जा किए, वहीं कभी कभी निर्दोष लोगों को डराने के लिए हत्या जैसे कारनामों को भी अंजाम दिया। इसके बाद भी कई राजनेता उनके साथ खड़े दिखाई दिए। आज ज़ब राजनीति को अपराध से मुक्त करने की आवाज उठाई जाती है, तब उसका इशारा यह स्पष्ट संकेत देता है कि बाहुबल के सहारे जो खेल खेला जाता है, उस पर रोक लगना चाहिए, लेकिन कुछ राजनीतिक दल इस पर मौन साध लेते हैं। यही मौन उनको संरक्षण प्रदान करता है। उत्तरप्रदेश में निश्चित रूप से आज हालात बदले हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिना किसी भेदभाव के प्रदेश को अपराध से मुक्त करने का साहस दिखाया है, उसके परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हड़बड़ी न करें, क्योंकि धैर्य का फल हमेशा मीठा होता है!

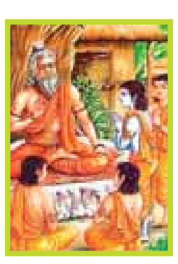

संकलित
दर्शन

किसी गुरुकुल में गुरुदेव बालकों को बाण चलाना सिखा रहे थे। एक अतिउत्साही शिष्य ने धनुष को इतनी जोर से खींचा कि उसके दो टुकड़े हो गए। गुरुदेव ने शिष्य को ज्ञान दिया कि अधीरता से योग्यता अपव्यय हो जाती है। लक्ष्य को भेदने के लिए जितनी ऊर्जा की आवश्यकता है उससे अधिक या कम ऊर्जा का प्रयोग करने पर लक्ष्य को साधना असंभव है। हमारा जीवन भी एक धनुष के समान है। यदि धैर्यपूर्वक ऊर्जा को धीरे-धीरे संचित करने के बाद नियंत्रण के साथ इसे व्यय करने की कला सीख ली जाए तो लक्ष्य कितनी ही दूरी पर क्यों न हो उसे प्राप्त करना असंभव नहीं है। धैर्य का अर्थ मूक रहकर मात्र प्रतीक्षा करना नहीं है। धैर्य का अर्थ है उत्तेजनारहित होकर अपने कार्य में निरंतर संलग्न रहना। किसी कार्य के प्रति अतिउत्साह अथवा असंयम उक्त कार्य के फल को परिपक्व नहीं होने देता। चाक पर चढ़े कच्चे घड़े को यदि आतुरता में समय से पहले उतार लिया जाए तो उसका आकार विकृत हो जाता है। हमें ऐसा भ्रम हो सकता है कि जीवन में प्रगति इतनी धीमी गति से हो रही है कि कोई परिवर्तन दिखाई नहीं देता। हम परिवर्तन की चाह में धैर्य खो बैठते हैं और शीघ्र सफलता की आकांक्षा में हड़बड़ी में ऐसे निर्णय ले बैठते हैं, जिनसे हमारा भविष्य बिगड़ सकता है। युवाओं में ऊर्जा का अधिक भंडार होता है। यह ऊर्जा उन्हें कार्य को जल्द से जल्द संपादित करके फल प्राप्ति के लिए लालायित करती है। उन्हें इस ऊर्जा का सदुपयोग करना नहीं आता।

श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद करता है!

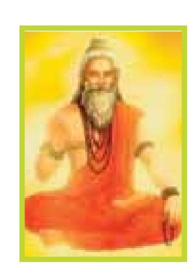

संकलित
प्रेरणा

महर्षि वेदव्यास ने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। उन्होंने उससे पूछाः हे क्षुद्र जंतु, तुम इतनी तेजी से कहाँ जा रहे हो? उनके प्रश्न ने कीड़े को चोट पहुंचाई और वह बोलाः हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं। यहां क्षुद्र कौन है और महान कौन? क्या इस प्रश्न और उसके उत्तर की सही-सही परिभाषा संभव है? कीड़े की बात ने महर्षि को निरुत्तर कर दिया। फिर भी उन्होंने उससे पूछाः अच्छा यह बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहाँ जा रहे हो? कीड़े ने कहाः मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूँ। देख नहीं रहे, पीछे से कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है। कीड़े के उत्तर ने महर्षि को चौंकाया। वे बोले, तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और बेहतर शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोलाः महर्षि, मैं तो इस कीट योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूँ, परंतु ऐसे प्राणी असंख्य हैं, जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझसे भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। कीड़े की बातों में महर्षि को सत्यता नजर आई। वे सोचने लगे कि वाकई जो मानव जीवन पाकर भी देहासक्ति और अहंकार से बंधा है, जो ज्ञान पाने की क्षमता पाकर भी ज्ञान से विमुख है, वह कीड़े से भी बदतर है। महर्षि ने कीड़े से कहाः नन्हें जीव, चलो हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़ा बोलाः किंतु मुनिवर श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद कर देता है। कीड़े के कथन ने महर्षि को ज्ञान का नया संदेश दिया।

रिमझिम...

आज की पाती

इंडी गठबंधन के पाले बदल गए, चेहरे वही है

इंडी के लिए राजनीति धालमेल है। कांग्रेस गठबंधन का चरित्र ही बदला नजर आ रहा है। इसके चलते चौतरफा विरोध के स्वर फुट रहे है। इंडी गठबंधन सत्ता के सपने बुन रहे उसके कार्यकर्ताओं ने ही झकझोर कर रख दिया है। केजरीवाल की 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत बढ़ गई है। इनका सता का सपना सच नही हो सकता है।केजरीवाल का दामन कांटो भरा है। केजरीवाल अगर दूध के धुले होते तो कोर्ट हिरासत क्यो बढ़ाती? लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से आए सैकड़ो बागियों को भाजपा में तरजीह मिली है। यह अपने अपने दल की विचारधारा है। - **कांतिलाल मांडोत**, सूरत

ट्रेंड

प्राथमिकताएं स्पष्ट

बैंकिंग व्यवस्था को लेकर हमारे विजन में बड़ी-बड़ी कंपनियों से लेकर रेहड़ी-पटरी वाले भाई-बहनों की जरूरतों पर भी हमारा फोकस है। आज भारत की प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं, इसलिए इसे प्रगति करने से कोई रोक नहीं सकता।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

भगवान राम के पास सत्य था

भगवान राम जब सत्य के लिए लड़े, उनके पास सत्ता नहीं थी, संसाधन नहीं थे, उनके रथ भी नहीं था। रथ रावण के पास था, संसाधन रावण के पास थे। भगवान राम के साथ आशा थी, आस्था थी, विनम्रता थी, धीरज था, साहस था और सत्य था।

- प्रियंका गांधी, कांग्रेस नेता

बहुत उत्साहित हूं

डिज्नी में मुख्य डीईआई अधिकारी के रूप में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं। बॉब इगर और कैथलीन कैनेडी की सामग्री को और अधिक जीवंत बनाने के लिए उनके साथ काम करने का इंतजार नहीं कर सकता। यहां तक कि भाषाई भी।

-एलन मास्क, उद्योगपति

मां को सुकून

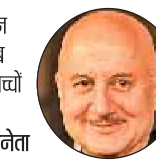

मां को बच्चों के लिए स्वेटर बुनना बहुत अच्छा लगता है। एक बार जब स्वेटर बन जाये तो तब तक सुकून नहीं मिलता जब तक मैं या मेरा भाई राजू स्वेटेर्स को बच्चों को देने का सुबूत उनको ना दें।

-अनुपम खेर, अभिनेता

करंट अफेयर

गाजा के मुख्य अस्पताल से हटी इजराइली सेना

इजराइली सेना ने दो हफ्तों तक किए गए हमलों के बाद गाजा के मुख्य अस्पताल से अपने सैनिकों को हटा लिया और अपने पीछे तबाही के बड़े निशान छोड़ दिए हैं। फलस्तीनी निवासियों ने यह जानकारी दी। इजराइली सैनिकों को हटाए जाने के बाद सोमवार को सुबह सैकड़ों लोग शिफा अस्पताल और आसपास के इलाकों में लौटे जहां उन्हें अस्पताल के अंदर और बाहर शव पड़े मिले। इजराइली सेना ने इस हमले को करीब छह महीने से चल रहे युद्ध के सबसे सफल अभियान में से एक बताया और कहा कि उसने सैकड़ों हमास और अन्य आतंकवादियों को मार गिराया तथा कुछ अहम खुफिया दस्तावेज भी जब्त किए। इजराइली सेना हटाए जाने के बाद इलाके में लौटे मोहम्मद महदी ने घटनास्थल के दृश्य को ''पूरी तबाही'' बताया। उन्होंने कहा कि कई इमारतें जला दी गयीं। उन्होंने इलाके में छह शवों की गिनती की। इनमें से दो शव अस्पताल परिसर में पड़े थे। एक अन्य निवासी याहिया अबू औफ ने कहा कि अस्पताल में मरीज, चिकित्सा कर्मी तथा विस्थापित लोग मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि कई मरीजों को नजदीकी अहली हॉस्पिटल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि सेना के बुलडोजर ने अस्पताल परिसर के भीतर एक अस्थायी कब्रिस्तान को ढहा दिया है।

ऑफ बीट

जल्द गहराने वाला है रचनात्मकता का संकट

जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस अपने स्रोत को श्रेय देना पसंद नहीं करती। कलाकारों के लिए यही समस्या है। कुछ ही सालों के भीतर जनरेटिव एआई अचानक से एक नए प्रकार के रचनात्मक उपकरण के तौर पर क्रांतिकारी रूप में सामने आयी है। केवल शब्दों के जरिए थोड़ी सी व्याख्या करने मात्र से अब कोई भी रचना तैयार की जा सकती है । अगर लोग इस क्रांति की तुलना फोटोग्राफी, फोनोग्राफ, सिंथेसाइजर या इंटरनेट से कर रहे हैं तो वे कहीं भी गलत नहीं हैं। पूर्व की रचनात्मक तकनीकों की तरह ही एआई मौजूदा रचनात्मक प्रक्रियाओं को बाधित कर रही है। लेकिन पारंपरिक रचनात्मक विधियों से मुकाबला करने से कहीं अधिक जनरेटिव एआई टूल्स उन पिछले रचनात्मक कार्यों, कलाकारों के श्रम और उनकी रचनात्मकता का भी शोषण कर रहे हैं जिनका इस्तेमाल कर जनरेटिव एआई को प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। इसलिए इस मुद्दे पर तीखी बहस शुरू हो गई है कि जनरेटिव एआई को प्रशिक्षित करने के लिए इस्तेमाल की गई सामग्री से जुड़े अधिकारों से किस प्रकार निपटा जाना चाहिए। उभरते हुए एआई दिग्गज, ओपनएआई और स्टेबिलिटीएआई समेत एक खेमे का तर्क है कि जेनरेटिव एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए दुनिया के रचनात्मक संग्रह का इस्तेमाल 'उचित उपयोग'' है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

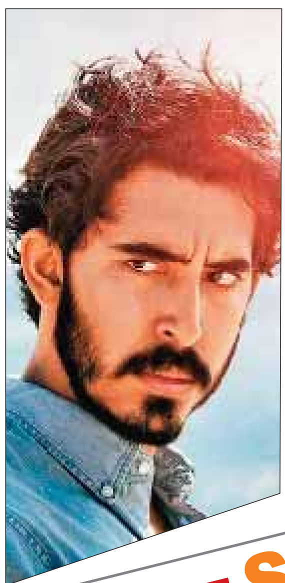

मंकी मैन की रिलीज डेट पर लटकी तलवार

मुंबई। देव पटेल की मच अवेटेट फिल्म 'मंकी मैन' रिलीज को पूरी तरह से तैयार है। अमेरिका और अन्य प्रमुख देशों में यह फिल्म 5 अप्रैल को रिलीज होगी, जबकि भारत में इसे 19 अप्रैल को रिलीज होना था। लेकिन अब भारतीय ऑडियंस को फिल्म देखने के लिए और लंबा इंतजार करना पड़ेगा। यूनिवर्सल पिक्चर्स इंडिया के लेटेस्ट सोशल मीडिया पोस्ट में 'मंकी मैन' की रिलीज डेट को बदल दिया गया है और लिखा है कि फिल्म जल्द ही रिलीज होगी, लिखा हुआ है। इसके बाद से अटकलें लगाई जा रही हैं कि फिल्म का 19 अप्रैल को भारत में रिलीज नहीं हो पाएगी।

लाइफ Style

कृति

विद्या संग काम करने की चाह

अभिनेत्री कृति सेनन लगभग दो महीने के अंतराल में बैक-टू-बैक रिलीज़ के साथ आगे बढ़ रही हैं। क्रू में करीना कपूर और तब्बू के साथ काम करने के बाद, कृति ने अब बहुमुखी विद्या बालन के साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की है। मीडिया से बातचीत के दौरान कृति ने कहा, मुझे विद्या बालन के साथ काम करना अच्छा लगेगा। मुझे लगता है कि वह ऐसी शख्स हैं, जिनकी मैं वास्तव में प्रशंसा करती हूं, उनके व्यक्तित्व और अभिनेता के लिए। इसलिए उम्मीद है कि कोई तो स्क्रिप्ट लिखेगा।

मुंबई। कृति ने काजोल संग स्क्रीन शेयर पर कहा, दिलवाले में हमारे बहुत कम दृश्य थे। इसलिए मैंने सोचा कि यह एक उचित फिल्म थी, जिसमें मैंने उनके साथ काम किया। दो पत्ती में हमारे बहुत इंटेंस सीन हैं। मुझे उनके साथ काम करके बहुत मजा आया और मुझे लगता है कि वह हमारे अब तक के सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक है। मुझे उनके साथ काम करना और भी ज्यादा पसंद है क्योंकि वह हमेशा सीन के लिए कुछ न कुछ लेकर आती हैं। वह मुझसे यह भी कहती थी मुझे लगता है कि तुम्हें यहीं ऐसा करना चाहिए और शायद अगर आप इस तरह व्यवहार करते हैं, तो यह बेहतर हो सकता है। वहीं कृति ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें अभिनेत्री 'क्रू' पर दर्शकों का रिएक्शन जानने थिएटर पहुंचती है और उनसे खूब सारी बातें भी करती नजर आ रही हैं। इतना ही नहीं इस दौरान कृति को दर्शकों के बीच एक पायलेट भी मिलते हैं, जिससे अभिनेत्री मस्ती-मजाक में मांफी भी मांगती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के कैप्शन में लिखा- वे हंसे, मैं मुस्कुराया! यह प्यार मेरे पूरे क्रू के लिए है!! देवियों!! उड़ान भरी हुई है और यह प्यार और हंसी से भरी है।

हॉलीवुड मसाला

अब ओटीटी पर धूम मचाएगी मैडम वेब

मुंबई। मार्वल की फिल्म मैडम वेब ने सिनेमाघरों के बाद ओटीटी स्पेस में भी कदम रख दिया है। प्राइम वीडियो ने जानकारी दी कि फिल्म प्लेटफॉर्म पर आ गई है, लेकिन ग्राहकों के लिए अभी फ्री नहीं है। मैडम वेब को प्राइम स्टोर में जोड़ा गया है, जिसका मतलब है कि ग्राहकों को इसे देखने के लिए पैसे खर्च करने होंगे। फिल्म में फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे फेम डकोटा जॉनसन मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म प्राइम वीडियो स्टोर पर 13 भाषाओं में उपलब्ध है, जबकि इसे 14 भाषाओं में सबटाइटल के साथ देखा जा सकता है।

मैदान का वीडियो जारी अजय का अनोखा अंदाज

मुंबई। अजय देवगन की अगली मूवी 'मैदान' का फैंस को बेसब्री से इंतजार है, जो कुछ ही दिनों में रिलीज होने के लिए तैयार है। मैदान एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसमें अभिनेता सैयद अब्दुल रहीम की भूमिका निभाते नजर आएंगे। अब हाल ही में अजय ने फिल्म की रिलीज से पहले अपनी भूमिका की एक झलक दिखाते हुए एक वीडियो शेयर किया है। अभिनेता अजय देवगन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में उनकी एंट्री दिखाई गई है। साथ ही वह अपने खिलाड़ियों से बात करते भी नजर आ रहे हैं। अभिनेता कहते हुए सुनाई देते हैं कि सोच एक, समझ एक, दिल एक, दिमाग एक, इसलिए आज मैदान में उतरना 11, लेकिन दिखना सिर्फ एक। मैदान 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

ब्रेकअप के बाद सुसाइड करना चाहती थीं रवीना?

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन अक्सर बहुत ही बेबाकी से अपने राय रखने के लिए जानी जाती हैं। वो अक्सर अपने पर्सनल लाइफ से जुड़े मुद्दों पर खुलकर बात करती नजर आती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अक्षय कुमार से ब्रेकअप के बाद सुसाइड की खबरों को लेकर जवाब देती नजर आई हैं। रवीना से जब इंटरव्यू में सुसाइड करने के रूमर्स से जुड़ा सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि एक मैगजीन ने स्टोरी कर दी थी, जिसमें कहा गया था कि सगाई टूटने के बाद उन्होंने सुसाइड करने की कोशिश की थी। रवीना ने इस स्टोरी को क्लियर करते हुए बताया कि ऐसा कुछ नहीं था, वो अस्पताल में थीं, क्योंकि वो बीमार थीं। असलियत में वो मेनिनजाइटिस से पीड़ित थीं। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि इस बात को साबित करने के लिए उनके पास अस्पताल के सभी रिपोर्ट्स हैं। वो इतनी कमजोर नहीं कि जीवन की एक सिचुएशन से परेशान होकर आत्महत्या करने की सोचें।

विजय ने किया फ्यूचर प्लांस का खुलासा

मुंबई। पॉपुलर साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना अक्सर अपने डेटिंग रूमर्स को लेकर चर्चा में रहते हैं। ऐसे में अक्सर उनसे सवाल किया जाता है कि आखिर दोनों कब शादी कर रहे हैं। आखिरकार एक्टर ने अपने फ्यूचर प्लांस का खुलासा किया है। विजय देवरकोंडा इन दिनों मृणाल ठाकुर के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म फैमिली स्टार के प्रमोशन को लेकर व्यस्त हैं। फिल्म प्रमोशन के इवेंट में जब एक्टर से उनके शादी करने के प्लान्स के बारे में पूछा तो एक्टर ने कहा कि वो जल्द शादी कर के पिता बनना चाहते हैं। विजय ने सिर्फ अपनी ख्वाहिश के बारे में ही नहीं बताया, उन्होंने ये भी कहा कि वो लव मैरिज ही करेंगे। ये कहकर देवरकोंडा ने अपने और रश्मिका के रिलेशनशिप रूमर्स पर मोहर लगाई है। एक्टर ने इतना तक कह दिया कि वो अपनी गर्लफ्रेंड से तभी शादी करेंगे, जब उनके माता-पिता इस रिश्ते के लिए तैयार हो जाएंगे।

आलिया ने वंचित बच्चों के लिए जुटाया फंड

मुंबई। एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने लंदन में चल रहे चैरिटी इवेंट होप गाला को होस्ट किया। उन्होंने इस इवेंट में भारत में वंचित बच्चों के लिए काम करने वाले सलाम बॉम्बे फाउंडेशन की मदद करने के लिए फंड जुटाया। आलिया ने कहा, मुझे इन बच्चों की कहानियों को नया आकार देने में मदद करने में एक छोटी सी भूमिका निभाकर खुशी हुई है। आज हमारे प्रयासों की शुरुआत है और लोगों के समर्थन से मुझे विश्वास है कि हम आने वाली पीढ़ियों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण प्रगति करेंगे। आलिया ने कहा, सलाम बॉम्बे फाउंडेशन और मंदारिन ओरिएंटल होटल ग्रुप के सहयोग से चैरिटी इवेंट को होस्ट करना मेरे लिए खास एक्सपीरियंस रहा है। मैं लंबे समय से भारत की मलिन बस्तियों में युवाओं के उत्थान, आशा और अवसर प्रदान करने के लिए पद्मिनी सेखसरिया के अटूट समर्पण की प्रशंसा करती रही हूं।

पांच भाषाओं में प्रदर्शित होगी रामचरण की गेम चेंजर

मुंबई। आरआरआर के बाद रामचरण की अगली फिल्म गेम चेंजर है, जिसे निर्देशक शंकर ने निर्देशित किया है। रामचरण की 'गेम चेंजर' बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म की शूटिंग पिछले तीन साल से हो रही है और प्रशंसक तंग आ चुके हैं, क्योंकि उन्हें अभी तक रिलीज डेट का पता नहीं चल पाया है। फिल्म के प्रोड्यूसर दिल राजू का कहना है कि फिल्म की रिलीज डेट लगभग लॉक हो चुकी है। हाल ही में एक प्रेस मीट में बात करते हुए दिल राजू ने पुष्टि की कि गेम चेंजर पांच भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन एस. शंकर कर रहे हैं।

प्रियंका और परिणीति के रिश्ते में आई खटास?

मुंबई। प्रियंका चोपड़ा अपनी बेटी मालती और पति निक जोनस के साथ इंडिया आई थीं। भले अब एक्ट्रेस वापस अपने ससुराल चली गई हैं, लेकिन उनके इस दौरे के बाद से परिणीति चोपड़ा संग उनके रिश्ते में खटास की खबरों को हवा मिल गई है। ना तो प्रियंका अपनी बहन परिणीति की शादी में शामिल हुई थीं, ना ही वो अब शादी के बाद उनसे मिलीं। जब एक्ट्रेस ने इस बार अपना ज्यादा से ज्यादा वक्त अपने परिवार के साथ बिताया। मगर फिर भी दोनों बहनों ने भारत में होने बावजूद एक-दूसरे से मिलने की कोशिश नहीं की। ऐसे में नेटिजन्स के मन में यह सवाल खड़े हो रहे हैं।

आदुजीविथम-द गोट लाइफ का कलेक्शन 50 करोड़ के पार

मुंबई। साउथ स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म 'आदुजीविथम-द गोट लाइफ' बॉक्स ऑफिस पर जमकर कहर बरपा रही है। देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी मलयालम भाषा में बनी इस फिल्म का डंका बज रहा है। तीन दिनों में 'आदुजीविथम-द गोट लाइफ' ने देशभर में 20 करोड़ के आंकड़े को पार कर लिया है। पृथ्वीराज सुकुमारन ने 'आदुजीविथम-द गोट लाइफ' की वर्ल्डवाइड कलेक्शन की जानकारी दी है, जिसके मुताबिक, फिल्म ने तीन दिनों में दुनियाभर में 50 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है। रिपोर्ट के मुताबिक आदुजीविथम-द गोट लाइफ ने तीन दिन में हिंदी सहित सभी भाषाओं में 7.75 करोड़ की कमाई की है।

बच्चे की मौत का रहा गम, अमिताभ ने जिसे माना गॉडफादर

ऐसा था जलवा, हीरो से ज्यादा फीस लेते थे महमूद

मुंबई। कॉमेडियन का नाम आता है तो जेहन में महमूद का नाम सबसे पहले आता है। उनकी एक्टिंग का कोई जवाब नहीं था, हर कोई उनकी बेमिसाल अदाकारी का दीवाना था। एक कॉमेडियन का किरदार निभाने वाले एक्टर के नाम से ही फिल्में हिट हो जाया करती थीं। यही वो वजह थी, जिसकी वजह से वो हीरो से भी ज्यादा फीस वसूलते थे। कहा जाता है कि सदी के महानायक अमिताभ बच्चन उन्हें अपना गॉडफादर मानते थे, क्योंकि उन्होंने अभिनेता की उनके करियर में काफी मदद की थी।

पोलियो ग्रस्त बेटे का था गम

कम ही लोगों को पता होगा कि महमूद के 8 बच्चों में से एक को पोलियो था। फिल्म कुंवारा बाप में अभिनेता ने एक गरीब रिक्शेवाले का किरदार अदा किया था, जिसके बेटे को पोलियो होता है। इसमें उनके बेटे का किरदार उनके असली बेटे ने निभाया था। अपने बेटे के इलाज के लिए एक पिता सब कुछ करता है लेकिन अंत में हार ही हाथ लगती है और वो अपना बेटा खो देता है। ये फिल्म देखने वालों की आंखों में आंसू आ गए थे, और मूवी ब्लॉकबस्टर हिट साबित हुई, जिसने कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।

कॉमेडियन, जो देता था सुपरस्टार्स को टक्कर

महमूद मूवी में है या नहीं। उनके नाम से ही मूवी हिट हो जाती थी। फिल्मों के पोस्टर में अभिनेता के होने से उसकी वैल्यू और भी ज्यादा बढ़ जाती थी। अभिनेता हीरो से ज्यादा फीस वसूलते थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म 'किस्मत' के बाद महमूद ने एक्टिंग छोड़ दी थी। अपने परिवार की आर्थिक तंगी को देखते हुए एक्टर ने कई छोटे-मोटे काम करने शुरू कर दिए। दो वक्त की रोटी खाने के लिए उन्होंने निर्देशक राजकुमार संतोषी के पिता पीएल संतोषी की गाड़ी चलाई और एक ड्राइवर बन गए। यही नहीं घर चलाने के लिए उन्होंने अंडे भी बेचे और टैक्सी भी चलाई।

40 साल के करियर में की 300 से अधिक फिल्में

महमूद का पूरा नाम महमूद अली था, जिनका जन्म सितंबर 1932 में हुआ था। एक्टर ने मीना कुमारी की छोटी बहन से शादी की थी, हालांकि उन्होंने दो शादी की थी, दूसरी बीवी का नाम ट्रेसी अली था। अभिनेता के टोटल 8 बच्चे थे। अपने 40 साल के फिल्मी करियर में उन्होंने 300 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया। अपने फिल्मी करियर की शुरुआत उन्होंने साल 1943 में आई फिल्म बॉम्बे टॉकीज से की थी, जिसमें वो बच्चे ही थे। भारत के राष्ट्रीय हास्य अभिनेता के रूप में इस महान अभिनेता को जाना जाता था।

शीतला अष्टमी पर्व आज

जबलपुर। शीतलाअष्टमी पर्व आज मनाया जाएगा। इसके पूर्व शीतला सप्तमी का पूजन किया गया। भक्तों ने शीतलामाई को मीठे चावल के नैवेद्य अर्पित किए। हिन्दू पंचांग के अनुसार, प्रत्येक वर्ष चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को माता शीतला की पूजा का विधान है। इसे शीतला सप्तमी और बसौड़ा अष्टमी भी कहा जाता है। बसौड़ा शीतला माता को समर्पित लोकप्रिय त्यौहार है। ये पर्व होली के आठवें दिन मनाया जाता है।

मान्यता के अनुसार इस दिन पूजा के समय माता शीतला को पर मीठे चावलों का भोग लगाया जाता है। ये चावल गुड़ या गन्ने के रस से बनाए जाते हैं। खासतौर पर इस दिन माँ शीतला को बासी पकवानों का भोग लगाया जाता है खुद भी बासा और ठंडा भोजन किया जाता है। इस दिन पूरे विधिविधान के साथ पूजा करने से बीमारियों से मुक्ति मिलती है और घर में सुख शांति बनी रहती है। इस के साथ ही आज शीतला अष्टमी 2 अप्रैल को भी बसौड़ा की पूजा विधि की धूम रहेगी। शीतला सप्तमी, अष्टमी की पूजा के दिन जो बातें शास्त्र वर्णित है उसके अनुसार साधक सुबह स्नान कर साफ वस्त्र धारण करें। पूजा के दौरान हाथ में फूल, अक्षत, जल और दक्षिणा लेकर व्रत का संकल्प लें। माता को रोली, फूल, वस्त्र, धूप, दीप, दक्षिणा और बासा भोग अर्पित करे। शीतला माता को दही, रबड़ी, चावल आदि चीजों का भी भोग लगाएं, तत्पश्चात पूजा के समय शीतला स्त्रोत का पाठ करें और पूजा के बाद आरती जरुर करें। पूजा करने के बाद माता को भोग खाकर व्रत खोलें।

शीतला अष्टमी आज, माता को लगेगा बसोरा भोग

जबलपुर। शीतला अष्टमी के पावन पर्व पर घमापुर शीतलामाई वार्ड स्थित माँ शीतला माता के मंदिर में आज शीतलाष्टमी धूमधाम एवं श्रद्धा से मनाई जाएगी। मंदिर के अध्यक्ष डॉ. रमाकांत रावत के अनुसार प्रातः 05 बजे माँ शीतला का अभिषेक दुग्ध, दही, शहद, नीम की पत्तियों एवं शीतल जल से किया जाएगा, तत्पश्चात माँ शीतला को बसोरे (ठंडा भोग) का भोग लगाया जाएगा। संध्या काल में ठंडी आरती एवं देश की खुशहाली हेतु प्रार्थना तथा भजन संध्या और महाप्रसाद का वितरण मंदिर समिति द्वारा किया जाएगा।शीतलाष्टमी में ऐसी मान्यता है कि इस दिन घर में चूल्हा नहीं जलाते हैं और अष्टमी की पूर्व संध्या सप्तमी को बना हुआ भोजन ही माँ को अर्पित कर स्वयं भी प्रसाद ग्रहण करते हैं। कहते हैं चैत्र पक्ष की नवरात्रि के समय ही संक्रामक रोग माता (चेचक) का प्रकोप होता है, तब पीड़ित के पूरे शरीर में बड़े-बड़े दाने आ जाते हैं जो काफी पीड़ादायक होते हैं और शांत होने के बाद शरीर पर निशान छोड़ जाते हैं तब इस बीमारी से कई लोगों की मृत्यु भी हो जाती थी, माँ दुर्गा ने तब माँ शीतला के रूप में अवतार लिया था और कहा था जो भी मेरे इस रूप को श्रद्धा के साथ पूजेगा उसकी यह पीड़ा (चेचक) शांत हो जाएगी, तभी से इस गंभीर पीड़ा में माँ शीतला को दही, बताशा, फल-फूल अर्पित कर माँ को जल चढ़ाते हैं तथा माँ के श्री चरणों का जल पीड़ित के पूरे शरीर पर लगाया जाता है, जिससे पीड़ित को आराम मिल जाता है। शीतलामाई वार्ड में स्थित सैकड़ों वर्ष पुराने इस मंदिर का 1972 में जीर्णोद्धार क्षेत्रीय नागरिकों ने कराया था, इस मंदिर के नाम से ही यह वार्ड भी जाना जाता है। मंदिर परिवार के डॉ. रमाकांत रावत, पं. शीतला प्रसाद तिवारी, पूर्व पार्षद राममोहन गुप्ता, अजय कुमार अग्रहरि, केदार यादव, डॉ. एमएल गौर, प्रेमसुख चक्रवर्ती, राजू पांसे, सतीश बर्मन, सिद्दू शर्मा, अनिल गुप्ता, सतीश खत्री, गोलू बर्मन, प्रवीण प्रजापति, रिसू तिवारी, अंकित रावत, अतुल रावत, मोनू कोरी, दास रंगू राजपूत, चिंटू गुप्ता, बादल प्रजापति सहित अन्य सदस्यों ने माँ शीतला का दर्शन करने का अनुरोध किया है।

जागरूक क्रिश्चियन मंच - कर्मचारी संगठन ने मनाया ईस्टर पर्व

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक क्रिश्चन मंच और जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि आज माता मरियम चौक सिविल लाइन में जागरूक क्रिश्चियन मंच और जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के समस्त पदाधिकारी कर्मचारी सदस्यों की उपस्थिति में गरीब असहाय लोगों के बीच में मिष्ठान और स्वल्पाहार वितरित कर ईस्टर पर्व मनाया गया। जिस तरीके से प्रभु यीशु मसीह ने कहा है की अपने पड़ोसियों को अपने समान प्रेम करो इसी वचन को ध्यान में रखते हुए संगठन ने गरीब असहाय लोगों के बीच में उपस्थित होकर हम सब पदाधिकारियों ने उनके साथ समय व्यतीत किया, उनके बीच में ईश्वर के वचन को साझा किया और उन्हें प्रेम का संदेश दिया। क्योंकि प्रभु यीशु मसीह जब इस दुनिया में आए तो वह प्रेम और भाईचारे का संदेश लेकर आए थे और उन्होंने लोगों की सेवा करने के उद्देश्य से इस दुनिया में जन्म लिया था ना कि लोगों के द्वारा सेवा कराने के लिए, इसी वचन और संदेश को हमारे संगठन ने ध्यान में रखते हुए हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई सब ने मिलकर आज इस पर्व को बड़ी ही निष्ठा और श्रद्धा के साथ एवं भक्ति भावना के साथ मनाया और आगे भी हम सभी त्योहारों को मान सम्मान के साथ मनाएंगे। इस मौके पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, जेम्स एंथोनी, फ्रांसिस एंथोनी, लॉरेंस मार्टिन, केरोलिन अब्राहम, आदि उपस्थित रहे।

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 363 करोड का राजस्व का संग्रह किया

जबलपुर। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड जबलपुर द्वारा मार्च 2024 में राजस्व संग्रहण में विशेष उपलब्धि हासिल करते हुए नया रिकॉर्ड कायम किया है। कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित एवं अथक प्रयासों के फलस्वरूप मार्च 2024 के महीने में रू. 929.36 करोड़ के राजस्व का संग्रहण किया गया। वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में जबलपुर रीजन में रू. 363.31 करोड के राजस्व का संग्रह किया गया। वहीं राजस्व संग्रह में रीवा रीजन ने रू. 258.48 करोड़, सागर रीजन ने रू. 231.85 करोड़ तथा शहडोल रीजन ने रू. 75.73 करोड़ का योगदान दिया। इस उपलब्धि के लिये कंपनी के प्रबंध संचालक अनय द्विवेदी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अथक प्रयासों की सराहना की है।

मंगेली में नवचंडी यज्ञ 15 से

जबलपुर। आगामी 15 अप्रेल से 23 अप्रेल तक माँ नर्मदा के दक्षिण तट (गौरीघाट) ग्राम मंगेली की मंगल भूमि पर नव चंडी यज्ञ और श्री राम कथा का आयोजन हो रहा है। जिसका आमंत्रण पत्र का विमोचन महाआरती के दौरान गौरीघाट में किया गया। इस धर्मानुष्ठान आयोजन में देश के विभिन्न आश्रमों से लगभग 2 हजार तपस्वी, महात्यागी,साधु-संतों और सन्यासियों का समागम हो रहा है। श्री श्री 1008 विष्णु दास महत्यागी के आशीर्वाद स्वरूप महामंडलेश्वर श्री श्री1008 लाल दास महात्यागी की प्रेरणा एवम महंत घनश्याम दास महात्यागी गोकर्ण महराज .के मार्गदर्शन में यह आयोजन होगा।

बोर्ड परीक्षा में पास हुए छात्र-छात्राएं होंगे सम्मानित : अन्नू सिंह

जबलपुर।

पीहर एवं हाडी राजपूताना वोमेंस एसोसिएशन के द्वारा लगातार महिला सशक्तिकरण सहित सामाजिक जागरूकता का कार्य किया जा रहा है इसी कड़ी में पीहर एवं हाडी राजपूताना वोमेंस एसोसिएशन के द्वारा एक महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया जिस सम्मेलन में सबसे पहले होली मिलन का कार्यक्रम किया गया और सभी महिलाओं ने एक दूसरे के साथ जमकर रंग गुलाल और फूल बरसा कर होली खेली जिसके बाद एक बैठक कर महिला पदाधिकारियो ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए इस बैठक के दौरान वोमेन्स क्लब की फाउंडर अन्नू सिंह ने बताया कि

आने वाले समय मे हम सभी परीक्षा में अच्छे नंबरों से पास होने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित करेंगें इसके साथ ही देश के वीर योद्धा अमर शहीद महाराणा प्रताप की जयंती पर पीहर एवं हाडी राजपूताना वोमेंस एसोसिएशन की पदाधिकारियो द्वारा एक विशाल रैली का आयोजन किया जाएगा जिसमे सैकड़ो की संख्या में राजपुताना महिलाएं शामिल होगी और उसके बाद महिलाओं को रोजगार संबंधी जानकारी देने के लिए उन्हें एक बड़ा प्लेटफार्म देगें जिसमे रोजगार के क्षेत्र में अपने उत्पादन को बढाने के लिए वह महिलाएं रख सकती है जिससे कि उनकी आर्थिक स्थिति में इजाफा होगा और वह अपने आप को कमजोर नही समझ सकेंगी।

महिलाओं के इस कार्यक्रम में ये रहीं मौजूद- पीहर एवं हाडी राजपूताना वोमेंस एसोसिएशन के इस कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की पत्नी श्रीमती माला सिंह सहित श्रीमती शीला सिंह,श्रीमती सीमा सिंह चौहाण,श्रीमती माया सिंह राजपूत, श्रीमती प्रियंका कल्चुरी,श्रीमती सरिता सिंह चौहाण ,फाउंडर पीहर हाड़ी राजपूतानी की फाउंडर श्रीमती अन्नू सिंह, अंजलि श्रीवास्तव, मोना सिंह एवं मधुलिका सिंह एवं बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर मौजूद रहे।

डीडीएस की वार्षिक सभा व होली मिलन संपन्न

जबलपुर। अनुसूचित जाति संभागीय डोम डुमार संघ की वार्षिक साधारण सभा एवं होली मिलन समारोह द्वारका नगर में आयोजित हुआ, जिसमें संस्था के महामंत्री रवि जानोकर ने आय-व्यय एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, तदोपरांत सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जीवन मलिक, श्यामनारायण, पुरुषोत्तम पछेल, अनिल ठकुराशी, रवि जानोकर, मनोहर रान, सुभाष बिरहा, सुरेन्द्र राठौर, राकेश ललपुरहा, जगदीश चोहटेल, राजेश मार्वेकर, सतीश बिरहा, रामकिशन हाटे सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सेंट अलॉयसियस कॉलेज के प्राचार्य को दी विदाई

जबलपुर। संत अलॉयसियस (स्वशासी) महाविद्यालय, जबलपुर के प्रेरणा सभागृह में 01 अप्रेल को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फा. जी. वलन अरासू का भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश वंदना, पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के टीचिंग एवं नॉनटीचिंग स्टाफ द्वारा प्राचार्य के कार्यकाल में उनके साथ कार्य करते हुए प्राप्त अनुभव को साझा किया गया, साथ ही उनके कुशल मार्गदर्शन में सीखी बातों को सदैव याद रखने की भी बातें की गईं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, डॉ. फा. डेविस जार्ज (डायरेक्टर संत अलॉयसियस तकनीकी संस्थान गौर जबलपुर) ने अपने उद्बोधन में प्राचार्य के लिए कहा कि मैं आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं, आप जहां भी कार्य करेंगे मील का पत्थर बनेंगे। प्रभारी प्राचार्य डॉ. फादर बेन एन्टोन रॉस ने अपने उद्बोधन में कहा कि नई-नई चुनौतियों से कैसे जूझा जा सकता है यह आपके कुशल मार्गदर्शन में सीखा। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. निहारिका सिंग एवं डॉ. रीना थॉमस ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. तलविंदर कौर ने किया। कार्यक्रम के समापन में उपप्राचार्य डॉ. अंजली डिसूजा, डॉ. कल्लोल दास, फा. प्रदीप रॉडरिक्स सहित डॉ. मीता दरबारी, डॉ. नीलांजना पाठक, डॉ. मंदिरा कार, डॉ. कैरोलीन सैनी, डॉ. रामेन्द्र ओझा, डॉ. विश्वास पटेल, डॉ. सोनल रॉय, डॉ. सीबी सेम्युल एवं समस्त महाविद्यालय परिवार के टीचिंग एवं नॉनटीचिंग स्टाफ का सहयोग रहा।

बंग समाज 16 अप्रैल को करेगा मां अन्नपूर्णा की पूजा

जबलपुर।

बंग समाज द्वारा बंगाल की तर्ज पर एवं बंग पंचांग अनुसार श्रीश्री माँ मनसा, माँ जगधात्री पूजा के बाद श्रीश्री माँ अन्नपूर्णा पूजा विगत वर्ष से प्रारंभ की गई है। यह पूजा चैत्र नवरात्र की महाअष्टमी 16 अप्रैल 2024 (मंगलवार) को गीतांजली भवन सदर में आयोजित की जा रही है, समिति के मुख्य संयोजक कैप्टन प्रदीप कुमार पाण्डा ने बताया की आज 01 अप्रैल 2024 को सायंकाल 5 बजे इण्डियन कॉफी हाउस सदर में बंग समाज के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में एवं सुजीत बैनर्जी को-ऑर्डीनेटर की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई, यह पूजा 16 अप्रैल को प्रातः 10 बजे प्रारंभ होगी, पुष्पांजली, आरती,

भोग, हवन के पश्चात भण्डारा होगा, सायंकाल 7 बजे संध्या आरती के पश्चात ईनामी कूपन के ड्रा निकाले जाएंगे, जिसमें 111 पुरस्कार दिया जावेगा, तत्पश्चात शीतल भोग का वितरण होगा, समिति में श्री मुक्ता रॉय, उत्तम सरकार, आबीर बैनर्जी एवं साधन दास कन्वेनर एवं त्रिदीपनाथ भट्टाचार्य, संदीप चौधरी, आलोक बोस, श्रीमति सीमा मण्डल, प्रबीर सरकार, ज्वाईट कन्वेनर बनाए गए।

मंचदीप ने किया वरिष्ठ कवि मोहन शशि का सम्मान

जबलपुर। साहित्य, संस्कृति कला एवं खेल जगत की अग्रणी संस्था मंचदीप द्वारा नगर के वरिष्ठ कवि मोहन शशि के 88वें जन्मदिवस पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कवि शशि के निवास पर आयोजित समारोह में शहर के वरिष्ठ साहित्यकार, कलाकार, रचनाकारों के साथ ही दो दर्जन से अधिक संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए। समारोह में मंचदीप के संस्थापक मथुरा जैन उत्साही, संयोजक मनीष तिवारी, यतीश अग्रवाल, रमाकांत गौतम, प्रशांत जैन ने मोहन शशि को शाल, श्रीफल, नगद राशि, रामलला की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर हास्य कलाकार केके नाइकर, साहित्यकार डॉ. कौशल दुबे, जगदीश पटेल, संध्या जैन श्रुति, डॉ. सुधा गुप्ता अमृता, विजय नेमा अनुज, डॉ. गीता गीत, अंकिता चक्रवर्ती, डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, बलराम वर्मा, अभिमन्यु जैन, सुरेश विचित्र, निरंजन द्विवेदी, डॉ. विजय तिवारी किसलय, संतोष नेमा, मृगेन्द्र नारायण सिंह, इंजी. विनोद नयन, दीपक तिवारी, गुप्तेश्वर द्वारका गुप्त ने अपने विचार व्यक्त किए।

दीपक नाहर भारतीय सुदर्शन समाज महासंघ के प्रदेश महामंत्री नियुक्त

जबलपुर। प्रेम सागर सुदर्शन भवन में भारतीय सुदर्शन समाज की बैठक 31 मार्च को आयोजित की गई, जिसमें भारतीय सुदर्शन समाज महासंघ रजि. नं, 1213 /SA1872 दिल्ली प्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश प्रसाद चौहटेल ने समाज के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए बताया कि भारतीय सुदर्शन समाज द्वारा प्रदेश कार्यकारिणी में जबलपुर से प्रदेश महामंत्री दीपक नाहर एवं प्रदेश सचिव भरत बिरहा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य धर्मराज छिपेलकर को नियुक्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान सुदर्शन प्रबुद्धजन प्रसादी लाल बिरहा, पप्पू गिरानीयां, चंद्रशेखर बिरहा, रामकिशन हाटे, श्याम नारायण बिरहा, मनोहर लाल भगवान, श्रीहरि प्रसाद बिरहा, दर्शन प्रसाद कुंडे, सूरज समुद्रे, कैलाश बिरहा, अजय अधिकार आदि की उपस्थिति रही।

कचहरी वाले बाबा की दरगाह में अफ्तार-ए-आम का एहतेमाम किया

जबलपुर।

हाई कोर्ट के सामने स्थित हज़रत ख्वाजा अमीनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला अलेह कचहरी वाले बाबा की दरगाह में 20वें रोजा के मौके पर विशाल अफ्तार ए आम का एहतेमाम किया गया। मुफ़्ती ए आज़म मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डॉक्टर मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी ने आयोजन की सरपरस्ती फरमाई। सांय मगरिब की अजान बुलंद होते ही एक साथ सैकड़ों रोजेदारों ने अफ्तार किया। रोजा अफ्तार में चन्गेज खान अशरफी, एसके मुद्दीन, मुईन बाबा, मुबारक कादरी, सैय्यद कादिर अली कादरी, ताहिर खान सहित जनप्रतिनिधिगण व अन्य धर्मावलंबियों ने भी शिरकत की और अमन शांति भाईचारे का पैगाम दिया। अफ्तारोपरान्त मगरिब की सामूहिक नमाज अदा की गई और भारत की खुशहाली की दुआएं मांगी गई। सज्जादानशीन बाबर खा बंदानवाजी, खादिम ए आला चन्गेज खान अशरफी ने इस मौके पर मुफ़्ती ए आज़म मध्यप्रदेश का इस्तक़बाल किया और तमाम रोजेदारों का शुक्रिया अदा किया। आगा दरगाह- मौला ए कायनात हज़रत अली की यौमे शहादत के मौके पर आज आगा चौक स्थित हज़रत आगा मोहम्मद साहब की दरगाह में विशाल अफ्तार ए आम का एहतेमाम किया गया है। दरगाह शरीफ के मुतवल्ली सैय्यद लियाकत अली, सेकेट्री रफीक खान, साबिर अली शिरकत की गुजारिश रोजेदारों से की है।

समर्थ तिवारी, भूमि विश्वकर्मा की उल्लेखनीय सफलता

जबलपुर। जिला जबलपुर बैडमिंटन संघ द्वारा विगत दिवस संभागीय बैडमिंटन प्रतियोगिता रानीताल इनडोर बैडमिंटन हॉल में आयोजित की गई, जिसमें संभाग के विभिन्न जिलों के अनेक बालक-बालिकाओं ने विभिन्न आयु वर्ग में भाग लिया। इसमें समर्थ तिवारी तीन आयु वर्ग में विजेता एवं एक में उपविजेता रहे, वहीं भूमि विश्वकर्मा भी कड़ी टक्कर देते हुए अंडर 17 एकल बालिका वर्ग में संभागीय उपविजेता रहीं।

CHANGE OF NAME & DOB

I, RAMNATH S/O LATE DURG SINGH R/O 46, SIYARPALI, DHOLPUR, SONE KA GURJA, RAJASTHAN 328021 I have change of name and date of birth from name RAMNATH SINGH PARMAR and date of birth 08/09/1953 (name and date of birth as per my SON, ARMY NO 16716516H RANK NK NAME- RAMKUMAR SINGH PARMAR of unit 2 TTR HQ 1 STC, JABALPUR (MP) army service record) to name RAMNATH and date of birth 01/01/1951 (name date of birth as per my AADHAR CARD) vide affidavit dated 30/03/2024 (date of affidavit) formerly before public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (Name and place of Court)

CORRECT NAME-RAMNATH
CORRECT DATE OF BIRTH-01/01/1951
INCORRECT NAME-RAMNATH SINGH PARMAR
INCORRECT DATE OF BIRTH-08/09/1953

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO. 14441289Y RANK HAV NAME SUSHEEL KUMAR S/O SHRI KRISHN UNIT 1 MP ARTY RAGT NCC, JABALPUR (MP) R/O NEW SURYA VIHAR COLONY, PINTO PARK, GWALIOR (MP)-474001 I have change name of my SON from HARIOM SINGH (name as per my army service record) to HARIOM (name as per my SON AADHAR CARD AND EDUCATION CERTIFICATE) vide affidavit dated 30/03/2024 (date of affidavit) formerly before public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (Name and place of Court)

CORRECT NAME
HARIOM
INCORRECT NAME
HARIOM SINGH

वैज्ञानिकों ने खोजा नदी डॉल्फिन का 1.6 करोड़ साल पुराना जीवाश्म

लीमा। वैज्ञानिकों ने पेरू में एक विशाल डॉल्फिन की खोपड़ी का जीवाश्म खोजा है। माना जाता है कि यह प्रजाति 1.6 करोड़ साल पुरानी है। पेरू की अमेजोनियन नदियों में इसने शरण ली थी। इस विलुप्त प्रजाति की लंबाई 3.5 मीटर तक होती, जिससे यह अब तक पाई गई सबसे बड़ी नदी डॉल्फिन बन जाती है। वैज्ञानिकों ने कहा कि यह जीवाश्म अपने आकार और नदी डॉल्फिन दोनों के लिए उल्लेखनीय है क्योंकि इसका उस नदी डॉल्फिन से कोई संबंध नहीं है जो आज स्थानीय इलाके में रहती हैं। साइंस एडवांसेज में इससे जुड़ा एक शोध प्रकाशित हुआ है। शोध के मुख्य लेखक के मुताबिक इस नई प्रजाति का नाम पेबनिस्टा याकुरुना है।

पेरू में मिली एक विशाल डॉल्फिन की खोपड़ी

प्लैटैनिस्टोइडिया परिवार से संबंध

यह दुनिया भर में नदी डॉल्फिन के लिए बढ़ते खतरों को दिखाती है। इस शोध में कहा गया है कि डॉल्फिन के अगले 20 से 40 वर्षों में इसी तरह विलुप्त होने का खतरा है। लीड लेखक एल्डो बेनिट्स-पालोमिनो ने कहा कि यह डॉल्फिन के प्लैटैनिस्टोइडिया परिवार से संबंधित है। यह 2.4 करोड़ से 1.6 करोड़ साल पहले महासागरों में पाई जाती थीं।

यह प्रजाति 1.6 करोड़ साल पुरानी

घूमते हुए मिला डॉल्फिन का जीवाश्म

एल्डो बेनिट्स-पालोमिनो ने कहा कि अपने एक सहकर्मी के साथ चलते हुए उन्हें जीवाश्म के जबड़े का हिस्सा देखा। उन्होंने कहा, 'मैंने दांतों को जैसे ही देखा तो मैं समझ गया कि यह एक डॉल्फिन है। हमें इस पर विश्वास नहीं हुआ।' उन्होंने कहा, 'हमें बाद में पता चला कि अमेजन नदी की गुलाबी डॉल्फिन से इसका कोई संबंध नहीं।

भोजन की तलाश में छोड़ा महासागर

शोधकर्ताओं ने कहा, 'माना जाता है कि ऐसी मछलियों ने नए भोजन की तलाश में महासागर छोड़ दिया था। इस प्रजाति की डॉल्फिन ने पेरू की अमेजोनियन नदियों में इसने शरण ली थी। वैज्ञानिकों ने माना कि नदियां एक सुरक्षित पनाह देती हैं।' इस डॉल्फिन का जीवाश्म 2018 में खोजा गया है।

गंगा की डॉल्फिन से है संबंध

शोधकर्ताओं के मुताबिक हमें एक ऐसा जानवर मिला जिसका सबसे करीबी रिश्तेदार 16900 किमी दूर दक्षिण-पूर्वी एशिया में है। बेनिट्स-पालोमिनो ने कहा इसकी सबसे करीबी रिश्तेदार गंगा और सिंधु नदियों में तैरती हैं। हालांकि आज के समय यह विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी हैं।

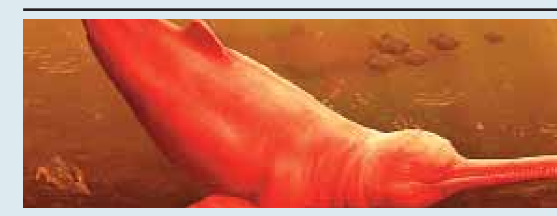

ऐसी अजीबोगरीब पहाड़ी, जहां बने हैं 900 से भी ज्यादा रहस्यमयी मंदिर

भारत दुनिया का इकलौता ऐसा देश है, जो अपनी अनोखी विविधताओं से हर किसी को हैरान कर देता है। कहीं किसी इमारत के बनने की अजब-गजब कहानी सुनाई दे जाती है, तो कोई जगह अपने इतिहास को लेकर दुविधा में डाल देती है। क्या आप जानते थे भारत में एक ऐसी पहाड़ी भी है, जिस पर एक-दो नहीं बल्कि 900 मंदिर बने हुए हैं। ये सभी मंदिर भव्य तो हैं ही साथ ही साथ बेहतरीन नक्काशियों से भरे हुए हैं। संगमरमर से बने 900 मंदिरों का निर्माण 11वीं सदी में किया गया था।

गुजरात का शत्रुंजय पर्वत आस्था का केंद्र

यह पर्वत गुजरात के भावनगर जिले के पालीताना इलाके में स्थित है। जितना खूबसूरत ये स्थान है, उतना ही बढ़िया यहां का नाम है। 'शत्रुंजय पर्वत' से प्रसिद्ध इस जगह का नाम यहां से गुजरने वाली शत्रुंजय नदी की वजह से रखा गया है। भावनगर से इस पर्वत की दूरी करीबन 50 किमी है। आज के समय में ये पर्वत हजारों-लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का एक बड़ा केंद्र बन चुका है। बता दें, हर साल यहां काफी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

मंदिरों तक पहुंचने चढ़नी पड़ती हैं 3000 सीढ़ियां

माना जाता है कि इस पर्वत पर जैन तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव ने ध्यान किया था। साथ ही अपना पहला उपदेश भी उन्होंने इसी जगह पर दिया था। हजारों रोचक बातों के बीच दिलचस्प चीज यहां के 900 मंदिर हैं, जो पर्वत पर बने हुए हैं। यहां तक पहुंचने के लिए करीबन 3000 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। कहते हैं, जैनियों के 24 में से 23 तीर्थंकर इस पर्वत पर ध्यान लगाने आए थे।

कैसे पहुंचे पालीताना

सड़क द्वारा: पलिताना भावनगर से 51 किमी/2 घंटे की दूरी पर स्थित है। राजकोट से 4 घंटे, अहमदाबाद (5 घंटे) और वडोदरा (6 घंटे) से दूर है।
ट्रेन से: पलिताना भावनगर रेलवे स्टेशन से 51 किमी/2 घंटे की दूरी पर स्थित है। यहां से आप फिर पर्वत के लिए टैक्सी ले सकते हैं।
हवाईजहाज से: पलिताना भावनगर हवाई अड्डे से 51 किमी/2 घंटे की दूरी पर स्थित है। यहां से भी आपको मंदिर के लिए टैक्सी मिल जाएगी।

सुबह सोने की तरह चमक उठते हैं मंदिर

संगमरमर से बने 900 मंदिरों का निर्माण 11वीं सदी में किया गया था। जानकारी के अनुसार, मंदिरों की नक्काशियां इतनी खूबसूरत हैं कि देखने वाला मोहित हो उठता है। वहीं, सुबह का नजारा तो और भी ज्यादा हसीन है। जब सूर्य की किरणें यहां पड़ती हैं, तब मंदिर सोने की तरह चमक उठते हैं। वहीं रात में चंद्रमा की रोशनी इन्हें मोतियों की तरह दिखा देती हैं।

मुस्लिम धर्म के लोगों के लिए भी है ये जगह खास

इसकी मान्यता इतनी है, लोग कार्तिक पूर्णिमा के दिन पर्वत पर हजारों की संख्या में इकट्ठा होते हैं। बता दें, मंदिर परिसर में मुस्लिम संत अंगार पीर की मजार भी बनी हुई है। ऐसा कहते हैं, इन्होंने मुगलों से शत्रुंजय पहाड़ी की रक्षा की थी। इसलिए संत अंगार पीर को मानने वाले मुस्लिम भी इस पर्वत पर आते हैं और मजार पर मत्था टेककर जाते हैं।

दुनिया का सबसे महंगा फल कीमत जानकर उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली। गर्मियों में फलों का सेवन करना बहुत फायदेमंद माना जाता है लेकिन आज हम आपको ऐसे फल के बारे में बताने वाले है जिसकी कीमत सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। फल की कीमत इतनी उंची है कि आप उसकी जगह एक बड़ी गाड़ी खरीद सकते हैं। हाँ, हम बात कर रहे हैं दुनिया के सबसे महंगे फल युबारी खरबूजे की। दरअसल युबारी खरबूजे के सेवन से भी कई फायदे होते हैं।

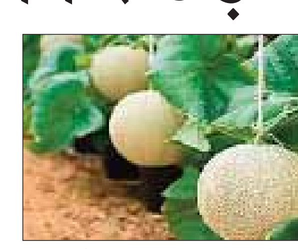

इसका सेवन वजन कम करने में मदद कर सकता है और इसमें विटामिन सी, बीटा-कैरोटीन, और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं।

जापान में पैदा होता है युबारी खरबूजा

दरअसल युबारी खरबूजा जापान के होक्काइडो द्वीप पर पैदा होता है और इसकी खासियत यह है कि यह सामान्य खरबूजों से बहुत मीठा होता है। इसका नाम युबारी में एक ग्रीनहाउस के नाम पर रखा गया था। हालांकि भारत में इसकी पैदावार अभी नहीं होती है लेकिन यह एक ऐसा फल है जिसकी कीमत सुनकर अब ज्यादातर लोग इसके बारे में जानना चाहते हैं।

दो खरबूजों की कीमत 18 से 20 लाख रुपए

जानकारी के अनुसार इस खास फल की कीमत भी बेहद उच्च होती है। साल 2008 में दो युबारी खरबूजे 30,000 डॉलर के बेचे गए थे। लेकिन वर्तमान में इसकी कीमत लगभग 18 से 20 लाख रुपए है। इससे यह दुनिया का सबसे महंगा फल बन जाता है। दरअसल युबारी खरबूजे के सेवन से भी कई फायदे होते हैं। इसका सेवन वजन कम करने में मदद कर सकता है और इसमें विटामिन सी, बीटा-कैरोटीन, और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं।

दुनिया के सबसे पुराने उपन्यास में लिखी है जापानी राजकुमार जेनजी की कहानी

नई दिल्ली। कई लोगों को बुक्स पढ़ने या उपन्यास पढ़ने का शौक होता है। वहीं कुछ उपन्यास उन्हें बहुत पसंद आते है। दरअसल कई लोग उपन्यास के बारे में कई बहुत सी बातें जानना चाहते है। आज हम आपको जानकारी दे रहे हैं कि दुनिया का पहला उपन्यास कौन सा था और इसे किसने लिखा था? वहीं इसके साथ इसे क्यों लिखा गया था और इसमें आखिर लिखा क्या है। हालांकि लोगों को अब अपने पसंदीदा उपन्यास पढ़ने के लिए कई तरीके उपलब्ध हो गए हैं। वे अब इसे लाइब्रेरी में जाकर पढ़ सकते हैं या अब तो इसे ऑनलाइन पर आर्डर भी कर सकते हैं।

'द टेल ऑफ़ जेनजी' सबसे पुराना उपन्यास

दरअसल आपको बता दें कि दुनिया का सबसे पुराना व पहला उपन्यास, 'द टेल ऑफ़ जेनजी' उपन्यास है। 'द टेल ऑफ़ जेनजी' को अंग्रेजी में द टेल ऑफ़ जेनगी कहा जाता है। यह दुनिया का पहला उपन्यास भी माना जाता है। जानकारी के अनुसार इसे जापान के एक महिला लेखिका मुरासाकी शिकिबू द्वारा लिखा गया था जो सन 1000 और 1012 के बीच में लिखा गया था।

बेचना

मकान बेचना है - मैं श्रीमती पुष्पा गुप्ता साई भवन वार्ड नंबर 9 बिहारी कालोनी तहसील के पीछे अनूपपुर स्थित अपने स्वामित्व के कुआं सहित 27 गुणा 80 फुट यानि 2160 स्क्वायर फुट मे बने एक मंजिला मकान को शीघ्र बेचना है। इच्छुक खरीददार संपर्क करें, ब्रोकर नही। मो. 7999897256 (अनूपपुर/02/अप्रैल/24)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

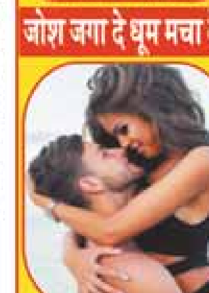

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

राशिफल

मेष — कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन — अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी, संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह — पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला — आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक — वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे, वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु — रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन — रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

टायर में हवा भरते समय रिंग सिर में लगी, युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नजीराबाद इलाके में ट्रैक्टर-ट्रॉली में हवा भरते समय रिंग उछलकर युवक के सिर और चेहरे में लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, गौरीशंकर गौर (32) ग्राम बाक्सी में रहते थे। वह खेती किसानी के साथ ही बाक्सी वेयर हाउस के पास पंचर की दुकान चलाते हैं। टीआई हरिशंकर वर्मा ने बताया कि शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे गौरीशंकर एक ट्रैक्टर-ट्राली के पहिये में हवा भर रहे थे।

हवा का प्रेशर बढ़ने पर रिम और टायर के बीच लगी लोहे की रिंग उछलकर बाहर निकली और गौरीशंकर के सिर और चेहरे पर लगी। गंभीर रूप से घायल गौरीशंकर को इलाज के लिए तुरंत ही बैरसिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। मामले की जांच की जा रही है।

भोपाल-लखनऊ उड़ान हुई शुरू, पहले दिन आए 65 तो 72 गए लखनऊ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

इंडिगो एयरवेज़ ने रविवार से भोपाल से लखनऊ उड़ान शुरू की है। पहले ही दिन ने ही उसे अच्छा हर रिस्पांस मिला और और क़रीब 65 यात्री लखनऊ से भोपाल आए और 72 यात्री भोपाल से लखनऊ रवाना हुए। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि यह उड़ान शाम को पौने 5 बजे भोपाल आएगी और फिर लखनऊ के लिए उड़ान भरेगी। इसके अलावा यह उड़ान सप्ताह में चार दिन रविवार सोमवार बुधवार शुक्रवार को चलेगी। अपेक्षाकृत ट्रैफ़िक मिलने पर फिर सातों दिन नियमित किया जा सकता है।

शब्द पहेली - 5469

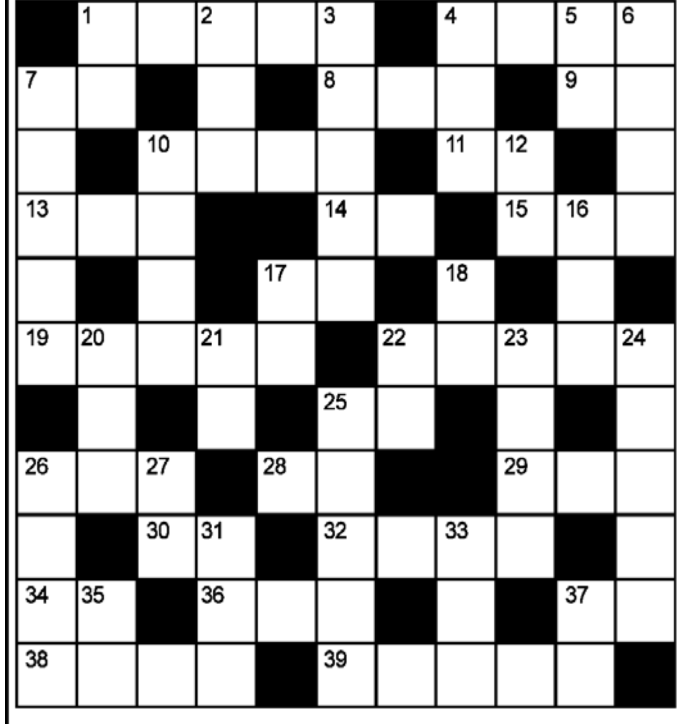

बाएँ से दाए
1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल, समय, पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु, मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र, बेटा-3
14. क्षार, खारा-2
15. दर, मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा, भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी, सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन, परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त, निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे
1. झगड़ा, बैर, द्वेष-2
2. सद्पुरुष, अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा, धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय, खौफ-2
20. वेग, गति-3
21. मुंह, चेहरा-2
22. पैर, ओहदा-2
23. वर्धनशील, बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी, कंद-5
25. सभागार, सभाकक्ष-5
26. भयंकर, खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर, डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय, प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली- 5468 का हल

सूडोकु नवताल- 5480

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5479 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

सहेली

कुछ लोग अपने रिश्ते को बहुत ज्यादा तरजीह देते हैं। रिश्ते जरा से कमजोर हुए नहीं कि ऐसे लोग बहुत विचलित हो जाते हैं। कभी-कभी तो इनके मन में रिश्तों को लेकर असुरक्षा की भावना गहरे तक बैठ जाती है। ये अपनों के प्रति हमेशा सशंकित रहते हैं कि हम इन्हें खो ना दें। लोगों के मन में इस तरह रिश्तों को लेकर असुरक्षा की भावना क्यों आती है? अपने रिश्ते कैसे हमेशा सहेजे रखें? बहुत जरूरी सलाह।

कवर स्टोरी

विचित्रा दर्गन आनंद
रिलेशनशिप एक्सपर्ट

रिश्तों में क्यों आती है असुरक्षा की भावना

यह अजीब-सा विरोधाभास है कि व्यक्ति जिससे सबसे अधिक जुड़ाव महसूस करता है, उसके मन में उसी के लिए सबसे ज्यादा संशय और सवाल भी उठते हैं। यहां असली समस्या रिश्तों की नहीं, मन की उलझनों से जुड़ी होती है, जिन्हें सही वक्त पर सुलझाना बहुत जरूरी है, अन्यथा इनकी वजह से स्ट्रेस और एंग्जायटी जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याएं पैदा हो जाती हैं। कोई व्यक्ति अपने रिश्तों में स्वयं को क्यों असुरक्षित महसूस करता है, ऐसी जटिल मनोदशा से बाहर निकलने के लिए क्या करना चाहिए, हम सभी को इसे जरूर जानना-समझना चाहिए। इस समस्या से कोई भी हमारा अपना या हम स्वयं भी घिर सकते हैं। देखा जाता है, महिलाएं इस तरह की समस्या से ज्यादा घिरती हैं, क्योंकि वे अधिक भावुक होती हैं, समाज में भी पुरुषों की तुलना में उनके अनुकूल परिस्थितियां कम होती हैं।

दांपत्य जीवन की उलझनें

आमतौर पर ऐसा देखा जाता है कि बाहरी रंग-रूप और शैक्षणिक योग्यता आदि को लेकर अगर कोई व्यक्ति अपने जीवनसाथी की तुलना में खुद को कमतर महसूस करता है तो उसके मन में हमेशा इस बात की चिंता सताती रहती है कि कहीं मेरा पार्टनर मुझे नापसंद तो नहीं करता? ऐसे में पति या पत्नी दोनों में से किसी एक के मन में यह डर बना रहता है कि कहीं मेरा जीवनसाथी मुझे छोड़ तो नहीं देगा?

क्या करें : आप दोनों में से जिसके मन में रिजेक्शन का भय हो, उसे अपने साथी से खुलकर बात करनी चाहिए। दोनों की यह जिम्मेदारी बनती है कि आप अपने पार्टनर के मन में छिपे डर को दूर करने की कोशिश करें, उसकी कमजोरियों को नजरअंदाज करते हुए अच्छी आदतों की प्रशंसा करें और अपनी पॉजिटिव बातों से अपने जीवनसाथी का मनोबल बढ़ाएं।

पैरेंटिंग से जुड़ी असुरक्षा

अधिकतर पैरेंट्स अपने टीनएजर बच्चों के व्यक्तित्व और व्यवहार के प्रति सशंकित रहते हैं। उन्हें हमेशा इस बात की चिंता सताती है कि पीयर प्रेशर के कारण कहीं हमारे बच्चे गलत आदतों के शिकार ना हो जाएं, फिर कुछ समय के बाद बच्चे जब करियर में सैटल हो जाते हैं, तो पैरेंट्स को यह चिंता सताती है कि हमारे बच्चे अगर जॉब की वजह से दूसरे शहरों में चले जाएंगे, तो बुढ़ापे में हमारी देखभाल कौन करेगा? युवा हो रही संतान के पैरेंट्स के मन में स्वाभाविक रूप से ऐसी बातें आती हैं।

क्या करें : ऐसी समस्या से बचने के लिए आप छोटी उम्र से ही अपने बच्चों के साथ नियमित रूप से बातचीत की आदत विकसित करें, उनके लिए अनुशासन के स्पष्ट नियम बनाएं, उनके साथ आपसी विश्वास और प्यार का रिश्ता कायम करें, ताकि वे आपसे अपनी समस्याओं पर खुलकर बातचीत कर सकें। आपके बच्चे आपको इनसिक्योर नहीं फील होने देंगे।

प्रोफेशनल संबंधों से जुड़ी परेशानियां

कॉन्फिडेंस की कमी के कारण प्रोफेशनल जीवन में कई बार लोगों को रिजेक्शन की प्रॉब्लम झेलनी पड़ती है। इससे उनके मन में हीन भावना पनपने लगती है और ऑफिस में वे दूसरों की तुलना में स्वयं को इनसिक्योर महसूस करते हैं।

क्या करें : ऐसी स्थिति में अपनी कमजोरियों के बारे में सोचकर चिंतित होने के बजाय सचेत तरीके से उन्हें दूर करने की कोशिश करें और सकारात्मक सोच रखने वाले लोगों से निकटता बढ़ाएं।

दोस्ती में बढ़ती दूरियां

कुछ लोग अपने दोस्तों पर भावनात्मक रूप से बहुत ज्यादा निर्भर होते हैं, वे अपने हर निर्णय उनसे पूछ कर लेते हैं, ऐसे में जब दोस्त उनके साथ नहीं होता तो उन्हें बहुत घबराहट होती है। कई बार दोस्त की नाराजगी के डर से वे उसकी हर बात मान लेते हैं और उससे भी ऐसी ही उम्मीद रखते हैं। ऐसे में जब कभी व्यस्तता की वजह से दोस्त उनके लिए समय नहीं निकाल पाते तो ऐसे लोग यह सोचकर चिंतित हो जाते हैं कि अब हमारी दोस्ती खतरे में पड़ गई है।

क्या करें : दोस्तों के प्रति ज्यादा पजेसिव होने की आदत से बचें, उन्हें थोड़ा पर्सनल स्पेस दें, खुद भी नए लोगों की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाएं, खुश रहें और खुशियां बांटें। a

प्रस्तुति : विनीता

शहद या हनी ऐसा नेचुरल प्रोडक्ट है, जो स्किन केयर में बहुत यूजफुल होता है। हर तरह की स्किन के लिए परफेक्ट हनी को अगर सही तरीके से अप्लाई किया जाए तो कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स को दूर किया जा सकता है। साथ ही इससे स्किन सॉफ्ट और ग्लोइंग भी बनती है। आपके लिए कुछ यूजफुल टिप्स।

ग्लोइंग स्किन के लिए रेग्युलर यूज करें हनी

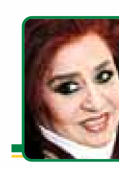

स्किन केयर

शहनाज हुसैन
कॉस्मेटोलॉजिस्ट

शहद हेल्थ के लिए ही नहीं ब्यूटी के लिए भी फायदेमंद होता है। आपका स्किन टाइप कैसा भी हो, शहद की मालिश से उसमें सॉफ्टनेस आती है और इसकी ड्रायनेस कम होती है। शहद का इस्तेमाल मास्क से लेकर नेचुरल मॉयश्चराइजर के रूप में किया जा सकता है। इससे स्किन हाइड्रेट होती है और अट्रैक्टिव दिखती है।

ऐसे करें अप्लाई

- स्किन पर निखार लाने के लिए दो चम्मच शहद में चुटकी भर हल्दी पावडर मिलाकर बने फेस पैक को 20 मिनट चेहरे पर लगाने के बाद ताजे पानी से धो डालिए। इससे चेहरे की रंगत में निखार आएगा। इसे आप हफ्ते में दो बार लगा सकती हैं।
- कांच के बाउल में समान मात्रा में शहद और नीबू रस मिलाकर इसमें चुटकी भर हल्दी पावडर मिलाकर इस तरह मिश्रण बनाएं कि स्मूथ पेस्ट बन जाए। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाकर आधे घंटे बाद ताजे पानी से धो डालिए। इसे आप रोज रात में सोने से पहले अप्लाई कर सकती हैं। इससे स्किन सॉफ्ट और बेहद अट्रैक्टिव बनती है।
- अगर आप चेहरे पर दाग-धब्बों से परेशान हैं तो शहद काफी मददगार साबित हो सकता है। इसके लिए एलोवेरा जैल, हल्दी पावडर और शहद को मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाकर इसे प्राकृतिक रूप में सूखने दें और बाद में ताजे, सामान्य पानी से धो डालें।
- एक चुटकी घर में पीसी हुई हल्दी, एक चम्मच शहद और उसमें दो चम्मच कच्चे दूध को मिलाकर चेहरे पर लगा लीजिए और 10 मिनट बाद ताजे पानी से धो डालिए। आप दूध में केसर भी मिला सकती हैं। ध्यान रखें कि हल्दी घर की पीसी ही हो। इसके नियमित सेवन से फेस पर ग्लो आएगा और स्किन सॉफ्ट हो जाएगी।
- फेस के साथ बॉडी के अन्य स्किन पर ग्लो लाने के लिए दो-तीन चम्मच कच्चा दूध और इतनी ही मात्रा में शहद लेकर इसका मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे, गर्दन के साथ शरीर के खुले भागों पर लगाएं और अपनी अंगुलियों से सर्कुलर मोशन में मालिश करें। आधे घंटे बाद पानी से धो डालें। आप इसे दिन में दो बार अप्लाई कर सकती हैं।
- अगर आपकी स्किन ड्राय है तो एक चम्मच ताजे दही में आधा चम्मच कच्चा शहद मिलाकर बने मिश्रण को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाकर 10-15 मिनट तक मालिश करें। इसे थोड़ी देर बाद पानी से धो डालें। a

एडवाइस / **शिखर चंद जैन**

ऐसे रहेंगी आप हमेशा पॉजिटिव

अकसर मोटिवेशनल स्पीकर, साइकोलॉजिस्ट और बिहेवियर एक्सपर्ट हमें पॉजिटिव रहने के लिए और मन को प्रफुल्लित रखने की सलाह देते हैं। इसके लिए हम क्या करें? आइए, जानते हैं कुछ आसान से उपाय।

सुबह की शुरुआत हो एनर्जी के साथ: जब आप सुबह उठती हैं, जिस सोच के साथ अपनी दिनचर्या शुरू करती हैं, यही सोच आपके पूरे दिन को अच्छा या बुरा बनने में बड़ी भूमिका निभाती है। सुबह हमेशा एक एनर्जी के साथ और शांत मन से जागें। अपने इष्ट देवों का स्मरण करें। प्रार्थना करें। प्राणायाम करें। आज क्या करेंगी, यह तय करें। देर तक बिस्तर पर न रहें। सुबह जल्दी उठ कर अपने तन-मन को जागृत और सक्रिय करें।

लोगों के कमेंट्स को करें नजरअंदाज: लोग क्या कहेंगे, क्या सोचेंगे। अमुक व्यक्ति ने मेरे बारे में ऐसा क्यों कहा? जरा सोचिए, इन बातों से आपको क्या फर्क पड़ने वाला है? कुछ भी नहीं। इन कमेंट्स पर अगर आप ध्यान देंगी तो आपका ध्यान अपने मूल लक्ष्य से भटक जाएगा। आप लोगों से कदम-कदम पर उलझेंगी। इससे आपके भीतर नेगेटिविटी भरेगी। मन उदास रहेगा और आपकी प्रोडक्टिविटी प्रभावित होगी। बेहतर होगा कि लोगों के कमेंट्स को हवा में उड़ाना सीखें और अपने काम पर ध्यान दें।

अपनी सोच का दायरा बढ़ाएं: आप अपनी सोच को जितना व्यापक करेंगी, नई तकनीक और नई बातों के प्रति जानकारी हासिल करने की प्रवृत्ति रखेंगी, उतना ही आप बेकार और नेगेटिव बातों से दूर रहेंगी, क्योंकि तब आपको फिजूल के लोगों और उनकी बेकार की बातों पर ध्यान देने के लिए वक्त ही नहीं मिलेगा। जब आपकी सोच और ज्ञान का दायरा बढ़ेगा तो आप किसी बात को कई आयामों से सोचने लगेंगी। नतीजतन नेगेटिविटी आपके दिमाग पर हावी नहीं हो सकेगी। a

खुद पर दें ध्यान

अकसर हम दूसरों को नियंत्रित करने में या उन चीजों को बदलने में अपनी एनर्जी नष्ट करते हैं, जो हमारे बस में नहीं हैं, इससे हमारा मूड खराब होता है। इसी प्रकार हम दूसरों को उनकी मुसीबत के समय उन्हें तरह-तरह की सलाह और उपदेश देते हैं, लेकिन जब अपने पर बीतती है तो घबरा जाते हैं। उदासी में डूबकर हार मानकर बैठते हैं। कहा भी गया है 'परोपदेशो पांडित्यम'। अच्छा होगा कि हम अपने आस-पास के लोगों की परिस्थितियों पर सवाल उठाने के बजाय उनसे सबक लें। दूसरों को सुधारने में वक्त बर्बाद न करें बल्कि खुद को उन्नत करने के लिए तत्पर रहें।

इंटीरियर / **मधु सिंह**

मास्टर बेडरूम या घर का मेन बेडरूम अगर वास्तु के अनुसार व्यवस्थित होगा तो इसका असर उसमें सोने वाले के स्वास्थ्य और घर की समृद्धि पर पड़ता है। कैसा हो आपके बेडरूम का इंटीरियर, यूजफुल सजेशंस।

ऐसा हो आपका मास्टर बेडरूम

मास्टर बेडरूम का मतलब है परिवार के सबसे बड़े सदस्य या मुखिया का बेडरूम। किसी भी परिवार में घर के अर्निंग मेंबर के रहने और सोने का कमरा खास मायने रखता है। उसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य घर में सुख और समृद्धि लाता है। वास्तु के अनुसार घर के मास्टर बेडरूम का इंटीरियर कैसा होना चाहिए, बता रहे हैं आपको।

दिशाएं: वास्तुशास्त्र के अनुसार मास्टर बेडरूम ऐसी दिशा में होना चाहिए, जहां पर सूर्य की किरणों का सबसे ज्यादा असर रहता है ताकि वहां रहने वाले व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिए अनुकूल माहौल मिल सके। इस बेडरूम को दक्षिण पश्चिम दिशा में इस तरह बनाया जाना चाहिए कि सोते समय उसका सिर दक्षिण दिशा में और पैर उत्तर दिशा में हों, क्योंकि वैज्ञानिक रूप से उत्तर दिशा चुंबकत्व की दिशा है, ताकि यह चुंबकत्व व्यक्ति के शरीर से लगातार संबंध को साधे रहे। मास्टर बेडरूम के पलंग के सिरहाने की ओर ठोस दीवार होनी चाहिए। सिर के पीछे कोई भी खिड़की या दरवाजा नहीं होना चाहिए।

प्रकाश व्यवस्था: मास्टर बेडरूम हो या घर के किसी दूसरे सदस्य का बेडरूम, इस कमरे में हल्का प्रकाश रहना चाहिए। घर के दूसरे कमरों की तुलना में यहां कम रोशनी हो। नाइट लैंप की रोशनी के लिए हल्के नीले, दूधिया, हरे रंग का बल्ब इस्तेमाल करें। कभी भी मास्टर बेडरूम में लाल रंग का बल्ब न लगाएं, क्योंकि वास्तुशास्त्र में माना जाता है कि लाल रंग शरीर में अग्नि तत्व की वृद्धि करता है।

फर्नीचर: मास्टर बेडरूम में वास्तु के अनुकूल ही फर्नीचर का चयन करना चाहिए। कमरे में भारी भरकम फर्नीचर नहीं होना चाहिए। बेड और साइड टेबल लकड़ी के होने चाहिए। रॉट आयरन या किसी दूसरी धातु के पलंग दिखने में भले अच्छे लगते हों, लेकिन इनके सिरहाने का डिजाइन ऐसा होता है कि इसका आधार ठोस नहीं होता, जिसके कारण पलंग पर बैठने के दौरान पीठ को कोई आधार नहीं मिलता। इसलिए पलंग लकड़ी का होना चाहिए। बेडरूम में रखे दूसरे फर्नीचर के कोने शार्प नहीं होने चाहिए ताकि कमरे में इनके आस-पास से चलते-फिरते समय किसी को चोट न लग जाए।

रंगों का चयन: मास्टर बेडरूम चूंकि परिवार के मुखिया के लिए होता है, जो परिवार की सुख, समृद्धि और पूरे परिवार का आधार होता है। उसके मानसिक शांति और दिली सुकून का होना जरूरी है ताकि घर में अच्छा माहौल रहे। इस बेडरूम में गहरे लाल, गहरे हरे या काले रंगों का इस्तेमाल किसी भी चीज में नहीं करना चाहिए। कमरे में हल्के, आकर्षक रंगों का चयन करें। छत सफेद रंग की होनी चाहिए। गहरे रंग भड़कीले लगते हैं। बेडरूम की सौम्यता के लिए हल्के रंग नींद में बाधा उत्पन्न नहीं करते।

कम हो सामान: बेडरूम में काम-काज से संबंधित चीजें, कागजात, ऑफिस की फाइलें जैसी चीजें शोकेस में सजाकर नहीं रखनी चाहिए। इस कमरे में किताबों से भरी अलमारियां, शेल्फ, स्लैब्स, कमरे के माहौल को भारी बनाते हैं। सोने के दौरान बार-बार इन्हीं चीजों पर ध्यान जाने के कारण नींद भी अच्छी तरह से नहीं आती। मास्टर बेडरूम ही नहीं घर के किसी भी बेडरूम में भले ही लोग सुविधा के लिए टीवी लगाकर रखते हैं। देखा जाए तो इससे नींद में बाधा उत्पन्न होती है। इसके अलावा टेलिविजन से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैगनेटिक तरंगें भी वहां के पर्यावरण को प्रदूषित करती हैं। इसके अलावा बेडरूम में जलती अंगीठी या हीटर, वाटर बॉडीज नहीं होनी चाहिए। ज्यादा बड़ी खिड़कियां, दरवाजे या बड़े कूलर भी बेडरूम में न रखें। a

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में डीलरशिप एवं ASM या SR हेतु संपर्क करें
Mobile: 92851 63700, Email: gdc.indore@gmail.com

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
कोलकाता	2	2	0	4
चेन्नई	3	2	1	4
राजस्थान	2	2	0	4
गुजरात	3	2	1	4
हैदराबाद	3	1	2	2
लखनऊ	2	1	1	2
दिल्ली	3	1	2	2
पंजाब	3	1	2	2
बेंगलोर	3	1	2	2
मुंबई	2	0	2	0

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
181 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

मुस्तफिजुर रहमान
07 विकेट
चेन्नई

बाउंड्री मीटर

363 चौके

242 छक्के

खबर संक्षेप

ऋषभ पंत पर लगा 12 लाख का जुर्माना

विशाखापट्टनम। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। दिल्ली ने रविवार को खेले गए इस मैच में मौजूदा चैंपियन चेन्नई को 20 रन से हराया था। आईपीएल ने बयान में कहा, 'दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान धीमी ओवर गति रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है।

नागल ने करियर की सर्वोच्च एटीपी रैंकिंग 95 हासिल की

लंदन। शीर्ष भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने हाल के दिनों में प्रभावशाली प्रदर्शन के बूते सोमवार को जारी एटीपी एकल रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 95वीं रैंकिंग हासिल की। नागल की इससे पहले सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 97 थी। उन्होंने यह रैंकिंग फरवरी में एटीपी

चैलेंजर स्तर की प्रतियोगिता चेन्नई ओपन जीतने के बाद हासिल की थी। नागल ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य ड्रॉ में जगह बना कर सुर्खियां बटोरी थी। वह इस प्रतियोगिता में वरीयता प्राप्त खिलाड़ी (कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक) को हराने वाले पहले भारतीय भी बने, लेकिन दूसरे दौर में चीन के शांग जुनचेंग से हारकर बाहर हो गए थे। चेन्नई ओपन जीत के बाद उन्होंने एटीपी 500 प्रतियोगिता (दुबई चैम्पियनशिप) और एटीपी 1000 मास्टर्स (इंडियन वेल्स और मियामी) के अलावा दो अन्य चैलेंजर टूर्नामेंट भी खेले। इस दौरान हालांकि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बेंगलुरु चैलेंजर के सेमीफाइनल में पहुंचना रहा।

मैनचेस्टर सिटी-आर्सेनल का मैच ड्रॉ

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी और आर्सेनल का मैच गोल रहित ड्रा छूटने से लिवरपूल इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में खिताब की दौड़ में सबसे आगे हो गया है। लिवरपूल ने एक अन्य मैच में शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके ब्राइटन को 2–1 से हराया। इससे उसके 29 मैच में 67 अंक हो गए हैं तथा वह दूसरे नंबर पर काबिज आर्सेनल से दो अंक और तीसरे नंबर की टीम मैनचेस्टर सिटी से तीन अंक आगे है। इस प्रतियोगिता में अभी नौ दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।

मैड्रिड की बार्सिलोना पर आठ अंक की बढ़त

मैड्रिड। विनीसियस जूनियर की अनुपस्थिति में रोड्रिगो ने शानदार खेल का नजारा पेश करते हुए दो गोल किए। इससे रियल मैड्रिड ने एथलेटिक बिलबाओ को 2–0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अपने कट्टर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना पर आठ अंक की बढ़त बरकरार रखी। वीनीसियस जूनियर पीले कार्ड मिलने के कारण एक मैच का निलंबन झेल रहे थे लेकिन रोड्रिगो ने उनकी कमी नहीं खलने दी। बार्सिलोना ने एक अन्य मैच में लास पामास को 1–0 से पराजित किया। रियल मैड्रिड की यह लगातार तीसरी जीत है, जिससे उसके 30 मैच में 75 अंक हो गए हैं। बार्सिलोना 30 मैच में 67 अंक लेकर दूसरे जबकि गिरोना 30 मैच में 65 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

श्रीलंका लड़खड़ाया पर अब भी मजबूत, बांग्लादेश 178 पर ढेर

दूसरी पारी में श्रीलंका का स्कोर 102/6 455 रन की बनाई बढ़त

एजेंसी ▶▶| चटगांव

बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन सोमवार को श्रीलंका अपनी दूसरी पारी में 102 रन के अंदर छह विकेट गंवाने के बावजूद बेहद मजबूत स्थिति में है। श्रीलंका ने बांग्लादेश की पहली पारी को 178 रन पर समेट कर 353 रन की बढ़त हासिल की थी। दिन का खेल खत्म होते समय अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज 39 जबकि प्रभात जयसूर्या तीन रन बनाकर नाबाद थे। श्रीलंका की कुल बढ़त 455 रन की हो गई है और दो दिन का खेल बचा हुआ है।

बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत एक विकेट पर एक विकेट पर 55 रन से आगे से की लेकिन तेज गेंदबाज असिता फर्नांडो ने 34 रन देकर चार विकेट झटके जिससे घरेलू टीम लगातार तीसरी बार 200 रन से कम के स्कोर पर आउट हो गई। श्रीलंका के लिए विश्वा फर्नांडो, लाहिरु कुमारा और प्रभात जयसूर्या ने दो-दो विकेट लिए। बांग्लादेश के लिए जाकिर हसन ने सबसे ज्यादा 54 रन का योगदान दिया।

फर्नांडो ने 34 रन देकर झटके चार विकेट

विश्वा ने जाकिर की अर्धशतकीय पारी को खत्म कर बांग्लादेश को दिन का पहला झटका दिया जबकि जयसूर्या ने कप्तान नजमुल हुसैन शांटो को पवेलियन की राह दिखायी। विश्वा ने इसके बाद रात्रि प्रहरी ताइजुल इस्लाम की 22 रन की धैर्यपूर्ण पारी का अंत किया। असिता ने एक ही ओवर में दो अनुभवी खिलाड़ी को आउट कर बांग्लादेश की वापसी की उम्मीदों को झटका दिया। लगभग एक साल के अंतराल पर टेस्ट खेल रहे शाकिब अल हसन को उन्होंने अंदर आती गेंद पर पगबाधा किया और फिर उनकी बाहर निकलती गेंद लिटन दास (चार) के बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर कुसल मेंडिस के दस्तानों में चली गई। एक छोर से संघर्ष कर रहे मोमिनुल हक असिता का तीसरा जबकि खालिद अहमद (एक रन) चौथा शिकार बने।

हसन का चौका

विकेटों का यह पतन श्रीलंका की दूसरी पारी में भी जारी रहा। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद (51 रन पर चार विकेट) और खालिद (29 रन पर दो विकेट) के खिलाफ श्रीलंका के बल्लेबाज असहज दिखे। श्रीलंका ने पहला टेस्ट मैच 328 रन से जीता था।

खास खबर

चानू ने ओलंपिक में सुनिश्चित की जगह

फुकेट। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने सोमवार को यहां आईडब्लूएफ विश्व कप में महिलाओं के 49 किग्रा भार वर्ग के ग्रुप बी में तीसरे स्थान पर रहकर पेरिस ओलंपिक में अपनी जगह सुनिश्चित की। चोटिल होने के कारण छह महीने बाद वापसी करने वाली मीराबाई ने कुल 184 किग्रा (81 किग्रा और 103 किग्रा) भार उठाया। यह पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम और अनिवार्य क्वालीफायर टूर्नामेंट है। अपनी स्पर्धा पूरी होने के साथ ही मीराबाई ने पेरिस ओलंपिक के लिए तय मानदंड पूरे कर लिए हैं जिनमें दो अनिवार्य टूर्नामेंट और तीन अन्य क्वालीफायर में भाग लेना शामिल हैं। भारत की 2017 विश्व चैंपियन मीराबाई वर्तमान में महिलाओं की 49 किग्रा ओलंपिक क्वालिफिकेशन रैंकिंग (ओक्यूआर) में चीन की जियान हुईहुआ के बाद दूसरे स्थान पर है।

हॉकी शिविर के लिए चुनी 60 सदस्यीय टीम

बेंगलुरु। गोलकीपर सविता पूनिया और फारवर्ड वंदना कटारिया जैसी अनुभवी खिलाड़ियों सहित 60 खिलाड़ी सोमवार से यहां शुरू हुए सात दिन के मूल्यांकन शिविर में भाग ले रहे हैं। इस शिविर के बाद ट्रायल्स होंगे जिसके आधार पर राष्ट्रीय टीम के लिए 33 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। इस मूल्यांकन शिविर का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण परिसर में किया जा रहा है। भविष्य के कोचिंग शिविर और अंतरराष्ट्रीय दौरों के लिए संभावित खिलाड़ियों की संख्या 33 करने के लिए 6 और 7 अप्रैल को ट्रायल्स का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय ईस्पोर्ट्स चैंपियनशिप 18 से

नई दिल्ली। राष्ट्रीय ईस्पोर्ट्स चैंपियनशिप 18 अप्रैल से शुरू होगी। भारतीय ईस्पोर्ट्स महासंघ ने सोमवार को यहां इसकी घोषणा की। एनईएससी भारत के खिलाड़ियों को डीओटीए 2 (ओपन), ई फुटबॉल (ओपन) और काउंटर-स्ट्राइक 2 में ओपन और महिला श्रेणियों में अपना कौशल प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। ऑनलाइन क्वालीफायर 18 अप्रैल से शुरू होंगे जो डबल-एलिमिनेशन प्रारूप में खेले जाएंगे।

17 अप्रैल को रॉयल्स-केकेआर के मैच का बदल सकता है कार्यक्रम

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स के 17 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ घरेलू आईपीएल मैच के कार्यक्रम में बदलाव लगभग तय है। स्थानीय पुलिस ने उस दिन रामनवमी समारोह के कारण पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने में असमर्थता जताई है। बंगाल क्रिकेट संघ ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड को यह जानकारी दी है।

सात चरण के आम चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को बंगाल में भी मतदान होना है। कोलकाता में मतदान एक जून को होगा। कोलकाता पुलिस ने कैब अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली को लिखे पत्र में कहा, 'मैच रामनवमी के दिन पड़ रहा है और चुनाव के लिए भी सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। इसलिए 17 अप्रैल को मैच के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करना हमारे लिए संभव नहीं होगा।' कैब ने सुझाव दिया है कि मैच को या तो एक दिन पहले कर दिया जाए या 24 घंटे आगे बढ़ाकर 18 अप्रैल को किया जाए।

नामधारी ने आइजोल को बराबरी पर रोका

श्री भैनी साहिब। नामधारी एफसी ने आखिरी मिनटों में गोल कर सोमवार को यहां आई-लीग फुटबॉल मैच में आइजोल एफसी को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। सभी भारतीय खिलाड़ियों के साथ मैदान पर उतरी आइजोल ने 40वें मिनट में 21 वर्षीय आर रामदीनथारा के सत्र के तीसरे लीग गोल की बदौलत बढ़त बना ली। टीम लंबे समय तक यह बढ़त बनाए रखने में सफल रही लेकिन स्पेन के स्ट्राइकर इवान गैरिडो ने मैच के 85वें मिनट में गोल कर नामधारी एफसी की वापसी करायी। गैरिडो ने लगातार दूसरे मैच में टीम के लिए गोल किया।

अभी तक प्रदर्शन में निरंतरता रखने में नाकाम रही रॉयल चैलेंजर्स

लखनऊ के खिलाफ आरसीबी का मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

अभी तक अपने प्रदर्शन में निरंतरता रखने में नाकाम रही है रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की टीम। लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में बेहतर खेल दिखाकर अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेगी। आरसीबी की टीम अभी तीन मैच में दो अंक लेकर अंक तालिका में आठवें स्थान पर है।

पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों करारी हार के कारण उसका नेट रन रेट भी गड़बड़ा गया है। फाफ डु प्लेसी की अगुवाई वाली आरसीबी की टीम को कम करके नहीं आंका जा सकता है लेकिन उसके खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। उसके पास कई स्टार बल्लेबाज हैं लेकिन विराट कोहली को छोड़कर कोई भी अन्य नहीं चल पा रहा है। आरसीबी को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो कोहली के अलावा डु प्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल, रजत पाटीदार और कैमरन ग्रीन को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। शीर्ष और मध्यक्रम के इन बल्लेबाजों की असफलता के कारण आरसीबी को अभी तक निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों दिनेश कार्तिक, अनुज रावत और महिपाल लोमरोर पर निर्भर रहना पड़ा है। पाटीदार की खराब फॉर्म जारी है और आरसीबी उनको विश्राम देकर सुयस प्रभुदेसाई जैसे खिलाड़ियों को मौका दे सकता है।

राहुल की फिटनेस पर नजर

लखनऊ की अपने कप्तान केएल राहुल की फिटनेस को लेकर चिंता बनी हुई है जिनका उपयोग अभी वह इंपैक्ट सब्सीट्यूट के रूप में कर रहा है। उनकी अनुपस्थिति में निकोलस पूरन कप्तानी का जिम्मा संभाल रहे हैं। यह देखना होगा कि लखनऊ राहुल का उपयोग इंपैक्ट खिलाड़ी के रूप में ही करता है या फिर वह कप्तान, विकेटकीपर और बल्लेबाज की तीनों भूमिकाओं में वापसी करेंगे। यह लखनऊ ही नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए भी अच्छी खबर है कि तेज गेंदबाज मयंक यादव 150 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे हैं। वह चिन्नास्वामी स्टेडियम में भी अपनी रफ्तार का जादू दिखाने के लिए तैयार होंगे।

ऋण वसूली अधिकरण
भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवायें विभाग, (बैंकिंग प्रभार)
797– द्वितीय तल शांति कुन्ज, जबलपुर (म.प्र.)– 482001

ई-नीलामी सूचना **ई-नीलामी क्रमांक- 85/2024**

Case No.: RC 344/2019 in O.A. No.680/2018

CANARA BANK वि. Smt. RENU TIWARI एवं अन्य में पारित वसूली प्रमाण पत्र क्रमांक **RC No.** Case No.: RC 344/2019 in O.A. No.680/2018 में जारी राशि की वसूली हेतु प्रमाण पत्र **Rs. 34,34,815/- (Rupees Thirty Four Lakhs Thirty Four Thousand and Eight Hundred and Fifteen only)** तथा उस पर 11 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से दिनांक **24.03.2018** से ब्याज एवं वसूली हेतु निम्नलिखित संपत्ति ऑनलाईन ई–नीलामी प्रक्रिया के तहत वेबसाईट https://www.bankeauctions.com के माध्यम से की जायेगी।

ई– नीलामी की तिथि एवं समयः 19–04–2024 दोपहर– 12.00 से 01.00

सम्पत्ति की अनुसूची–

AMW Truck Bearing No.- MP20/HB/5119,
Chassis No. - MBYBA0184FCA35980
Engine No. 51A84208649.

प्रारक्षित मूल्य– रूपये : Upset Price : Rs.4,80,000.00 (Rupees Four Lakh Eighty Thousand only)

1. इच्छुक निविदाकर्ता वैध डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र धारक होना चाहिए अधिक विवरण हेतु **https: //www.bankeauctions.com; Helpline No. 0124- 4302020/21/22/23/24**, for help a bidder in e-auction contact to **Mr. Mithalesh Kumar on Mob. No. 7080804466, E-mail id: mpcg@c1india.com or E-Mail id : support@bankeauctions.com** 2. इच्छुक निविदाकर्ता को सूचित किया जाता है कि निविदा जमा करने के पूर्व वेब साईट **https://www.bankeauctions.com** पे उपलब्ध नीलामी बिड प्रपत्र तथा विस्तृत नियमों व शर्तों का अवलोकन कर ले। 3. बिड केवल ऑनलाईन माध्यम से निर्धारित प्रपत्र पर पहचान पत्र की प्रति साथ संलग्न कर जमा करनी होगी (विस्तृत नियम व शर्तों का संदर्भ लें) 4. अग्रिम जमा धरोहर राशि (ईएमडी)हेतु प्रारक्षित मूल्य की 10 प्रतिशत राशि जो रूपये * **Rs 48,000.00 (Rupees Forty Eight Thousand only)** है RTGS/NEFT/Money Transfer द्वारा वसूली अधिकारी, ई–नीलामी खाता, ऋण वसूली अधिकरण जबलपुर के नाम से धारित Account No. **31067074055** in the name of Recovery Officer, E-auction DRT, Jabalpur with **STATE BANK OF INDIA, RIDGE ROAD BRANCH, JABALPUR. (IFSC Code: SBIN0007208)** में आवश्यक रूप से जमा करनी होगी तथा उक्त राशि का प्रेषण बिड प्रपत्र में सुस्पष्ट रूप से उल्लेखित करना होगा । 5. निविदा ऑनलाईन माध्यम से दिनांक 17.04.2024 अथवा इसके पूर्व 17-00 बजे तक जमा करनी होगी. 6. ऑनलाईन माध्यम से जमा बिड प्रपत्र तथा अनुलग्न कों की प्रति वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, 797- द्वितीय तल शांतिकुन्ज जबलपुर को प्रेषित करनी होगी तथा शीघ्र अति शीघ्र भेजने के लिए सर्विस प्रोवाइडर को सूचित किया जाता है और वह, सभी नीलामी के खरीददारों की सूची एवं अन्य दस्तावेज उपलब्ध करावें . 7. ऑनलाईन नीलामी बोली प्राप्त बिड में से अधिकतम बोली से प्रारंभ होगी तथा प्रत्येक बिड वृद्धि राशि न्यूनतम **For Rs. 5000/- (Rupees Five Thousand only)** होगीं ऑनलाईन बिड में समय समाप्त के पूर्व बिड डालने पर सिस्टम द्वारा अपने आप 5 मिनिट का समय बढ़ता रहेगा । 8. असफल बोली कर्ताओं की अग्रिम धरोहर राशि (ईएमडी) वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, जबलपुर द्वारा उसी खाते में वापिस की जायेगी, जिससे कि उस का भुगतान हुआ है तथा इस संबंध में कोई भी पूछताछ स्वीकार्य नहीं होगीं इच्छुक निविदा कर्ता द्वारा अग्रिम धरोहर राशि (ईएमडी) जमा किये जाने के पश्चात वे जब तक असफल बोली कर्ता घोषित नहीं किये जाते तब तक ईएमडी राशि वापस नहीं ले सकते अन्यथा राशि जप्त कर ली जायेगीं । 9. सफल बोली कर्ता को विक्रय उसके पक्ष में घोषित किये जाने की स्थिति में, 25 प्रतिशत बोली राशि (ईएमडी राशि को समायोजित करते हुए) अगले दिन RTGS/NEFT/Money Transfer के द्वारा कंडिका- 4 में उल्लेखित खाते में जमा करनी है होगी । 10. सफल बोली कर्ता को विक्रय मूल्य की शेष 75 प्रतिशत राशि, एवं विक्रय मूल्य का 1 प्रतिशत पोन्डेज शुल्क तथा रू. 10 (प्रति संपत्ति अलग अलग) सहित नीलामी के 15 दिनों के अन्दर या यदि 15 वा दिन रविवार अथवा अन्य अवकाश हो तो, 15 वें दिन पश्चात प्रथम कार्यालयीन दिवस को उपरोक्त उल्लेखित कमांक 4 में दर्शित खाते में समयावधि में भुगतान करना होगा भुगतान में चूक करने पर संपत्ति की नई विक्रय उद्घोषणाजारी करने के पश्चात पुनः विक्रय की जायेगीं अधो हस्ताक्षर कर्ता द्वारा उक्त राशि शासन के पक्ष में जप्त करली जायेगी तथा तत्पश्चात विक्रय होने वाली संपत्ति अथवा राशि के किसी अंश पर चूककर्ता बोली कर्ता के समस्त दावे समपहृत होंगें । 11. संपत्ति ''जहां है जैसी है जहां है जैसी है तथा बिना किसी शिकायत'' के आधार पर विक्रय की जायेगीं । 12. संपत्ति का निरीक्षण दिनांक 15-04-2024 प्रातः 12 बजे से 16 बजे तक किया जा सकेगा । 13. संपत्ति प्रारक्षित मूल्य से कम मूल्य पर विक्रय नहीं की जायेगी वसूली अधिकारी को किसी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का या बिना कोई कारण बताये नीलामी को आगे बढ़ाने या स्थगित करने का निर्बाध अधिकार होगा । 15. इच्छुक निविदाकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि वे **Shri Mohit Tiwari, Senior Manager, Mob. No. 9424657537** में उपलब्ध संपत्ति के स्वत्वाधिकार विलेख का निरीक्षण कर लें तथा संपत्ति की पहचान एवं विवरणी सही होने तथा प्रभारों आदि की पड़ताल कर लें इस संबंध में वसूली अधिकारी किसी तरहं से जिम्मेदार नहीं होगा। संपत्ति का विवरण बैंक द्वारा प्रदत्त दस्तावेज पर आधारित है। 16. ई-नीलामी के संबंध में विवरण **M/s. C-1 India Pvt. Ltd.**, website: **https: //www.bankeauctions.com; Helpline No. 0124- 4302020/21/22/23/24**, for help a bidder in e-auction contact to Mr. Mithalesh Kumar on Mob. No. 7080804466; **E-mail id: mpcg@c1india.com or E-Mail id : support@bankeauctions.com** 17. संपत्ति से संबंधित अधिक जानकारी **Shri Mohit Tiwari, Senior Manager, Mob. No. 9424657537** से प्राप्त की जा सकती हैं। 18. इच्छुक निविदाकर्ता ई-नीलामी प्रक्रिया में अपने स्वयं के कार्यालय/स्वेच्छा के स्थान से बोली हेतु सम्मिलित हो सकते हैं प्रत्येक निविदाकर्ता द्वारा इंटरनेट कनेक्टीविटी स्वतः सुनिश्चित करनी होगीं डीआरटी/बैंक /सेवा प्रदाता किसी भी प्रकार से इंटरनेट कनेक्टीविटी, नेटवर्क समस्या, तंत्र विक्षेप, विघुत व्यवधान आदि के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

स्थान– जबलपुर
दिनांक– 21/03/2024

प्रीति देसाई
वसूली अधिकारी - ।।

सताने लगे गर्मी के तीखे तेवर

इस साल अप्रैल का महीना पिछले साल के मुकाबले अपेक्षाकृत अधिक गर्म रह सकता है

जबलपुर। गर्मी के तेवर अभी से सताने लगे हैं। मौसम विभाग की मानें तो अप्रैल के महीने में लू लपट और गर्मी जमकर सताएगी। पहले हफ्ते में पारा 40 से 42 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है। फिलहाल पारे में ज्यादा उछाल नहीं है। फिर भी गर्मी अपना असर दिखा रही है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अप्रैल में गर्मी तेज हो जाती है। इस समय उत्तर पश्चिमी हवाएं चल रही है। प्रदेश में कोई सिस्टम भी नहीं है। लिहाजा तापमान बढ़ने के पूरे आसार हैं। दिन और रात का तापमान धीरे-धीरे बढ़ रहा है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक कल सूरज के तेवर तीखे रहे, धूप की चुभन ने लोगों को तेज गर्मी का एहसास कराया। अरब सागर से आ रही गर्म हवाओं ने तापमान को बढ़त का मौका दिया है। गर्मी अपना असर दिखाने लगी है। धूप की तपन और पश्चिमी दिशा से आ रही गर्म हवाएं अभी से भीषण गर्मी का अहसास कराने लगी हैं। हवा में नमी कम हो जाने से मौसम के मिजाज तीखे होते जा रहे हैं।

मौसम साफ, अब बढ़ेगा तापमान

मौसम शुष्क रहने की संभावना

पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया, न्यूनतम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातकाल 36 प्रतिशत और सायंकाल 17 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 6.01 बजे और सूर्यास्त शाम 6.26 बजे हुआ। प्रदेश में सबसे अधिक 41 डिग्री तापमान शिवपुरी जिले में दर्ज किया गया। गत वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। पश्चिमी हवायें 5 से 6 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

अगले महीने बढ़कर आएगा बिजली बिल

घरेलू, कृषि और उच्च दाब के उपभोक्ताओं को ऊर्जा प्रभार और नियत प्रभार में बढ़ोतरी

अगले महीने में आपका बिजली बिल बढ़ा हुआ आएगा। दरअसल, नए वित्तीय वर्ष में बिजली के दाम बदल गए हैं। प्रदेश में 1.65 प्रतिशत बिजली के मौजूदा दाम में इजाफा हो गया है। इसमें घरेलू, कृषि और उच्च दाब के उपभोक्ताओं को ऊर्जा प्रभार और नियत प्रभार में बढ़ोतरी की गई।

जबलपुर। चुनावी साल में मप्र पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रस्ताव पर मप्र विद्युत नियामक आयोग ने काट छांट करते हुए दाम में महज 1.65 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मान्य किया है। आयोग की तरफ से घरेलू टैरिफ में प्रति यूनिट ऊर्जा प्रभार में 6 पैसे और 100 यूनिट पर नियत प्रभार में तीन रुपये बढ़ाए है। इधर कृषि कनेक्शन पर प्रति यूनिट ऊर्जा प्रभार में 10 पैसे और नियत प्रभार में दो रुपये प्रति हास पावर बढ़ाए है। इसी प्रकार बड़े उद्योगों के लिए भी 11 किलोवाट पर प्रति यूनिट ऊर्जा प्रभार 10 पैसे और नियत प्रभार पर 12 रुपए प्रति किलोवाट इजाफा किया है।

बिल बढ़ोतरी ऐसी

घरेलू उपभोक्ता यदि 100 यूनिट प्रति माह खपत करते हैं तो इसके लिए वर्तमान में उनको ऊर्जा प्रभार 4 रुपये 21 पैसे प्रति यूनिट के अनुसार 468 रुपये लगता है। अब 6 पैसे की वृद्धि के बाद 4 रुपए 27 पैसे के अनुसार 475 रुपये देना होगा। वहीं, नियत प्रभार 100 यूनिट पर 121 रुपये है, जो अब 124 रुपये लगेगा। यानी अब 589 की जगह 599 रुपये देना होगा। नियत प्रभार और ऊर्जा प्रभार में 10 रुपये ज्यादा लगेगे। उपरोक्त टैरिफ के अलावा 34 पैसे प्रति यूनिट ईंधर प्रभार समायोजन अतिरिक्त देय है। इसके अलावा टैरिफ में 9 से 12 प्रतिशत इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी भी अतिरिक्त देय है। बता दें सरकार 100 यूनिट बिजली खपत पर 554 रुपए सब्सिडी देती है।

मध्यप्रदेश में नई आबकारी व्यवस्था लागू

दुकानों-गोदामों में शराब का स्टाक एंट्री नहीं तो आज राजसात होगी सिक्योरिटी

जबलपुर। मध्य प्रदेश में एक अप्रैल से नई आबकारी नीति लागू हो गई है। शराब के दामों में 15 फीसदी की वृद्धि के साथ आबकारी आयुक्त ने हर दुकान के स्टाक की जानकारी जिला अधिकारियों से मांगी है। इसको लेकर जारी निर्देश में कहा है कि अगर किसी दुकान का स्टाक वेरिफाई नहीं पाया तो इसके लिए विभाग के अधिकारी जिम्मेदार होंगे। साथ ही यह भी कहा है कि शराब दुकान का नवीनीकरण हुआ हो या नहीं, शराब दुकान और गोदाम का स्टाक ई-आबकारी पोर्टल पर अपडेट करना जरूरी होगा। जिलों को जारी निर्देश में आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने कहा है कि सभी शराब दुकानों के लाइसेंस धारकों द्वारा शराब दुकान और उससे संबंधित गोदाम के शेष स्टाक को लेवल वार एंट्री किया जाकर ई-आबकारी पोर्टल पर अपलोड करना होगा। यह काम एक अप्रैल को ही पूरा किया जाना है। जिन दुकानों का नवीनीकरण नहीं हुआ है उनकी आईडी पर भी स्टाक की एंट्री का विकल्प एक अप्रैल को उपलब्ध रहेगा। इसके अंतर्गत 2023-24 के सभी शराब दुकान लाइसेंस धारकों को पूरी करनी है, भले ही लाइसेंस धारक ने 2024-25 के लिए भी नवीनीकरण करा लिया है या दुकान किसी और को आवंटित कर दी गई है।

2 अप्रैल को राजसात होगी सिक्योरिटी डिपाजिट

आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने कहा है कि इसकी एंट्री नहीं किए जाने पर शेष स्टाक के निराकरण या हस्तांतरण की प्रोसेस में गड़बड़ी होगी, इसलिए सभी सर्किल प्रभारी की यह जिम्मेदारी होगी कि अपने प्रभार क्षेत्र में सभी शराब दुकानों की एंट्री आज हर हाल में करा दें। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो संबंधित लाइसेंस धारक द्वारा जमा की गई सिक्योरिटी की राशि को 2 अप्रैल को राजसात कर लिया जाएगा। इसके लिए विभाग अलग से कोई नोटिस जारी नहीं करेगा। इतना ही नहीं आबकारी आयुक्त ने लाइसेंस धारक द्वारा की गई एंट्री का वेरिफिकेशन करने के लिए भी जिला कार्यालयों को निर्देश दिए हैं। एक अप्रैल को रहने वाले स्टाक के आधार पर वर्ष 2024-25 के लिए ड्यूटी के अंतर की राशि का पेमेंट लाइसेंस धारक से कराया जाएगा।

एनईपी के तहत इंजीनियरिंग में प्रवेश के बदले नियम गणित के बिना भी इंजीनियरिंग में मिल सकेगा एडमिशन

फूड टेक्नोलाजी, एग्री. इंजी. व टेक्सटाइल इंजी. जैसे कोर्सेस के लिए मैथ्स आवश्यक नहीं

हरिभूमि, जबलपुर

देश में नई शिक्षा नीति के लागू होने के बाद प्रदेश में इसके क्रियान्वयन में तेजी से नियमों में बदलाव किया जा रहा है। इसके तहत इस साल से तकनीकी शिक्षा विभाग ने इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए नियमों में बदलाव किया है। फूड टेक्नोलाजी, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग व टेक्सटाइल इंजीनियरिंग सहित कई ऐसे कोर्स हैं, जिनमें गणित जरूरी नहीं है। इनमें अगले सत्र से प्रवेश एनईपी के तहत ही होगा।

अगले सत्र से लागू हो जाएंगे नए नियम

एआईसीटीई द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार भी तकनीकी शिक्षा विभाग ने अगले सत्र से यह नियम लागू किए जाएंगे। इसके तहत इस बार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत इंजीनियरिंग में नए पाठ्यक्रम भी शुरू किए जा रहे हैं। इनमें पर्यावरण से संबंधित कुछ कोर्स भी शामिल हैं। विद्यार्थी इंजीनियरिंग की कुछ ब्रांच में कक्षा 12वीं में बिना गणित विषय के भी प्रवेश ले सकते हैं।

ग्राम पंचायतों को मिले अधिकार के खिलाफ याचिका दायर

वृक्ष काटने की अनुमति का मामला, सरकार से जवाब तलब

जबलपुर। मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता में ग्राम पंचायतों को वृक्ष काटने की अनुमति देने का अधिकार मिलने से समूचे प्रदेश में हजारों की संख्या में वृक्ष काटने लगे हैं। इसके खिलाफ नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने डॉ.पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव द्वारा मप्र हाईकोर्ट में दायर याचिका पर आज मुख्य न्यायाधीश खंडपीठ ने शासन से 4 सप्ताह के भीतर जवाब पेश करने के निर्देश जारी किए है। मांगी गई स्थगन आदेश पर शासन के जवाब के बाद सुनवाई होगी। याचिका में बताया है कि मप्र भू-राजस्व

संहिता विविध अधिनियम 2020 के नियम 75 में संशोधन कर तहसीलदार के स्थान पर ग्राम पंचायत "पटवारी रिपोर्ट" शब्छ डाला गया है। इस कारण पंचायतों को वृक्ष काटने की अनुमति देने का अधिकार मिल गया है। सूचना के तहत प्राप्त जानकारी याचिका में प्रस्तुत कर बताया गया है कि ग्राम पंचायत बीरनेर में 419 ग्राम पंचायत बम्हनी में 1440, ग्राम पंचायत नान्हाखेड़ा में 168, ग्राम पंचायत घुंसौर में 22, ऐसे एक मुश्त में सागौन के 2049 वृक्ष काटने की अनुमति दी गई है।

एड.दिनेश उपाध्याय ने पैरवी कर कहा कि यह संशोधन संविधान के खिलाफ है, पंचायत पदाधिकारी वोटर्स को खुश करने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में वृक्ष काटने के आदेश जारी कर रहे है। अतः इस संशोधन पर स्थगन आदेश जारी होना जरुरी है।

एमयू जबलपुर में फैकल्टी की कमी से मंडरा रहा खतरा

पलमोनरी की सुपरस्पेशलिटी पढ़ाई हो सकती है बंद

जबलपुर। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कालेज के स्कूल आफ एक्सीलेंस इन पलमोनरी मेडिसिन जबलपुर में पलमोनरी की सुपरस्पेशलिटी पढ़ाई बंद हो सकती है1 इसकी वजह है संस्थान में फैकल्टी का अभाव। अचानक गड़बड़ाए फैकल्टी के गणित से पलमोनरी की सुपरस्पेशलिटी पढ़ाई बंद होने का खतरा बन गया है। वर्तमान में प्रदेश में पलमोनरी में डीएम पाठ्यक्रम का संचालन करने वाले जबलपुर मेडिकल कालेज एकमात्र संस्थान है। गत वर्ष ही कालेज को एमडी पलमोनरी मेडिसिन में एक साथ छह सीटों की स्वीकृति प्राप्त हुई थी। लेकिन फैकल्टी की कमी से एक वर्ष के अंदर ही सुपरस्पेशलिटी पढ़ाई व्यवस्था दम तोड़ने की कगार पर पहुंच गई है। पलमोनरी मेडिसिन की एमडी की दो सीटें भी फैकल्टी के गणित में उलझ गई है। नए सत्र- 2023-24 में एमडी की सीटें भी घटने की आशंका बढ़ गई है। डीएम और एमडी की सीटों पर मंडराते खतरे का नुकसान मरीजों को भी उठाना पड़ सकता है। पलमोनरी से संबंधित विशेषज्ञ चिकित्सकों को प्रदेश में ही तैयार करने की योजना को झटका लगने का अंदेशा है। रेस्पेरेटरी और पलमोनरी के साथ संयुक्त रूप से बनाए गए स्कूल आफ एक्सीलेंस में चार फैकल्टी की एक यूनिट के आधार पर नेशनल मेडिकल कमीशन-एनएमसी ने गत वर्ष डीएम की छह सीटों पर चिकित्सकों प्रवेश की अनुमति दी थी। सूत्रों के अनुसार इस यूनिट में सम्मिलित दो फैकल्टी सेवा छोड़ चुके है। इससे बिगड़ी स्थिति यूनिट के एक प्रोफेसर को अचानक निष्कासित कर दिए जाने से और बिगड़ गई है। रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के मामले में फंस गई है। इससे एक मात्र फैकल्टी के भरोसे एनएमसी से डीएम की सीटों की निरंतरता शीघ्र प्राप्त होना मुश्किल हो गया है। नए सत्र 2023-24 में एमडी की सीटों की मान्यता के लिए एनएमसी के अधिकारी ने गत वर्ष दिसंबर में स्कूल आफ एक्सीलेंस इन पलमोनरी मेडिसिन का निरीक्षण किया था। बताया जा रहा है कि उस समय एक प्रोफेसर को मात्र डीएम पाठ्यक्रम तक सीमित कर दिया गया। इससे एमडी की आठ सीटों के लिए आवश्यक फैकल्टी का कोरम अधूरा रह गया। फैकल्टी के गणित में हुई इस चूक से एमडी की दो सीटें फंस गई है। निरीक्षण के समय एनएमसी से आठ के स्थान पर एमडी की सीटों को घटाकर छह करने का प्रारंभिक इशारा किया है। जबकि सत्र 2021-22 और सत्र 2022-23 में एमडी की आठ-आठ पर प्रवेश की स्वीकृति थी। सूत्रों के अनुसार स्कूल आफ एक्सीलेंस में फैकल्टी की मनमानियों पर नियंत्रण पाने में कालेज प्रबंधन की विफलता से स्थितियां बिगड़ गई है। इससे प्रदेश में पलमोनरी मेडिसिन में सुपरस्पेशलिस्ट बनने की पढ़ाई कर रहे चिकित्सक भी असमंजस में है। फैकल्टी की कमी से मरीज घटने पर विशेषज्ञ चिकित्सक बनने की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं के प्रशिक्षण पर विपरीत असर पड़ने की आशंका पनप रही है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240